शुक्रवार, 19 दिसम्बर 2025

मौसम

तापमान 17 – 26
आर्द्रता 60%
सूर्योदय: 06:10 सूर्यास्त: 16:56

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

Epaper.samagya.in

समाज्ञा

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, पौष कृष्णपक्ष अमावस्या, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : वक्त के साथ खोया रिश्ता और भरोसा कभी दोबारा नहीं मिलता।

वर्तमान समय में एक निर्णायक शक्ति के रूप में उभरी है वायु शक्ति: राजनाथ पृष्ठ 7

21वीं सदी का भारत बड़े व त्वरित निर्णय लेता है : प्रधानमंत्री मोदी

तीन देशों की यात्रा समाप्त करके स्वदेश रवाना हुए प्रधानमंत्री मोदी

मस्कट : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि 21वीं सदी का भारत बड़े और त्वरित फैसले लेता है, बड़े लक्ष्य तय करके आगे बढ़ता है और समयबद्ध तरीके से परिणाम देता है। दो दिवसीय ओमान यात्रा पर आए मोदी ने यहां भारतीय छात्रों और समुदाय के सदस्यों से बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की। छात्रों और भारतीय समुदाय के सदस्यों ने मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया और उत्साहपूर्वक नारे लगाते हुए तालियों के साथ उनका अभिनंदन किया। मोदी ने अपने संबोधन के दौरान वहां उपस्थित लोगों को 'लघु-भारत' की संज्ञा दी, जिसके बाद उपस्थित लोगों ने मोदी, मोदी, मोदी के नारे लगाने शुरू कर दिए। उन्होंने इस अवसर पर भारत के विभिन्न हिस्सों से आए लोगों की उपस्थिति का जिक्र करते हुए कहा, आज हम सब एक परिवार की तरह एकत्र हुए हैं। आज हम अपने देश और टीम इंडिया का उत्सव मना रहे हैं। भारत में, हमारी विविधता हमारी संस्कृति की मजबूत नींव है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी रेखांकित किया कि सह-अस्तित्व और सहयोग भारतीय प्रवासी समुदाय की पहचान रहे है। भारत के परिवर्तनकारी विकास, इसकी प्रगति, परिवर्तन के पैमाने, और अर्थव्यवस्था की ताकत का जिक्र करते हुए मोदी ने पिछली तिमाही में आठ प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की राह पर दृढ़ता से बढ़ रहा है, और यह तब हुआ जब पूरी दुनिया चुनौतियों से जूझ रही थी। उन्होंने कहा, ''21वीं सदी का भारत बड़े और त्वरित फैसले लेता है, बड़े लक्ष्यों के साथ आगे बढ़ता है और तय समयसीमा के भीतर परिणाम देता है।''

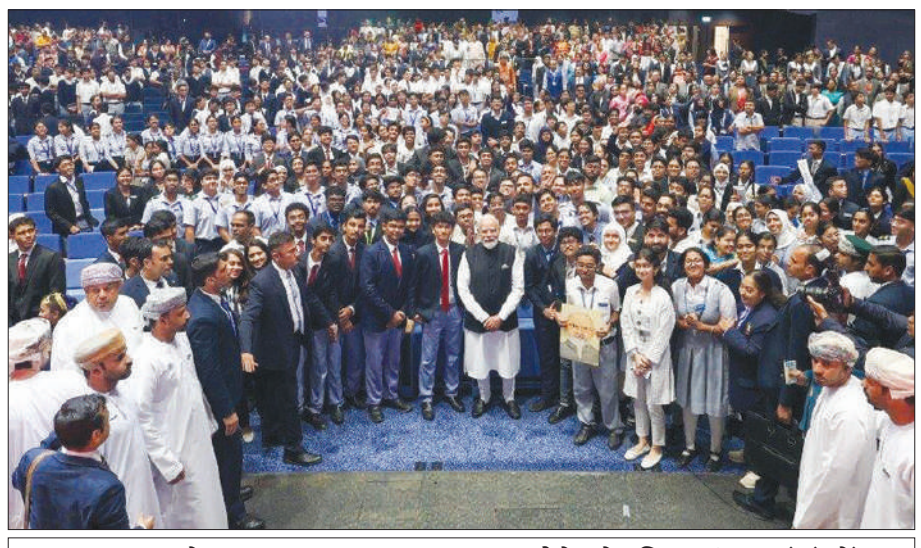

प्रधानमंत्री मोदी को 'ऑर्डर ऑफ ओमान' सम्मान से नवाजा गया

ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के योगदान और उनके ''दूरदर्शी नेतृत्व'' के लिए बृहस्पतिवार को उन्हें विशेष नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ ओमान' से नवाजा। प्रधानमंत्री मोदी को ओमान की दो दिवसीय यात्रा के दौरान यह सम्मान दिया गया। तीन देशों के अपने दौरे के दौरान मोदी जॉर्डन और इथियोपिया की यात्रा कर चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''ऑर्डर ऑफ ओमान प्राप्त करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं। इस सम्मान के लिए सुल्तान हैथम बिन तारिक, ओमान सरकार और वहां की जनता का आभार व्यक्त करता हूं। यह भारत और ओमान के लोगों के बीच स्नेह और विश्वास का प्रतीक है।''

भारत-ओमान मुक्त व्यापार समझौते से द्विपक्षीय संबंधों में नई ऊर्जा आएगी: प्रधानमंत्री मोदी

भारत, ओमान ने मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और ओमान के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) द्विपक्षीय संबंधों को नया विश्वास एवं ऊर्जा प्रदान करेगा और दोनों देशों में वृद्धि के अवसर भी पैदा करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां आयोजित 'भारत-ओमान व्यापार शिखर सम्मेलन' में यह बात कही। उन्होंने अपने संबोधन में मांडवी से मस्कट तक दोनों देशों के बीच सदियों पुराने समुद्री व्यापारिक संबंधों का उल्लेख किया जो वर्तमान समय में जीवंत वाणिज्यिक आदान-प्रदान की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के 70 वर्ष पुराने कूटनीतिक संबंध सदियों से निर्मित विश्वास और मित्रता का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में भारत और ओमान ने मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत वस्त्र, कृषि उत्पाद तथा चमड़े के सामान सहित भारत के 98 प्रतिशत निर्यात को ओमान में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। इसे आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) कहा गया है। सीईपीए को भारत-ओमान के साझा भविष्य की रूपरेखा करार देते हुए प्रधानमंत्री ने व्यापार जगत के लोगों से इस समझौते की पूरी क्षमता का लाभ उठाने का आह्वान किया।

मनरेगा का नाम बदले जाने पर भड़कीं ममता, कहा...

'हम कर्मश्री योजना का नाम महात्मा गांधी पर रखेंगे'

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घोषणा की है कि उनकी सरकार ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना 'कर्मश्री' का नाम बदलकर महात्मा गांधी के नाम पर रखेगी। इसके साथ ही केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए ममता ने कहा कि मनरेगा स्कीम से महात्मा गांधी का नाम हटाया जाना शर्मनाक है, अगर वे राष्ट्रपिता को सम्मान नहीं दे सकते, तो हम देंगे। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बिजनेस एंड इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में भाजपा का सीधे नाम लिए बिना कहा कि अगर कुछ राजनीतिक दल हमारे राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान करने में विफल रहते हैं, तो हम उनका सम्मान करेंगे। ममता ने कहा कि मुझे शर्म आती है कि उन्होंने मनरेगा कार्यक्रम से महात्मा गांधी का नाम हटाने का फैसला किया है। हम अब राष्ट्रपिता को भी भूला रहे हैं। अब हम अपने राज्य की कर्मश्री योजना का नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखेंगे। 'कर्मश्री' योजना के तहत सरकार का दावा है कि वह लाभार्थियों को 75 दिनों तक का काम देती है, इसके बावजूद कि बनर्जी ने कहा कि केंद्र मनरेगा के तहत फंड रोक रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का लक्ष्य भविष्य में 'कर्मश्री' के तहत काम के दिनों की संख्या बढ़ाकर 100 करना है। उन्होंने कहा कि हमने पहले ही 'कर्मश्री' के तहत बहुत सारे कार्यदिवस बनाए हैं, जिसे हम अपने संसाधनों से चला रहे हैं। अगर केंद्रीय फंड बंद भी हो जाते हैं, तो भी हम यह सुनिश्चित करेंगे कि लोगों को काम मिले। हम भिखारी नहीं हैं।

'बंगाल भारत का गेटवे'

ममता बनर्जी ने किसी ने कहा कि कुछ लोग सिर्फ बंगाल को बदनाम करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें नहीं पता कि बंगाल पूरी तरह से बदल गया है। यह अब एक वर्ल्ड-क्लास डेस्टिनेशन बन गया है। मैं इंडस्ट्री चलाने वाले उद्योगपतियों की कमिटमेंट का सम्मान करती हूं। राज्य में एसआईआर भी किया जा रहा है। इसलिए सब लोग दूसरे कामों में बिजी हैं। इसीलिए हम यह बिजनेस कॉन्क्लेव कर रहे हैं। कल भी एमएसएमई सेक्टर के लिए एक बड़ी मीटिंग हुई थी, जिसमें 15,000 से ज़्यादा उद्योगपतियों ने हिस्सा लिया था। आज, पश्चिम बंगाल में भारत के सबसे बड़े लॉजिस्टिक्स हब में से एक है। वर्ल्ड बैंक लॉजिस्टिक्स और एक्सपोर्ट ग्रोथ के लिए राज्य के साथ पार्टनरशिप कर रहा है, इसीलिए हम अमेजन जैसे ग्लोबल दिग्गजों को आकर्षित कर रहे हैं। बंगाल दक्षिण पूर्व एशिया, उत्तर पूर्व भारत, पूर्वी भारत और खासकर बांग्लादेश, भूटान और नेपाल का गेटवे है। हम गेटवे हैं। बंगाल बिहार, झारखंड, ओडिशा और दूसरे राज्यों का भी गेटवे है।

सोशल मीडिया के झूठ पर दी चुनौती

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जोर देकर कहा कि बंगाल एक बेहद शांतिपूर्ण राज्य है। सोशल मीडिया पर जो निगेटिव नैरेटिव और वीडियो चलाए जा रहे हैं, वे पूरी तरह झूठे हैं और उनका मकसद सिर्फ राज्य की छवि खराब करना है। उन्होंने कहा कि तथाकथित सोशल मीडिया के जरिए जानबूझकर गलत जानकारी फैलाई जा रही है। ममता ने खुली चुनौती देते हुए कहा कि ऐसी साजिशें बंगाल को नुकसान नहीं पहुंचा सकतीं। उनका कहना था कि सच्चाई सबके सामने है और राज्य विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिसे कोई रोक नहीं सकता।

संसद ने 'विकसित भारत- जी राम जी विधेयक' को मंजूरी दी

नयी दिल्ली : संसद ने बृहस्पतिवार को विपक्ष के विरोध के बीच 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' को पारित कर दिया। ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ''कांग्रेस ने बापू के आदर्शों की हत्या की, जबकि मोदी सरकार ने उन्हें जिंदा रखा है''। मनरेगा योजना की जगह नया विधेयक लाने और उसमें से महात्मा गांधी का नाम हटाने को लेकर विपक्ष के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए चौहान ने कहा कि 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार महात्मा गांधी के आदर्शों को लागू करने और विकसित गांव की बुनियाद पर विकसित भारत बनाने के लक्ष्य की दिशा में काम कर रही है। राज्यसभा में विधेयक पर छह घंटे से अधिक चर्चा हुई एवं मंत्री चौहान के जवाब के बाद इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। सदन ने इस विधेयक पर विपक्ष के कई सदस्यों द्वारा लाये गये संशोधन प्रस्तावों को नामंजूर कर दिया। विधेयक को लोकसभा ने इसे दिन में मंजूरी दी थी।

RED-X
B.W.P. PLY, BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

29 और 30 दिसंबर को राज्य का दौरा करेंगे अमित शाह

कोलकाता, समाज्ञा : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 29 और 30 दिसंबर को पश्चिम बंगाल के दौरे पर आएंगे। कोलकाता में अपने दो दिवसीय प्रवास के दौरान, वे राज्य भाजपा के कोर ग्रुप के नेताओं से मुलाकात करेंगे। भाजपा सूत्रों के अनुसार, इन बैठकों में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की तैयारियों और रणनीति की समीक्षा पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। गृह मंत्री महत्वपूर्ण चुनावों से पहले पार्टी की संगठनात्मक क्षमता, बूथ स्तर की योजना और पार्टी नेताओं के बीच समन्वय का आकलन करेंगे।

भारत ने ढाका में वीजा केंद्र का संचालन फिर से शुरू किया, दो अन्य केंद्रों का कामकाज निलंबित

ढाका : भारत ने बृहस्पतिवार को ढाका में अपने वीजा आवेदन केंद्र का संचालन फिर से शुरू कर दिया, सुरक्षा संबंधी चिंताओं में वृद्धि के कारण एक दिन पहले इसे बंद कर दिया गया था। हालांकि, बांग्लादेश के अन्य हिस्सों में स्थित इसी तरह के दो अन्य केंद्रों को बंद कर दिया गया है। वहीं, भारत विरोधी प्रदर्शनकारियों ने वहां भारतीय मिशनों की ओर मार्च करने की कोशिश की। दक्षिण-पश्चिमी खुलना और उत्तर-पश्चिमी राजशाही में स्थित भारतीय वीजा आवेदन केंद्र (आईवीएसी) को सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण बंद कर दिया गया था। यह कदम इन केंद्रों की तरफ विरोध मार्चों के मद्देनजर उठाया गया है।

'सिर तन से जुदा' नारा लोगों को विद्रोह के लिए उकसाने वाला : उच्च न्यायालय

प्रयागराज : इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि 'गुस्ताख-ए-नबी की एक ही सजा, सिर तन से जुदा, सिर तन से जुदा' नारा कानून व्यवस्था और भारत की एकता एवं अखंडता को एक चुनौती है क्योंकि यह लोगों को विद्रोह के लिए उकसाता है। अदालत ने इत्तेफाक मिन्नत काउंसिल (आईएनसी) के अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा के आह्वान पर 26 मई, 2025 को बिहारीपुर में एकत्रित 500 लोगों की भीड़ द्वारा हिंसा के मामले में आरोपी रिहान नाम के युवक की जमानत याचिका खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। इस हिंसा में लोगों ने उक्त नारा लगाया था। न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल ने कहा, ''यह कृत्य ना केवल बीएनएस की धारा 152 के तहत दंडनीय है, बल्कि इस्लाम के बुनियादी सिद्धांत के भी खिलाफ है।'' अदालत ने कहा, ''केस डायरी में यह दर्शाने के लिए पर्याप्त सामग्री है कि याचिकाकर्ता उस गैर कानूनी सभा का हिस्सा था जिसने ना केवल आपत्तिजनक नारा लगाया, बल्कि पुलिसकर्मियों को घायल किया, निजी और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। उसे मौके से गिरफ्तार किया गया, इसलिए उसे जमानत पर रिहा करने का कोई आधार नहीं है।'' अदालत ने यह भी कहा, ''आमतौर पर हर धर्म में नारे लगाए जाते हैं, लेकिन ये नारे ईश्वर के लिए सम्मान प्रदर्शित करने के लिए लगाए जाते हैं। जैसे इस्लाम में 'अल्लाहू अकबर' का नारा लगाया जाता है, सिख धर्म में 'जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल' और हिंदू धर्म में 'जय श्री राम, हर हर महादेव' का नारा लगाया जाता है।'' अदालत ने कहा, ''यद्यपि 'गुस्ताख-ए-नबी की एक सजा, सिर तन से जुदा' नारे का कुरान या किसी अन्य धार्मिक ग्रंथ में कोई जिक्र नहीं है, फिर भी इस नारे का कई मुस्लिम लोगों द्वारा बिना इसका सही अर्थ जाने व्यापक इस्तेमाल किया जा रहा है।'' अदालत ने बुधवार को अपने आदेश में कहा कि उक्त विश्लेषण को देखते हुए यह स्पष्ट है कि भीड़ द्वारा लगाया गया यह नारा कानून-व्यवस्था और भारत की एकता एवं अखंडता के लिए चुनौती है क्योंकि यह लोगों को विद्रोह के लिए उकसाता है। उसने कहा कि इसलिए यह कृत्य ना केवल बीएनएस की धारा 152 के तहत दंडनीय है, बल्कि इस्लाम के बुनियादी सिद्धांत के भी खिलाफ है।

लालकिला विस्फोट: एनआईए ने कश्मीर निवासी आरोपी को गिरफ्तार किया, मामले में नौवीं गिरफ्तारी

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने लालकिला क्षेत्र विस्फोट के सिलसिले में जम्मू कश्मीर के रहने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जो आत्मघाती उमर-उन-नबी का करीबी सहयोगी है। इस गिरफ्तारी के साथ ही इस ''सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल'' में अब तक गिरफ्तार हुए व्यक्तियों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि आरोपी यासिर अहमद डार जम्मू कश्मीर के शोपियां का रहने वाला है। इसमें कहा गया है कि उसे दिल्ली से पकड़ा गया और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के संबंधित प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया।

भारत आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा से जुड़े प्रयासों में 'अत्यंत रणनीतिक संभावित साझेदार' : अमेरिका

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन : अमेरिका, भारत को आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा से जुड़े प्रयासों में एक ''अत्यंत रणनीतिक संभावित साझेदार'' के रूप में देखता है और उसके साथ आर्थिक सुरक्षा सहयोग को और गहरा करने के तरीको पर ''लगातार बातचीत'' कर रहा है। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि उनका देश हाल में वाशिंगटन के नेतृत्व में शुरू की गई सिलिकॉन आपूर्ति श्रृंखला पहल से भारत के बाहर रहने के बावजूद नयी दिल्ली के साथ इस विषय पर संवाद के अवसर का स्वागत करता है। आर्थिक मामलों के लिए अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अवर सचिव जैकब हेलबर्ग ने बुधवार को पत्रकारों से कहा कि अमेरिका, भारत के साथ ''आर्थिक सुरक्षा सहयोग को और गहरा करने'' के तरीकों पर ''लगातार बातचीत'' कर रहा है। पिछले सप्ताह अमेरिका ने 'पैक्स सिलिका' नामक एक रणनीतिक पहल शुरू की, जिसका उद्देश्य महत्वपूर्ण खनिजों और ऊर्जा इनपुट से लेकर उन्नत विनिर्माण, सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) अवसंरचना और साज-ोसामान तक एक सुरक्षित, समृद्ध और नवाचार-आधारित सिलिकॉन आपूर्ति शृंखला तैयार करना है।

संसद ने परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी के प्रावधान वाले विधेयक को मंजूरी दी

परमाणु विधेयक में सुरक्षा तंत्र से कोई समझौता नहीं होगा: जितेंद्र सिंह

नयी दिल्ली : संसद ने बृहस्पतिवार को परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी की अनुमति देने के प्रावधान वाले विधेयक को मंजूरी प्रदान कर दी। राज्यसभा ने 'भारत के रुपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन और अभिवर्द्धन (शांति) विधेयक, 2025 को चर्चा एवं परमाणु ऊर्जा राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह के जवाब के बाद ध्वनिमत से पारित कर दिया। उच्च सदन ने विपक्षी सदस्यों द्वारा पेश किए तमाम संशोधनों को भी ध्वनिमत से खारिज कर दिया। लोकसभा इस विधेयक को कल ही पारित कर चुकी है। इससे पहले विधेयक पर चर्चा के दौरान जहां सत्ता पक्ष के सदस्यों ने विधेयक को ऐतिहासिक और 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने के लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण करार दिया वहीं विपक्ष ने आरोप लगाया कि इसमें आपूर्तिकर्ता के उत्तरदायित्व का प्रावधान नहीं है तथा यह संवेदनशील क्षेत्र में निजी कॉरपोरेट समूहों के लिए रास्ता खोलने वाला है। चर्चा का जवाब देते हुए जितेंद्र सिंह ने कहा कि इस विधेयक में कुछ ऐसे प्रावधान हैं, जो पहले भी थे, लेकिन सत्तापक्ष का विरोध करने के चक्कर में विपक्षी सदस्य अपने समय के प्रावधानों का ही विरोध कर देते हैं। सिंह ने 'भारत के रुपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन और अभिवर्द्धन (शांति) विधेयक, 2025' को उच्च सदन में चर्चा करने एवं पारित कराने के लिए पेश करते हुए कहा कि आने वाले समय में यह मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र के लिए 37 हजार करोड़ रुपये से अधिक का बजट है। मंत्री ने कहा, ''यदि हमने 2047 तक 100 गीगावाट स्वच्छ ऊर्जा का लक्ष्य रखा है तो पूरा करने में परमाणु क्षेत्र महत्वपूर्ण है।'' सिंह ने कहा कि आज की दुनिया में अलग-थलग रहने का दौर खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि उन्हीं सुरक्षा उपायों को जारी रखा गया है जो प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के समय अमल में आए थे। सिंह ने यह भी कहा कि निजी क्षेत्र की भागीदारी होगी, लेकिन सुरक्षा का पूरा प्रबंध किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'शांति' विधेयक के संसद से पारित होने को परिवर्तनकारी क्षण बताया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि संसद द्वारा 'शांति' विधेयक पारित होना भारत के तकनीकी परिदृश्य के लिए एक परिवर्तनकारी क्षण है और इससे निजी क्षेत्र और युवाओं के लिए अनेक अवसर खुलते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भारत में निवेश करने, नवाचार करने और निर्माण करने का यह आदर्श समय है।'' उन्होंने कहा कि संसद के दोनों सदनों द्वारा 'भारत के रुपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन और अभिवर्द्धन (शांति) विधेयक, 2025 का पारित होना भारत के प्रौद्योगिकी परिदृश्य के लिए एक महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी क्षण है। मोदी ने कहा, ''इसके पारित होने में सहयोग देने वाले सांसदों के प्रति मैं आभार व्यक्त करता हूं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सुरक्षित रूप से संचालित करने से लेकर हरित विनिर्माण को सक्षम बनाने तक, यह देश और दुनिया के लिए स्वच्छ ऊर्जा भविष्य को निर्णायक बढ़ावा देता है।''

'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के मूर्तिकार राम सुतार का 100 वर्ष की आयु में निधन

नोएडा/मुंबई : केवड़िया स्थित विशालकाय 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' और संसद परिसर में स्थापित महात्मा गांधी की प्रतिष्ठित प्रतिमा सहित कई ऐतिहासिक प्रतिमाओं के निर्माता प्रख्यात मूर्तिकार राम सुतार का बुधवार देर रात नोएडा स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। सुतार के पुत्र अनिल सुतार ने बताया कि उनकी आयु 100 वर्ष थी और वह उम्र संबंधी बीमारियों से पीड़ित थे। मूर्तिकार राम सुतार के निधन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित देश की कई प्रमुख हस्तियों ने शोक व्यक्त किया और कहा कि उनकी रचनाएं ''भारत के इतिहास और संस्कृति की प्रभावशाली अभिव्यक्ति हैं''। 'स्टैच्यू मैन' के नाम से प्रसिद्ध सुतार अपने अंतिम समय तक सक्रिय रहे और उन्होंने मुंबई के इंदु मिल में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर स्मारक और गुवाहाटी में गोपीनाथ बारदोली की मूर्ति, जिसका जल्द ही अनावरण होना है, जैसी बड़ी परियोजनाओं में काम किया। महाराष्ट्र के धुले जिले के गोंदुर गांव में 19 फरवरी, 1925 को एक साधारण परिवार में जन्मे सुतार ने मुंबई के जे जे स्कूल ऑफ आर्ट एंड आर्किटेक्चर में स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्हें 1999 में पद्म श्री और 2016 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। हाल ही में, सुतार को महाराष्ट्र के सर्वोच्च पुरस्कार महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने शोक जताया

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रसिद्ध मूर्तिकार राम सुतार के निधन पर बृहस्पतिवार को शोक व्यक्त किया और कहा कि उनकी कलाकृतियां हमेशा भारत के इतिहास व संस्कृति की शक्तिशाली अभिव्यक्ति के रूप में सराही जाएंगी। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, श्री राम सुतार जी के निधन पर गहरा दुख हुआ, वह एक अद्वितीय मूर्तिकार थे, जिन्होंने भारत को केवड़िया में स्थित 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' समेत कई नायाब कलाकृतियां दीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि सुतार की कलाकृतियां हमेशा भारत के इतिहास, संस्कृति और सामूहिक भावना की शक्तिशाली अभिव्यक्तियां बनी रहेंगी।

एक्सप्रेस-वे पर सुरक्षित सफर सुनिश्चित हो

उस घटना की कल्पना करके भी रूह कांप जाती है, जिसमें मथुरा के निकट, मंगलवार तड़के घने कोहरे के चलते कई वाहनों के आपस में टकराने से तेरह लोग जिंदा जल गए। घने अंधेरे में बड़ी संख्या में लोग आग में झुलसे और घायल हुए। मरने वाले निर्दोष लोग अपने-अपने जरूरी कामों के लिए जल्दी पहुंचने की चाहत में रात के सफर पर निकले थे। लेकिन हालात उन्हें मौत के मुंह में ले गये। मंगलवार को अमंगल का यह सिलसिला पंजाब तक चला, जहां सुबह घने कोहरे के चलते पांच लोगों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में हुई। बरनाला व तपामंडी में हुए दो सड़क हादसों में एक ही परिवार के तीन लोगों समेत पांच लोगों की मौत हुई। वजह वही, घने कोहरे के चलते दृश्यता में कमी और स्थिति का आकलन न कर पाने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो जाना। वहीं तपामंडी के व्यापारी की पत्नी व बेटी की मौत रास्ते में खड़े ट्रक से उनकी कार के टकराने से हुई। इससे पहले रविवार सुबह कोहरे के कोहराम से 66 वाहनों के टकराने से एक छात्रा समेत चार लोगों की मौत हरियाणा में भी हुई। चरखी दादरी में एक स्कूल बस व रोडवेज की बस की आमने-सामने की टक्कर में एक ग्यारहवीं की छात्रा की मौत हो गई और तीस से अधिक छात्राएं व शिक्षक, बस चालक समेत घायल हो गए। वहीं तेज रफ्तार वाले नेशनल हाईवे 152-डी पर एक के बाद एक, अनेक वाहन दृश्यता की कमी के चलते दुर्घटनाग्रस्त हो गए, जिसमें तीन युवकों की मौत हो गई और 24 से अधिक लोग घायल हो गए। निश्चय ही निर्दोष लोगों का यूं असमय काल-कवलित होना बेहद दुखद ही है। आखिर हर साल जाड़े के दिनों में धुंध या कोहरे की वजह से होने वाले हादसों के लिए हम क्यों अभिशप्त हैं? आखिर इन दुर्घटनाओं को टालने की गंभीर कोशिश सरकार, समाज व वाहन चालकों की तरफ से क्यों नहीं की जाती?

विडंबना है कि जब हमने चांद व मंगल ग्रह तक दस्तक दे दी है, तो राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे पर यात्रियों के जानमाल की रक्षा के लिए धुंध से मुक्ति की तकनीक क्यों नहीं लगा पा रहे हैं? निश्चय ही प्रकृति की लीला का मुकाबला कर पाना संभव नहीं, लेकिन कमोबेश दुर्घटनाओं की संख्या कम करके जान-माल का नुकसान कम करने का प्रयास तो करें। यह सजगता नागरिकों के स्तर पर भी जरूरी है। यात्रा के समय के चयन और धुंध के बीच वाहन चालन में अतिरिक्त सतर्कता की जरूरत होती है। राष्ट्रीय राजमार्ग व एक्सप्रेस-वे पर पर्याप्त रोशनी और धुंध में दृश्यता बढ़ाने के तकनीकी प्रयास किए जाएं। मौसमी बाधा के बीच दुर्घटना का एक बड़ा कारण राजमार्गों के किनारे अवैध रूप से जगह-जगह खोले गए ढाबे भी बनते हैं। दरअसल, होटल-ढाबों के पास वाहनों को अपने परिसर में खड़ा करने की जगह नहीं होती, जिसके चलते ट्रक व अन्य वाहन सड़कों में खड़े रहते हैं। जिसके चलते अक्सर तेजी से आने वाले वाहन दृश्यता की कमी से इन खड़े वाहनों से टकराकर दुर्घटना ग्रस्त हो जाते हैं। पिछले माह राजस्थान के फलोदी के निकट एक टेम्पो ट्रेवलर के सड़क के किनारे खड़े ट्रेलर से टकराने से दस महिलाओं व चार बच्चों समेत पंद्रह लोगों की मौत हुई थी। इस घटना पर स्वत: संज्ञान सुप्रीम कोर्ट ने लिया। सोमवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण व प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सख्त नाराजगी दिखाई। कोर्ट ने लगातार हादसों की वजह बन रहे इन अवैध होटलों-ढाबों पर नियंत्रण हेतु पूरे देश के लिये दिशा-निर्देश जारी करने की जरूरत बतायी। कई अध्ययनों में हादसों की वजह सड़कों के डिजाइन में कमी को भी बताया गया। सवाल है कि जब देश में अच्छी-तेज सड़कों का जाल तीव्र गति से बिछाया जा रहा है तो सुरक्षित सफर सुनिश्चित करना भी तो नीति-नियंताओं की जवाबदेही बनती है? हादसों के लिए सिर्फ चालकों को जिम्मेदार नहीं बताया जा सकता। हां, इतना जरूर है कि वाहन चालकों को गति के साथ मति भी तेज रखनी होगी। यातायात नियमों का पालन करने में एक जिम्मेदार नागरिक का भी दायित्व निभाना होगा।

आज का पंचांग

कोलकाता : 19 दिसम्बर, शुक्रवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2082, पौष कृष्णपक्ष अमावस्या, 31:12 तक, नक्षत्र : ज्येष्ठा, 22:42 तक, योग : शुला, 15:41 तक, सूर्योदय: 06:05, सूर्यास्त: 16:53, चन्द्रोदय : 05:30, चन्द्रास्त: 16:10, शक सम्वत: 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : धनु, चन्द्र राशि : वृश्चिक, राहू काल : 10:13 से 11:33

राशिफल

मेष : शुक्रवार का दिन मेष राशि के जातकों को लिए मिला जुला रहने वाला है। आज के दिन जल्दबाजी में लिया गया फैसला आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकता है।

वृष : आज का दिन आपके लिए बहुत व्यस्त रहने वाला है। ऐसे में अधिक भागदौड़ में सावधानी बरतें। पैर में चोट लगने का भय दिख रहा है। आज रुके हुए कार्यों की पूर्ति भी होगी।

मिथुन : मिथुन राशि के जातकों को आज के दिन शारीरिक कष्ट की वृद्धि झेलनी पड़ सकती है। आज आपके सामाजिक क्रियाकलापों में अड़चन आ सकती हैं।

कर्क : भाग्य की दृष्टि से आज का दिन उत्तम रहेगा। आपके परिश्रम का फल अच्छा मिलेगा। संतान के प्रति आपका विश्वास और अधिक मजबूत होगा। माता-पिता का विशेष ध्यान रखें।

सिंह : सिंह राशि वालों के लिए आज का दिन मिलाजुला परिणाम देने वाला रहेगा। मानसिक अशांति के कारण आज के दिन परेशान रह सकते हैं। नेत्रों से संबंधित कोई कष्ट है तो उसमें सुधार होगा।

कन्या : आज आपके अंदर निर्भीकता का भाव रहेगा। साहस के दम पर आप कठिन कार्यों को पूरा करने में सफल रहेंगे। आपको अपने माता-पिता का सहयोग प्राप्त होगा।

तुला : आज का दिन आपके लिए शुभ फलकारक रहने वाला है। आपके अधिकारों में वृद्धि होगी। संपत्ति से जुड़ी कोई खुशखबरी भी सुनने को मिल सकती है।

वृश्चिक : आज के दिन आपका मन अशांत एवं परेशान रहेगा। व्यापार वृद्धि के लिए किए गए प्रयास लाभहीन साबित हो सकते हैं। सायंकाल तक हालात थोड़े सामान्य होंगे।

धनु : आज आपकी विद्या, बुद्धि, ज्ञान की वृद्धि होगी। आपके अंदर दान पुण्य एवं परोपकार की भावना विकसित होगी। आप धार्मिक अनुष्ठानों में रुचि लेकर पूर्ण सहयोग करेंगे।

मकर : आज आपको बहुमूल्य वस्तुओं की प्राप्ति हो सकती है। इसके साथ कुछ अनावश्यक खर्चे भी सामने आएंगे जो न चाहते हुए भी मजबूरी में करने पड़ेंगे। ससुराल पक्ष से मान-सम्मान मिलेगा।

कुम्भ : आज का दिन बुद्धि विवेक से नई-नई खोज करने में व्यतीत होगा। आप सीमित एवं आवश्यकतानुसार ही खर्च करें। अपने पारिवारिक जनों से विश्वासघात होने की संभावना है।

मीन : आज पंचम भाव में कर्क राशि का बृहस्पति होने के कारण बहुत समय से लटका हुआ पुत्र या पुत्री से संबंधित किसी विवाद का हल निकल आएगा। प्रियजनों व परिजनों से हास्य विनोद रहेगा।

काकोरी कांड : आजादी के संघर्ष का अमर अध्याय

योगेश कुमार गोयल

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास केवल राजनीतिक आंदोलनों, प्रस्तावों और समझौतों का क्रम नहीं है बल्कि यह उन असंख्य क्रांतिकारियों की त्यागमयी गाथा भी है, जिन्होंने मातृभूमि की आजादी के लिए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया। इन बलिदानों ने गुलामी की जड़ों को भीतर से हिलाया और जनता के मन में यह विश्वास जगाया कि अंग्रेजी हुकूमत अजेय नहीं है। ऐसी ही एक ऐतिहासिक और निर्णायक घटना है काकोरी कांड, जिसने न केवल ब्रिटिश सत्ता को गहरी चुनौती दी बल्कि भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन को एक नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की। काकोरी कांड भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष का वह अध्याय है, जिसने यह सिद्ध कर दिया कि आजादी केवल याचिकाओं और प्रार्थनाओं से नहीं मिलेगी बल्कि उसके लिए साहस, संगठन और बलिदान की आवश्यकता होगी। यही कारण है कि काकोरी कांड में शामिल क्रांतिकारियों को केवल इतिहास के पात्र नहीं बल्कि क्रांति की नींव रखने वाले शूरवीर माना जाता है। उनकी शहादत की स्मृति में हर वर्ष 19 दिसम्बर को काकोरी शहीद दिवस मनाया जाता है, जो हमें स्वतंत्रता की कीमत और उसकी रक्षा की जिम्मेदारी का बोध कराता है।

बीसवीं सदी के प्रारंभिक दशकों में भारत का राजनीतिक परिदृश्य तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा था। महात्मा गांधी के नेतृत्व में असहयोग आंदोलन ने देश में जन-जागरण की लहर पैदा की थी। 1920 में शुरू हुआ यह आंदोलन ब्रिटिश शासन के लिए एक गंभीर चुनौती बन गया था लेकिन फरवरी 1922 में चौरी-चौरा कांड के बाद गांधी जी द्वारा आंदोलन वापस लिए जाने से देश के एक बड़े वर्ग, विशेषकर युवा क्रांतिकारियों में गहरी निराशा फैल गई। वे मानते थे कि जब अंग्रेज दमन और हिंसा का सहारा ले रहे हैं, तब केवल अहिंसा के माध्यम से आजादी पाना कठिन है। यही वह ऐतिहासिक मोड़ था, जहां से संगठित क्रांतिकारी आंदोलन ने नई दिशा पकड़ी। निराश लेकिन दृढ़ निश्चयी युवाओं ने यह ठान लिया कि वे किसी भी कीमत पर स्वतंत्रता के लक्ष्य से पीछे नहीं हटेंगे। इसी सोच के परिणामस्वरूप 1923 में शचीन्द्रनाथ सान्याल के नेतृत्व में हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचआरए) की स्थापना हुई। इस संगठन का उद्देश्य केवल ब्रिटिश शासन का विरोध करना नहीं बल्कि एक ऐसे स्वतंत्र, गणराज्यात्मक भारत की स्थापना करना था, जहां शोषण और अन्याय का कोई स्थान न हो।

एचआरए के प्रमुख सदस्यों में राम प्रसाद बिस्मिल, योगेशचंद्र चटर्जी, शचीन्द्रनाथ बख्शी जैसे साहसी क्रांतिकारी शामिल थे। बाद में चंद्रशेखर आजाद और भगत सिंह जैसे तेजस्वी क्रांतिकारी भी इस विचारधारा से जुड़े। संगठन का स्पष्ट मत था कि क्रांति के लिए संसाधन चाहिए और संसाधनों के लिए धन। लेकिन चंदा मांगना न केवल संगठन की गोपनीयता को खतरे में डाल सकता था बल्कि अंग्रेजी खुफिया तंत्र को भी सतर्क कर सकता था। ऐसे में निर्णय लिया गया कि ब्रिटिश सरकार के ही खजाने को निशाना बनाया जाए। इस विचार को कार्यरूप देने की जिम्मेदारी संगठन के सेनापति पं. राम प्रसाद बिस्मिल को सौंपी

काकोरी शहीद दिवस (19 दिसम्बर) पर विशेष

गई। प्रारंभिक प्रयासों में क्रांतिकारियों ने कुछ धन जुटाने की कोशिश की, लेकिन वह हथियारों और क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए पर्याप्त नहीं था। अंततः यह निर्णय लिया गया कि सीधे सरकारी खजाने पर हाथ डाला जाए। यह फैसला न केवल साहसिक था बल्कि अत्यंत जोखिम भरा भी, क्योंकि असफलता की स्थिति में इसका परिणाम मृत्यु या आजीवन कारावास हो सकता था।

8 अगस्त 1925 को बिस्मिल के घर एक गुप्त बैठक हुई, जिसमें ब्रिटिश सरकार के खजाने को लूटने की विस्तृत योजना बनाई गई। अगले ही दिन 9 अगस्त 1925 को एचआरए के दस क्रांतिकारी सहारनपुर-लखनऊ पैसेंजर ट्रेन में सवार हुए। इनमें राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान, चंद्रशेखर आजाद, राजेंद्र लाहिड़ी, शचीन्द्रनाथ बख्शी, मन्मथनाथ गुप्त, मुरारी शर्मा, बनवारी लाल, केशव चक्रवर्ती और मुकुंदी लाल शामिल थे। लखनऊ के निकट काकोरी रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चेन खींचकर उसे रोका गया। योजना के अनुसार, राजेंद्र लाहिड़ी ने नेतृत्व संभाला और कुछ ही क्षणों में सरकारी खजाने को कब्जे में ले लिया गया। यह कार्रवाई इतनी सुनियोजित थी कि यात्रियों को अधिक नुकसान नहीं हुआ। हालांकि दुर्भाग्यवश एक आकस्मिक गोली चलने से एक यात्री की मृत्यु हो गई, जिसे बाद में ब्रिटिश सरकार ने पूरे मामले को और अधिक संगीन बनाने के लिए प्रमुख आधार बनाया।

इस लूट में कुल 4601 रुपये प्राप्त हुए, जो उस समय एक बड़ी राशि थी। अगले ही दिन यह खबर अखबारों के माध्यम से पूरे देश और विदेश में फैल गई। लंदन के हाउस ऑफ कॉमन्स तक में इस घटना की चर्चा हुई। ब्रिटिश सरकार हिल गई और उसने इसे अपनी सत्ता के लिए खुली चुनौती माना। इसके बाद जो दमनचक्र चला, वह भारतीय इतिहास के सबसे कठोर अभियानों में से एक था। ब्रिटिश सरकार ने एचआरए के लगभग 40 क्रांतिकारियों के खिलाफ मुकदमा चलाया। लंबी सुनवाई और कठोर पूछताछ के बाद अंग्रेजी अदालत ने चार क्रांतिकारियों को फांसी की सजा सुनाई। राजेंद्रनाथ लाहिड़ी को 17 दिसम्बर 1927 को गोंडा जेल में फांसी दी गई। इसके दो दिन बाद 19 दिसम्बर 1927 को राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान और रोशन सिंह को अलग-अलग जेलों में फांसी दे दी गई। इन फांसियों ने पूरे देश को झकझोर दिया। हिंदू-मुस्लिम एकता की अद्भुत मिसाल बने बिस्मिल और अशफाक की मित्रता ने यह सिद्ध कर दिया कि स्वतंत्रता संग्राम किसी एक धर्म या समुदाय का नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र का संघर्ष था। उनकी शहादत ने असहयोग आंदोलन के बाद ठहर गई क्रांतिकारी चेतना को फिर से प्रज्वलित कर दिया।

काकोरी कांड का सबसे अनछुआ पहलू यह है कि यह केवल धन लूट की घटना नहीं थी बल्कि यह एक वैचारिक विद्रोह था, जिसका उद्देश्य अंग्रेजी शासन की नैतिक वैधता को चुनौती देना और यह संदेश देना था कि भारत अब दासता स्वीकार नहीं करेगा। इस घटना ने आगे चलकर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और सुभाष चंद्र बोस जैसे नेताओं को भी गहराई से प्रभावित किया। आज, जब हम काकोरी शहीद दिवस मनाते हैं तो यह केवल अतीत को स्मरण करने का अवसर नहीं है बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए प्रेरणा लेने का दिन है। काकोरी के शूरवीरों ने हमें सिखाया कि स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं बल्कि कर्त्तव्य भी है उसकी रक्षा का, उसकी गरिमा बनाए रखने का। काकोरी कांड के शहीदों का बलिदान भारतीय इतिहास में सदैव अमर रहेगा। उनका साहस, त्याग और राष्ट्रप्रेम आने वाली पीढ़ियों को यह याद दिलाता रहेगा कि भारत की आजादी यूं ही नहीं मिली बल्कि इसके पीछे अनगिनत वीरों का लहू बहा है। भारत आज भी उनका ऋणी है और सदैव रहेगा।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

डीज़ल युग का विसर्जन, हरित भारत का अभिषेक

प्रो. आर के जैन

जब कोई राष्ट्र इतिहास रचता है, तो उसकी गूंज सीमाओं से परे जाती है। दिसंबर 2025 में भारतीय रेलवे ने ऐसा ही एक स्वर्णिम अध्याय लिखा, जब ब्रॉड-गेज रेल नेटवर्क का 99.2 प्रतिशत विद्युतीकरण पूर्ण हुआ। यह उपलब्धि मात्र आँकड़ों की बाज़ीगरी नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच, निर्णायक नेतृत्व और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की अथक मेहनत का जीवंत प्रमाण है। जिस दौर में कई तथाकथित विकसित देश आज भी डीज़ल आधारित ढांचे पर निर्भर हैं, उसी दौर में भारत ने अपने विशाल रेल नेटवर्क को हरित ऊर्जा से जोड़कर नई दिशा तय कर दी। यह आत्मनिर्भर भारत की बुलंद घोषणा है, पर्यावरण संरक्षण की ठोस पहल है और नए भारत के आत्मविश्वास का उद्घोष है। मोदी सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया कि बड़े सपने देखने और असंभव को संभव में बदलने का साहस और सामर्थ्य आज भारत के पास है।

यदि हम 2014 से पहले की स्थिति पर नज़र डालें, तो वर्तमान प्रगति किसी चमत्कार से कम नहीं लगती। आज़ादी के बाद लगभग छह दशकों में, यानी 2014 तक, भारतीय रेलवे का केवल 21,801 किलोमीटर मार्ग ही विद्युतीकृत हो सका था। योजनाओं की सुस्ती, निर्णयों की कमी और इच्छाशक्ति के अभाव ने विकास को जकड़ रखा था। लेकिन 2014 के बाद तस्वीर पूरी तरह बदल गई। मोदी सरकार के नेतृत्व में 2014 से 2025 के बीच 46,900 किलोमीटर से अधिक रेल मार्गों का विद्युतीकरण किया गया, जो पहले के कुल कार्य से भी दोगुने से अधिक है। विशेष रूप से 2019 से 2025 के बीच 33,000 किलोमीटर से ज्यादा का विद्युतीकरण हुआ, यानी औसतन प्रतिदिन 15 किलोमीटर से अधिक की रफ्तार। यह दूरी जर्मनी जैसे देश के संपूर्ण रेल नेटवर्क के बराबर है। यह प्रगति मिशन मोड में काम करने वाली सरकार, बाधाओं को अवसर में बदलने वाली सोच और परिणाम देने वाली इच्छाशक्ति का प्रतिफल है।

वैश्विक परिदृश्य में भारत की यह उपलब्धि और भी अधिक प्रभावशाली बन जाती है। इंटरनेशनल यूनियन ऑफ रेलवेज (यूआईसी) की जून 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का 99.2 प्रतिशत विद्युतीकरण कई विकसित देशों से कहीं आगे है। ब्रिटेन जहाँ 39 प्रतिशत पर है, वहीं रूस 52 प्रतिशत, फ्रांस 60 प्रतिशत, जापान 64 प्रतिशत, स्पेन 67 प्रतिशत और चीन 82 प्रतिशत पर ही सिमटे हुए हैं। दुनिया के अनेक बड़े रेल नेटवर्क आज भी डीज़ल की खपत से जूझ रहे हैं, जबकि भारत ने अपने सबसे व्यस्त और व्यापक नेटवर्क को हरित ऊर्जा से संचालित कर दिखाया है। इसका प्रत्यक्ष लाभ यह हुआ कि डीज़ल आयात पर निर्भरता घटी, विदेशी मुद्रा की बचत हुई और परिचालन लागत में

लोहे की पटरियों पर विकास का विद्युत हस्ताक्षर

हरित ऊर्जा की रफ्तार पर सवार भारत: रेल इतिहास का स्वर्णकाल

करोड़ों रुपये की कमी आई। साथ ही, कार्बन उत्सर्जन में भारी गिरावट दर्ज की गई, जिससे भारत की जलवायु प्रतिबद्धताओं को नई मजबूती मिली।

पर्यावरणीय दृष्टि से यह क्रांति अत्यंत महत्वपूर्ण है। रेल परिवहन, सड़क परिवहन की तुलना में लगभग 89 प्रतिशत कम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन करता है। एक टन माल को एक किलोमीटर तक ले जाने में रेल से मात्र 11.5 ग्राम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन होता है, जबकि सड़क परिवहन से यही आंकड़ा 101 ग्राम तक पहुँच जाता है। विद्युतीकरण ने इस अंतर को और भी प्रभावी बना दिया है। मोदी सरकार की नीतियों ने यह सिद्ध कर दिया है कि विकास और पर्यावरण संरक्षण एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकते हैं। जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक संघर्ष में भारत अब केवल सहभागी नहीं, बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका में उभर रहा है।

मोदी सरकार की दृष्टि केवल तारों और खंभों तक सीमित नहीं है, बल्कि ऊर्जा के स्रोतों में भी क्रांतिकारी परिवर्तन किया गया है। नवंबर 2025 तक रेलवे में 812 मेगावाट सौर ऊर्जा और 93 मेगावाट पवन ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं, जो सीधे ट्रैक्शन आवश्यकताओं को पूरा कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त 1,500 मेगावाट से अधिक की हाइब्रिड नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का प्रबंध किया गया है। भारतीय रेलवे अब आधुनिक थ्री-फेज आईजीबीटी तकनीक वाले लोकोमोटिव का निर्माण कर रहा है, जो ब्रेकिंग के दौरान ऊर्जा को पुनः उत्पन्न करते हैं। यह 'मेक इन इंडिया' की सशक्त मिसाल है, जो आयात पर निर्भरता घटाने, रोजगार सृजन बढ़ाने और 2030 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को साकार करने में सहायक है। यह प्रधानमंत्री के पंचामृत संकल्प का सजीव रूप है।

इस विद्युतीकरण क्रांति का सबसे बड़ा लाभ देश की आम जनता को मिला है। विद्युतीकृत मार्गों पर ट्रेनें अधिक तेज़, सुरक्षित और विश्वसनीय हो गई हैं। देरी में कमी आई है और किरायों पर अनावश्यक बोझ नहीं पड़ा है। देश के 14 रेलवे जोन और 25 राज्य एवं केंद्रशासित प्रदेश पूरी तरह विद्युतीकृत हो चुके हैं। पूर्वोत्तर के राज्य-अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और नागालैंड-जहाँ कभी बुनियादी ढांचे की कमी महसूस होती थी, अब 100 प्रतिशत विद्युतीकरण के साथ विकास की मुख्यधारा में शामिल हो चुके हैं।

वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी अत्याधुनिक ट्रेनें बिजली से संचालित होकर यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएँ प्रदान कर रही हैं। यह जन-केंद्रित शासन की स्पष्ट झलक है, जो रेलवे को सचमुच करोड़ों भारतीयों की जीवनरेखा बना रहा है।

भारतीय रेलवे का यह विद्युतीकरण अभियान मोदी सरकार की अटूट इच्छाशक्ति, कुशल प्रशासन और राष्ट्रप्रथम सोच का अनुपम उदाहरण है। जहाँ कभी योजनाएँ फाइलों में सिमटी रहती थीं, वहाँ आज रफ्तार, हरित ऊर्जा और तकनीकी नवाचार का तूफान दिखाई देता है। यह नए भारत का आत्मघोष है-एक ऐसा भारत जो न केवल अपने लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा बन रहा है। शीघ्र ही 100 प्रतिशत विद्युतीकरण का लक्ष्य प्राप्त कर यह उपलब्धि विश्व इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज होगी और आने वाली पीढ़ियों को बताएगी कि जब संकल्प मज़बूत हो, तो राष्ट्र असंभव को भी संभव बना सकता है।

विदेश की खबरें

पाकिस्तान ने चिनाब के प्रवाह में कथित उतार-चढ़ाव पर भारत से स्पष्टीकरण मांगा

इस्लामाबाद : पाकिस्तान ने चिनाब नदी के प्रवाह में कथित उतार-चढ़ाव पर बृहस्पतिवार को चिंता जताते हुए कहा कि उसने स्पष्टीकरण मांगने के लिए भारत को एक पत्र लिखा है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा, हमारे सिंधु जल आयुक्त ने सिंधु जल संधि में निहित प्रक्रियाओं के अनुसार इन मुद्दों पर स्पष्टीकरण मांगते हुए अपने भारतीय समकक्ष को एक पत्र लिखा है।उन्होंने कहा, हम भारत से आग्रह करते हैं कि वह पाकिस्तानी सिंधु जल आयुक्त द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब दे, नदी के प्रवाह में किसी भी एकतरफा हेरफेर से परहेज करे और सिंधु जल संधि के प्रावधानों के तहत अपने दायित्वों का अक्षरशः पालन करे। पहलगाम आतंकवादी हमले के एक दिन बाद, भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ उठाये गए दंडात्मक कदमों के तहत 1960 की सिंधु जल संधि को ''स्थगित'' कर दिया था। अंद्राबी ने कहा कि नदी के प्रवाह में किसी भी तरह का हेरफेर, विशेषकर ''हमारे कृषि चक्र'' के एक महत्वपूर्ण समय पर, हमारे नागरिकों के जीवन और आजीविका के साथ-साथ खाद्य और आर्थिक सुरक्षा को सीधे तौर पर खतरे में डालता है।''

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री जिया की सेहत अब भी गंभीर बनी हुई है: डॉक्टर

ढाका : बांग्लादेश की राजधानी ढाका के एक अस्पताल में उपचाराधीन देश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है।

उनके निजी चिकित्सक एजेडएम जाहिद हुसैन ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की 80 वर्षीय अध्यक्ष जिया कई स्वास्थ्य समस्याओं के कारण 23 नवंबर से ढाका के एवरकेयर अस्पताल में उपचाराधीन हैं। बाद में उन्हें कोरोनरी केयर यूनिट (सीसीयू) में स्थानांतरित कर दिया गया था। जिया के निजी डॉक्टर एवं बीएनपी की नीति निर्धारण संबंधी स्थायी समिति के सदस्य हुसैन ने पत्रकारों को बताया कि 11 दिसंबर को उनके फेफड़ों और अन्य महत्वपूर्ण अंगों को आराम देने के लिए जिया को ऐच्छिक वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया ।

उन्होंने बताया, उनका इलाज सही तरीके से हो रहा है लेकिन उनकी शारीरिक स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। हुसैन ने जिया की हालत को स्थिर बताते हुए उम्मीद जताई है कि वह ठीक हो जाएंगी और देश की राजनीति में अपनी भूमिका निभा सकेंगी।

ऑस्ट्रेलिया के बोंडी बीच पर शूटर को काबू करने वाले भारतीय ने कहा, 'हमलावर को मार गिराना चाहता था'

मेलबर्न : ऑस्ट्रेलिया में बोंडी बीच पर कथित शूटरों में से एक को काबू करने में मदद करने वाले भारतीय मूल के 34-वर्षीय व्यक्ति ने कहा कि वह एक हमलावर को मार गिराना चाहते थे और जरूरतमंद लोगों की मदद करना चाहते थे। चौदह दिसंबर को एक यहूदी त्योहार के मौके पर पिता-पुत्र ने समुद्र तट पर हमला किया था, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई। हमले में 40 लोग घायल हुए हैं, जिनमें तीन भारतीय छात्र भी शामिल हैं। सिडनी के निवासी एक हमलावर साजिद अकरम (50) को मार गिराया गया, जबकि ऑस्ट्रेलिया में जन्मा उसका 24-वर्षीय बेटा नवीद अकरम घायल हो गया। एसबीएस न्यूज की खबर के अनुसार, भारतीय और न्यूजीलैंड मूल के माता-पिता के घर जन्मे अमनदीप सिंह-बोला ने एक संदिग्ध साजिद अकरम को काबू करने में मदद की थी। सिंह-बोला उस पुल पर दौड़े जहां कथित हमलावर लोगों पर गोलियां चला रहा था। उन्होंने एक पुलिस अधिकारी की मदद से उसे काबू में कर लिया। खबर के अनुसार, उन्होंने कहा, 'मैं (शूटर पर) कूद पड़ा और उसके हाथ पकड़ लिये।

वर्ग पहेली नं. 3296

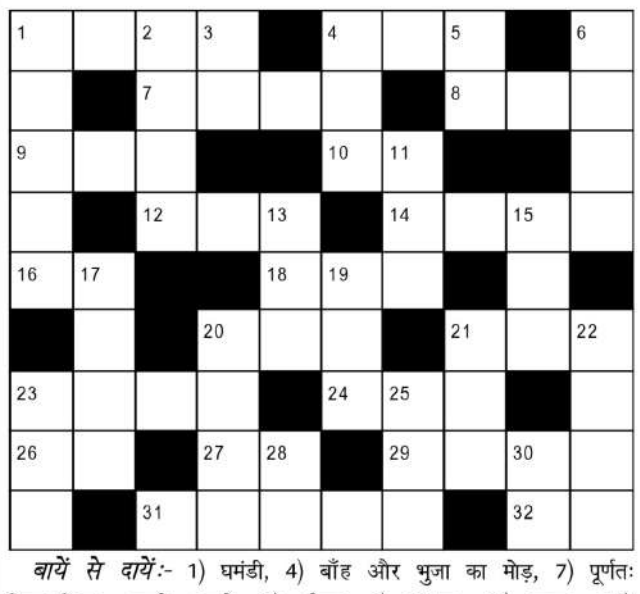

ऊपर से नीचे:- 1) अनिवार्य, 2) नाना, 3) पानी, 4) एक पहनावा, 5) कार्य-दिशा, 6) मोहक, 11) जन्म-दात्री, 13) मिट्टी का घड़ा, 15) दूसरा, 17) उकसाना, 19) हत्या, 20) स्वार्थ, 21) प्रथा, 22) बर्बादी, 23) सहारा, 25) सब, 28) धातु का धागा, 30) हार. *(उत्तर: अगले अंक में)*

बायें से दायें:- 1) घमंडी, 4) बाँह और भुजा का मोड़, 7) पूर्णतः छिन्न-भिन्न; धज्जी धज्जी, 8) टीका, 9) संशय, 10) मुकुट, 12) जमघट; भीड़, 14) पास, 16) किस समय, 18) वृक्ष की पतली शाखा, 20) घर, 21) गाँजा, 23) वकील का पेशा, 24) वंश, 26) छाती, 27) एक जगप्रसिद्ध गायिका, 29) मनचाहा, 31) बलवान, 32) प्रेत.

पिछली पहेली का उत्तर

वि	ष	म	ता	■	प्र	त्ये	क	■
र	■	द	र	ड़ा	स्त	■	नी	हा
ह	सी	न	■	मो	र	चा	■	■
■	धा	■	क	श	■	व	गै	र
प्र	सा	ध	न	■	ना	ल	■	ह
ग	दा	■	प	ता	का	■	आ	म
ति	■	कु	टी	र	■	र	त	म
■	म	ति	■	का	ना	फ़ू	सी	■
अ	ना	या	स	■	ती	■	खा	च्च

सुडोकू-पहेली-3254

1				4				
8			5				4	
		3	7	2		5		
						1	7	
6	8	5				4		
		2	4					
								3
		9				7		
				3	6		9	5

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3253 का उत्तर

1	2	7	8	3	6	4	5	9
6	3	9	2	5	4	7	1	8
8	4	5	9	1	7	6	2	3
7	9	1	4	8	3	2	6	5
2	6	4	5	9	1	3	8	7
3	5	8	6	7	2	9	4	1
9	1	6	7	4	5	8	3	2
5	7	2	3	6	8	1	9	4
4	8	3	1	2	9	5	7	6

अल्पसंख्यक अधिकार दिवस पर ममता ने गिनाईं उपलब्धियां, कहा...

‘हमारी सरकार ने किया अभूतपूर्व काम’

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को अल्पसंख्यक अधिकार दिवस के अवसर पर एक्स पर एक विस्तृत पोस्ट के माध्यम से अल्पसंख्यक समुदाय के विकास के लिए अपनी सरकार द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक विकास में उनकी सरकार ने अभूतपूर्व काम किया है और कर रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि अल्पसंख्यक विभाग के योजना बजट में 10 गुना से अधिक की वृद्धि की गई है। 2010-11 में जो बजट 472 करोड़ रुपये था, वह 2025-26 में बढ़कर 5,602 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। ममता ने दावा किया कि अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति के मामले में बंगाल देश में नंबर वन है। अल्पसंख्यक छात्र-छात्राओं के लिए राज्य सरकार के खर्च पर ऐक्यश्री छात्रवृत्ति शुरू की गई है। 2011 से अब तक लगभग 10,208 करोड़ रुपये खर्च करके 4 करोड़ 85 लाख अल्पसंख्यक छात्रवृत्तियां प्रदान की गई हैं। देश के भीतर या बाहर उच्च शिक्षा के लिए अल्पसंख्यक छात्र-छात्राओं को 30 लाख रुपये तक का शैक्षणिक ऋण दिया जा रहा है। पिछले लगभग 15 वर्षों में करीब 40 हजार अल्पसंख्यक छात्र-छात्राओं को लगभग 327 करोड़ रुपये का शैक्षणिक ऋण दिया गया है। इसके अलावा, छात्र क्रेडिट कार्ड की सुविधा भी उपलब्ध है। अल्पसंख्यक सहित अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं के लिए मेधाश्री परियोजना शुरू की गई है। 2011 से अब तक अल्पसंख्यक युवक-युवतियों और स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य से 16.31 लाख लाभार्थियों को 3,926 करोड़ रुपये का ऋण दिया गया है। ममता ने बताया कि बहु-क्षेत्रीय विकास परियोजना के तहत साढ़े 4 हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च करके अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में लगभग 2 लाख बुनियादी ढांचों का निर्माण किया गया है। अल्पसंख्यक निराश्रित महिलाओं के गृह निर्माण के लिए 1.20 लाख रुपये स्वीकृत किए जा रहे हैं। अब तक 2 लाख 60 हजार 27 लोगों को 2,456 करोड़ रुपये से अधिक दिए गए हैं मुख्यमंत्री ने बताया कि 14 जिलों में अंग्रेजी माध्यम मॉडल मदरसे स्थापित किए जा रहे हैं। 38 एकीकृत अंग्रेजी माध्यम विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं। 366 और मदरसों को गैर-अनुदानित मदरसे के रूप में मान्यता दी गई है। मदरसा सेवा आयोग के माध्यम से मदरसों में शिक्षक और शैक्षिक कर्मचारी नियुक्त किए जा रहे हैं। जहां 10 प्रतिशत से अधिक उर्दू भाषी लोग हैं, वहां उर्दू को सरकारी भाषा का दर्जा दिया गया है। इस्लामपुर और आसनसोल में उर्दू अकादमी क्षेत्रीय केंद्र शुरू किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि लगभग 69 हजार इमाम और मोअज्जिन राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में लोगों को जागरूक करने का काम कर रहे हैं।अल्पसंख्यक विकास परिषद और अल्पसंख्यक कौशल विकास बोर्ड का गठन किया गया है। मुर्शिदाबाद में अल्पसंख्यक सांस्कृतिक विकास केंद्र बनाया जा रहा है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने सभी को अल्पसंख्यक अधिकार दिवस की शुभकामनाएं दी हैं।

रोल ऑब्ज़र्वरों की सुरक्षा बढ़ी, सीईओ कार्यालय में तैनात होगी केंद्रीय बल

कोलकाता : राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय की सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त किया जा रहा है। निर्वाचन आयोग के सूत्रों के अनुसार, अब सीईओ कार्यालय की सुरक्षा की जिम्मेदारी केंद्रीय बल को सौंपी जाएगी। इसके साथ ही विशेष रोल ऑब्ज़र्वरों की सुरक्षा भी बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। बताया जा रहा है कि जब ये पर्यवेक्षक विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की सुनवाई के सिलसिले में विभिन्न जिलों का दौरा करेंगे, तब उनकी सुरक्षा के लिए केंद्रीय बल के जवान उनके साथ मौजूद रहेंगे।

गौरतलब है कि दक्षिण 24 परगना के फलता क्षेत्र में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य का निरीक्षण करने के दौरान निर्वाचन आयोग के पर्यवेक्षक सी. मुरुगन को विरोध का सामना करना पड़ा था। स्थानीय तृणमूल समर्थक महिलाओं के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने उन्हें घेरकर विरोध जताया था। इस घटना के बाद पर्यवेक्षकों ने अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए दिल्ली स्थित निर्वाचन आयोग को पत्र भेजा था।

वर्तमान में राज्य में एक विशेष पर्यवेक्षक (स्पेशल रोल ऑब्ज़र्वर) के साथ तीन डिविजनल ऑब्ज़र्वर तैनात हैं। इसके अलावा जिला स्तर के कार्यों की निगरानी के लिए निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में 12 और पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है, जो विभिन्न जिलों में अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं।

आयोग सूत्रों के अनुसार, फलता की घटना के बाद पर्यवेक्षकों की सुरक्षा को लेकर किसी भी तरह का जोखिम उठाने के पक्ष में नहीं है। इसी वजह से अब सीईओ कार्यालय से लेकर जिलों में होने वाली एसआईआर प्रक्रिया तक, हर स्तर पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर लॉरी की चपेट में आने से युवक की मौत

पश्चिम मेदिनीपुर : जिले के बेलदा थाना क्षेत्र अंतर्गत खड़गपुर-बालेश्वर 16 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार की देर रात सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना बेलदा थाना के राणीसाराय इलाके में हुई। पुलिस व स्थानीय सूत्रों के अनुसार, राणीसाराय बस स्टैंड के पास सड़क पार करने के दौरान एक लॉरी अचानक मोड़ ले रही थी। इसी दौरान लॉरी की चपेट में आने से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे तत्काल बेलदा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान चुनु राणा के रूप में हुई है। वह राणीसाराय ग्राम पंचायत के हल्दिया गांव का निवासी था। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने दुर्घटनाग्रस्त लॉरी को रोक लिया और बेलदा थाना पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने लॉरी के चालक और खलासी को हिरासत में ले लिया है।

मेस्सी के कार्यक्रम में अराजकता : हाई कोर्ट ने राज्य से तलब की रिपोर्ट

वकील की गैरहाजिरी के कारण तीन जनहित याचिकाओं की सुनवाई स्थगित

कोलकाता, समाज्ञा : स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी के कार्यक्रम के दौरान सॉल्टलेक के युवा भारती खेल परिसर में गत शनिवार को हुए तांडव की घटनाओं के मामले में कलकत्ता हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को सोमवार तक रिपोर्ट जमा करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने बताया कि उसी दिन इस मामले की सुनवाई होगी। उल्लेखनीय है कि गत शनिवार सॉल्टलेक स्टेडियम में फुटबॉल स्टार लियोनेल मेस्सी लगभग 20 मिनट के लिए उप-स्थित थे। उनके स्टेडियम से निकलने के बाद मैदान में भगदड़ और तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं। रिपोर्टों के अनुसार, मेस्सी के स्टेडियम में प्रवेश के दौरान उन्हें

कई लोगों ने घेरे में ले लिया था, जिससे दर्शक उन्हें ठीक से नहीं देख पाए। इसी परिस्थितिजन्य तनाव के कारण मैदान में अनुशासनहीनता और क्षति हुई। उक्त घटना के संबंध में तीन जनहित याचिकाएं हाई कोर्ट में दायर की गई थीं। गुरुवार को ये मामले कोर्ट में पेश हुए, जिसमें न्यायाधीश सुजय पाल और न्यायाधीश पार्थसारथी सेन की डिवीजन बेंच ने सुनवाई की। राज्य सरकार की ओर से एडवोकेट कल्याण बंद्योपाध्याय पेश हुए। राज्य की ओर से सुनवाई स्थगित करने का अनुरोध किया गया, जिसे मान्यता देते हुए अदालत ने तीनों याचिकाओं की सुनवाई स्थगित कर दी। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि राज्य सरकार द्वारा गठित जांच समिति मामले की सही तरीके से जांच करने में सक्षम नहीं है। इसके अलावा, याचिकाकर्ताओं ने अदालत से अनुरोध किया कि दर्शकों को टिकट की राशि लौटाई जाए और यदि आवश्यक हो तो ईडी तथा सीबीआई द्वारा वित्तीय अनियमितताओं की भी जांच की जाए।

बिजनेस और इंडस्ट्री कॉन्क्लेव : बंगाल में भारी निवेश की घोषणा, शिक्षा और हेल्थकेयर और टूरिज्म को मिलेगा बढ़ावा

आरपी-संजीव गोयनका समूह ने राज्य में 15,800 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय की प्रतिबद्धता जाहिर की

कोलकाता, समाज्ञा : आरपी-संजीव गोयनका समूह के चेयरमैन संजीव गोयनका ने राज्य में ऊर्जा, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से 15,800 करोड़ रुपये की पूंजीगत व्यय योजना की गुरुवार को घोषणा की। ‘बिजनेस एंड इंडस्ट्री कॉन्क्लेव 2025’ में उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के ‘निर्णायक नेतृत्व’ की प्रशंसा की। गोयनका कहा कि उनके समूह ने उनके नेतृत्व के पिछले कुछ वर्ष में 26,500 करोड़ रुपये का निवेश किया है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित निवेश का मुख्य आधार 12,000 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 5,000 मेगावाट (एमडब्ल्यूएच) की विशाल भंडारण सुविधा है। आरपी-संजीव गोयनका समूह के चेयरमैन ने दावा किया कि इस परियोजना के भारत में अपनी तरह की पहली परियोजनाओं में से एक होने की उम्मीद है। इस उच्च क्षमता वाले भंडारण का तात्कालिक लक्ष्य कोलकाता शहर को नवीकरणीय स्रोतों से कम से कम 50 प्रतिशत ऊर्जा प्राप्त करने में सक्षम बनाना है। गोयनका ने कहा कि यदि यह लक्ष्य हासिल कर लिया जाता है, तो नवीकरणीय ऊर्जा आपूर्ति का यह अनुपात देश में पहला होगा। आरपी-संजीव गोयनका समूह ने इसके लिए आवश्यक भूमि के लिए आवेदन पत्र पहले ही जमा कर दिया है। समूह ऊर्जा क्षेत्र के अलावा, सामाजिक अवसंरचना में महत्वपूर्ण धनराशि लगा रहा है। साथ ही शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवा में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने के लिए करीब 1,000 करोड़ रुपये का निवेश कर रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में, समूह अपनी क्षमता को दोगुना करेगा। केवल इस विस्तार के लिए ही 500 करोड़ रुपये के निवेश की

आवश्यकता है। साथ ही, समूह स्वास्थ्य सेवा पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है जिसके तहत अत्याधुनिक अस्पताल के निर्माण की योजना जारी है। इस प्रमुख सुविधा का संचालन जनवरी 2027 तक शुरू होने की उम्मीद है। इससे समूह द्वारा प्रस्तावित कुल पूंजीगत व्यय 15,800 करोड़ रुपये बैठता है। गोयनका ने इस बात पर जोर दिया कि यह प्रतिबद्धता मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व के कारण ही संभव हो पाई है। उन्होंने इस महत्वाकांक्षी योजना को संभव बनाने में मुख्यमंत्री के निर्णायक रुख और त्वरित कार्रवाई को प्रमुख कारक बताया।

❑ आईटीसी राज्य में तीन और होटल खोलने की योजना बना रही : संजीव पुरी

आईटीसी लिमिटेड के चेयरमैन संजीव पुरी ने राज्य में कंपनी के होटल क्षेत्र का विस्तार करने की योजना की घोषणा की। इसके तहत पहले से निर्माणाधीन पांच होटलों के अलावा तीन नए होटल खोले जाएंगे। पुरी ने व्यापार और उद्योग सम्मेलन 2025 में कहा कि आईटीसी दार्जिलिंग, कुर्सियांग और सुंदरबन में तीन होटल परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य राज्य की बढ़ती पर्यटन संभावनाओं का लाभ उठाना है। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं बंगाल के होटल क्षेत्र में आईटीसी की उपस्थिति को और मजबूत करेंगी। हालांकि, उन्होंने पूंजीगत व्यय और अन्य विवरणों के बारे में जानकारी नहीं दी। बता दें कि वर्तमान में, आईटीसी राज्य में सात होटल संचालित करता है। इसके अलावा, कंपनी पांच और होटल बना रही है, जिनमें सिलीगुड़ी में नए ब्रांड का एक लक्जरी होटल भी शामिल है। उन्होंने कहा कि कंपनी 115 वर्षों से कोलकाता में मौजूद है और कृषि, विनिर्माण और सेवाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में काम करती है। आईटीसी ने पिछले 10 वर्षों में पश्चिम बंगाल में लगभग एक अरब डॉलर का निवेश किया है। उन्होंने कहा कि बंगाल अब भविष्य के लिए तैयार है। पुरी ने राज्य में आईटीसी के विस्तार के पीछे शासन और अवसरों को प्रमुख प्रेरक कारक बताया।

❑ नेवटिया ग्रुप ने कई डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स की डिटेल में जानकारी दी

अंबुजा नेओटिया ग्रुप के चेयरमैन हर्षवर्धन नेवटिया ने राज्य के कई डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स की डिटेल में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उनके ग्रुप ने पिछले 15 सालों में अलग-अलग सेक्टर्स में लगभग 10,000 करोड़ रुपये इन्वेस्ट किए हैं, जिसमें से 70 प्रतिशत पश्चिम बंगाल में हुआ है। उन्होंने दावा किया कि आने वाले सालों में हाउसिंग और टूरिज्म से लेकर एजुकेशन और हेल्थकेयर तक, अलग-अलग सेक्टर्स में इन्वेस्टमेंट और जॉब क्रिएशन के बहुत बड़े मौके आने वाले हैं। हर्षवर्धन नेवटिया ने कहा कि अभी राज्य में उनके सात होटल चल रहे हैं और 10 और नए होटलों पर काम तेजी से चल रहा है। उन्होंने खास तौर पर रायचक के होटल का जिक्र किया, जिसे हाल ही में ’ताज गंगा कुटीर’ के नाम से रीब्रांड किया गया है। नेवटिया ने शिक्षा और हेल्थकेयर सेवाओं को बढ़ाने के बारे में भी बड़ी घोषणाएं कीं। उन्होंने बताया कि नेवटिया यूनिवर्सिटी, जो 2015 में सिर्फ़ 40 स्टूडेंट्स के साथ शुरू हुई थी, में अब 4,000 से ज़्यादा स्टूडेंट्स हैं। अगले 3-4 सालों में इस संख्या को बढ़ाकर आठ हज़ार करने का लक्ष्य है। इसके लिए, शिक्षा क्षेत्र में लगभग 500 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। हेल्थकेयर क्षेत्र में, राज्य के तीन मौजूदा अस्पतालों के अलावा, दुर्गापुर, तारातला और न्यूटाउन में तीन नए अस्पताल बनाने का काम चल रहा है। न्यूटाउन अस्पताल में हाल ही में 100 बेड का पीडियाट्रिक सुपर-स्पेशियलिटी विंग भी जोड़ा गया है। उन्होंने राज्य के पूरे और संतुलित विकास के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की बहुत तारीफ करते हुए कहा कि, इंडस्ट्रियल सेक्टर को उनसे जरूर फायदा होगा।

OFFICE OF THE BLOCK DEVELOPMENT OFFICER EGRA-II DEVELOPMENT BLOCK

Corrigendum

Ref. e-NIT No-31 of 2025-26 (2nd Call) Dated-11.12.2025

In partial modification of the notice published on newspaper the website of the tender portal be read as **www.tenders.wb.gov.in** in place of **www.wbtenders.gov.in**. All other information remains unchanged.

Sd/-
Block Development Officer
Egra-II Development Block

Name Change

I, Mamta Shaw, daughter of Lt Kuleshwar Shaw, wife of Amit Kumar Shaw, residing at 234/D, Kali Charan Ghosh Road, Kolkata-700050, do hereby solemnly affirm and declare that actual name of my father was Kuleshwar Shaw and Kuleshwar Shaw, Kuleshwr Shaw and Kuleswar Shaw was the same and one identical person via affidavit before the Court of 1st Class Judicial Magistrate at Sealdah dated 19th September 2025

Name Change

I, Trisha Daftary d/o of Paresh K. Daftary residing at 5, Bejoy Mukherjee Lane, 2nd floor, Flat - 2A, Bhawanipore, Kolkata-700025, do hereby solemnly affirm and declare that I have changed my name from Trisha Daftary to Trisha Paresh Daftary via affidavit before the Notary Public at Kolkata dated 18th December, 2025.

Name Change

I, Vaishali Daftary & Vaishali P. Daftary w/o of Paresh K. Daftary residing at 5, Bejoy Mukherjee Lane, 2nd floor, Flat -2A, Bhawanipore, Kolkata-700025, do hereby solemnly affirm and declare that I have changed my name from Vaishali Daftary & Vaishali P. Daftary to Vaishali Paresh Daftary via affidavit before the Notary Public at Kolkata dated 18th December, 2025

PWD (GOVT OF WB) TENDER NOTICE

Offline Short Notice Inviting Tender No- 83/City(M) of 2025-26 from bonafied and resourceful decorators having credential in similar urgent nature of works and as per Govt. rule. Last date & time of application for obtaining permission will be on **22.12.2025 up to 12.00 hrs.** Other details may be seen from the web site: **www.pwdwb.in**.

Sd/-
Executive Engineer-I,
City Division, P.W.D.

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

सिगनलिंग कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

क्र.संख्या (1) ई-निविदा संख्याः 83- एसटी-टेंडर-2025, दिनांकः 12.12.2025. कार्यः "बिलासपुर डिवीजन के डीसी ट्रैक सर्किट और आईपीएस में एसपीडी की व्यवस्था करके विश्वसनीयता में सुधार।" **निविदा मूल्यः** ₹ 2,57,90,842.16 (₹ दो करोड सत्तावन लाख नब्बे हजार आठ सौ बयालीस एवं सोलह पैसे मात्र)। **अमानत राशिः** ₹ 2,79,000/- (₹ दो लाख उनासी हजार मात्र)।

निविदा जमा होने की तिथिः 05.01.2026 के 15.00 बजे तक।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा हेतु ई-टेन्डर के अलावा अन्य निविदा स्वीकार नही की जाएगी।

मंडल संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर/
सीपीआर/10/551 (ML)/बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पूर्व रेलवे, हावड़ा, न्यू डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा-711 101 द्वारा **05 वर्षों के लिए हावड़ा मंडल के अधीन रेल कोच रेस्टुरेंट के आवंटन** के लिए खुली ई-नीलामी बुलाई जाती है। और अधिक जानकारी के लिए ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के जरिये **www.ireps.gov.in** देखें। **नीलामी कैटेलॉग संख्याः आरसीआर-एचडब्ल्यूएच-2025। लॉट संख्या/श्रेणीः** एमएसएस-एचडब्ल्यूएच-एचडब्ल्यूएच-आरसीआर-7-25-1 (मिसलेनियस-स्टैटिक-सर्विसेज-रेल कोच रेस्टुरेंट)। **विवरणः** 05 (पांच) वर्षों के लिए 'कोच रेस्टुरेंट' के जरिये खानपान सेवाओं का प्रावधान। **दर इकाईः** वार्षिक लाइसेंसिंग शुल्क। **बंद होने की तारीख/समयः** 29.12.2025 को दोपहर 1.00 बजे। **न्यूनतम वृद्धि %:** 0.2। **बयाना राशिः** 10%। **आवश्यक कारोबारः** 0।

(HWH-466/2025-26)

निविदा सूचना वेबसाइटः**www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway easternrailwayheadquarter

पश्चिम मध्य रेल

विद्युत (सामान्य शाखा) – खुली निविदा

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत सामान्य) पश्चिम मध्य रेल जबलपुर, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यो हेतु आवेदन निर्धारित निविदा फार्म पर खुली निविदा आमंत्रित करता है। **निविदा सूचना क्रमांक** : निविदा सूचना क. जबल-एल-टी-नं.35-2025 दिनांक 08.12.2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहित :** टावर लाइट को हाई मास्ट से बदलना और रीवा साइडिंग मे हाई मास्ट का प्रावधान, जिसमें कैमा में सीओपी का विद्युतीकरण।, **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत रुपये में) :** रु. 11029037.19, **बयाना राशि (रुपये में) :** रु. 205200.00/–, **समापन अवधि (माह/वर्ष):** 12 माह, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15.00 बजे तक)** : 30/12/2025, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय (15.30 बजे तक)** : 30/12/2025, **निविदा सूचना क्रमांक** : निविदा सूचना क. जबल-एल-टी-नं36-2025 दिनांक 08.12.2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहित** : मैहर और बरगवां स्टेशन पर एचटी सबस्टेशन का निर्माण, **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत रुपये में) :** रु. 9033383.85, **बयाना राशि (रुपये में) :** रु. 180700.00/–, **समापन अवधि (माह/वर्ष) :** 12 माह, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15.00 बजे तक)** : 31/12/2025, **निविदा जमा खुलने की तिथि एवं समय (15.30 बजे तक)** : 31/12/2025, **निविदा सूचना क्रमांक** : निविदा सूचना क. जबल-एल-टी-नं 37-2025 दिनांक 08.12.2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहित :** एडीईएन/एसजीओ उपविभाग के अंतर्गत रनिंग रुम एसजीओ में अतिरिक्त कक्ष प्रोफेब) का प्रावधान।, **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत रुपये में) :** रु. 3163522.05, **बयाना राशि (रुपये में) :** रु. 63300.00, **समापन अवधि (माह/वर्ष):** 6 माह, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15.00 बजे तक)** : 01/01/2026, **निविदा जमा खुलने की तिथि एवं समय (15.30 बजे तक)** : 01/01/2026, **निविदा सूचना क्रमांक** : निविदा सूचना क. जबल-एल-टी-नं 38-2025 दिनांक 10.12.2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** जबलपुर डिवीजन के अंतर्गत स्टेशन सर्विस बिल्डिंग, प्लेटफॉर्म शेड ओर आवासीय क्वार्टरो पर सौर ऊर्जा संयंत्रो की स्थापना, **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत रुपये में) :** रु. 32121147.69, **बयाना राशि (रुपये में) :** रु. 310600.00/–, **समापन अवधि (माह/वर्ष) :** 12 माह, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15.00 बजे तक)** : 02/01/2026, **निविदा जमा खुलने की तिथि एवं समय (15.30 बजे तक)** : 02/01/2026, **उपरोक्त सभी निविदाओं मे निविदा फार्म की कीमत (रुपयें में) :** 0.00, **उपरोक्त सभी निविदाओं के लिए कार्यालय का पता जहां से टेन्डर फार्म खरीदा जा सकता है :** वरि. मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) जबलपुर, निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी वेब साइट https://ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं। पूर्ण निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाइट से डाउनलोड की जा सकती है।

(हस्ता)
कृते वरि. मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य),
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

कल्याणी-रानाघाट-कृष्णनगर सिटी-लालगोला अनुभाग में दिनांक 20.12.2025 को ट्रेनों के संचालन की विशेष व्यवस्थाएं

कल्याणी-रानाघाट-कृष्णनगर सिटी-लालगोला अनुभाग में **दिनांक 20.12.2025 को** यात्रियों की संभावित अतिरिक्त भीड़ से मद्देनजर, दिनांक 20.12.2025 को ट्रेनों के संचालन में नीचे उल्लेखित अतिरिक्त व्यवस्थाएं की गई हैं:-

मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों का अतिरिक्त ठहराव

●**13104 डाउन** लालगोला-सियालदह भागीरथी एक्सप्रेस (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 20.12.2025) [लालगोला से प्रस्थान 06.00 बजे/सियालदह आगमन 10.25 बजे] एवं **13118 डाउन** लालगोला-कोलकाता धन्य धान्य एक्सप्रेस (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 20.12.2025) [लालगोला से प्रस्थान 07.20 बजे/कोलकाता आगमन 11.20 बजे] **बदकुल्ला** एवं **ताहेरपुर** स्टेशनों में अतिरिक्त ठहराव प्रदान करेगी ●**13113 अप** कोलकाता-लालगोला हजारदुआरी एक्सप्रेस (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 20.12.2025) [कोलकाता से प्रस्थान 06.50 बजे/लालगोला आगमन 11.05 बजे] **कल्याणी, चाकदह, ताहेरपुर** एवं **बदकुल्ला** स्टेशनों में अतिरिक्त ठहराव प्रदान करेगी।

ईएमयू ट्रेन का पुनर्निर्धारण साथ में यात्रा आरम्भ एवं गंतव्य स्टेशनों में परिवर्तन

31776 कृष्णपुर-काशिमबाजार ईएमयू (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 20.12.2025) कृष्णपुर में 06.55 बजे के स्थान पर **लालगोला से 06.12 बजे** यात्रा आरम्भ करेगी एवं काशिमबाजार में 07.40 बजे के स्थान पर **कालीनारायणपुर जंक्शन में 08.55 बजे** यात्रा समाप्त करेगी।

दिनांक 20.12.2025 को अतिरिक्त ईएमयू सेवाएँ

●लालगोला-रानाघाट ईएमयू स्पेशल (लालगोला से प्रस्थान 06.30 बजे/ रानाघाट आगमन 09.25 बजे)। ● कल्याणी-कृष्णनगर सिटी जंक्शन ईएमयू स्पेशल (कल्याणी से प्रस्थान 07.40 बजे)/कृष्णनगर सिटी जंक्शन आगमन 08.36 बजे)। ● कल्याणी-कृष्णनगर सिटी जंक्शन ईएमयू स्पेशल (कल्याणी से प्रस्थान 08.04 बजे)/कृष्णनगर सिटी जंक्शन आगमन 09.00 बजे)।

टिप्पणीः (i) सभी ईएमयू स्पेशल ट्रेनें तथा पुनर्निर्धारित 31776 लालगोला-कालीनारायणपुर लोकल [लालागोला से प्रस्थान 06.12 बजे] मार्ग में सभी स्टेशनों पर ठहरेगी। (ii) सभी ईएमयू एवं एमईएमयू ट्रेनें 12.00 बजे से 18.00 बजे तक रानाघाट एवं लालगोला के बीच दोनों दिशाओं में मार्ग में सभी स्टेशनों में ठहरेगी।

मंडल रेल प्रबंधक, सियालदह

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंज़िल, कंट्रोल बिल्डिंग, डीआरएम बिल्डिंग, काइज़र स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 (नीलामी आयोजित करने वाले अधिकारी) द्वारा 02 अदद फोटोकॉपियर किऑस्क, 02 अदद मोबाइल एंड एक्सेसरीज किऑस्क, 01 अदद ट्रैवेलर्स हेल्प डेस्क/ट्रैवेलर्स इनफार्मेशन एंड प्रमोशनल किऑस्क, विभिन्न उपहार एवं कॉस्मेटिक्स मदों की बिक्री के लिए 01 अदद रिटेल स्टोर तथा पश्चिम बंगाल के विभिन्न जीआई टैग्ड मदों के संवर्धन एवं बिक्री के लिए 01 अदद रिटेल स्टोर की स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव हेतु अनुबंध प्रदान करने के लिए **www.ireps.gov.in** पर ई-नीलामी कैटेलॉग प्रकाशित किया गया है: **नीलामी कैटेलॉग संख्याः** एसयूबी-एसडीएएच-जेएएन-1। **नीलामी शुरू होने की तारीख एवं समयः** 02.01.2026 को दोपहर 12.00 बजे। भावी बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे तत्पश्चात विवरण के लिए आईआरईपीएस ई-नीलामी मॉड्यूल देखेंखें।

(SDAH-307/2025-26)

निविदा सूचना वेबसाइटः**www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

ई-नीलामी सूचना संख्या : सीओएम/पीयूबी/एचडब्ल्यूएच/25/50 दिनांक :16.12.2025

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल, न्यू डीआरएम बिल्डिंग, चौथी मंज़िल, रेल म्यूज़ियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा वाणिज्यिक प्रचार के अधिकार का अनुबंध प्रदान करने के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। **कैटेलॉग संख्याः पीयूबी-एचडब्ल्यूएच-25-50। नीलामी शुरू होने की तारीख एवं समयः** 31.12.2025 को दोपहर 12.00 बजे। **क्रम संख्या; एसईक्यू. संख्या; लॉट संख्या** एवं **विवरण** निम्नानुसार हैं: **1;** एए/1; एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-केडब्ल्यूई-ओएच-156-25-1 (एडवरटाइजिंग-आउट ऑफ़ होम) एवं तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए कटवा रेलवे स्टेशन पर मुख्य प्रवेश द्वारा के नज़दीक सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/जगह साझा करने के आधार पर रेलवे स्थापित 01 (एक) अदद वीडियो वाल (एलईडी स्क्रीन) के जरिये वाणिज्यिक विज्ञापन के अवसर सहित रेलवे जानकारी के प्रदर्शन हेतु अधिकार प्रदान करना। **2;** एए/2; एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-आरपीएच-ओएच-153-25-1 (एडवरटाइजिंग-आउट ऑफ़ होम) एवं तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए रामपुरहाट रेलवे स्टेशन के बुकिंग कार्यालय के सामने सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/जगह साझा करने के आधार पर रेलवे स्थापित 01 (एक) अदद वीडियो वाल (एलईडी स्क्रीन) के जरिये वाणिज्यिक विज्ञापन के अवसर सहित रेलवे जानकारी के प्रदर्शन हेतु अधिकार प्रदान करना। **3;** एए/3; एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एनडीईएच-ओएच-157-25-1 (एडवरटाइजिंग-आउट ऑफ़ होम) एवं तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए नबद्वीप धाम रेलवे स्टेशन के अस्थाई बुकिंग कार्यालय के पास सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/जगह साझा करने के आधार पर रेलवे स्थापित 01 (एक) अदद वीडियो वाल (एलईडी स्क्रीन) के जरिये वाणिज्यिक विज्ञापन के अवसर सहित रेलवे जानकारी के प्रदर्शन हेतु अधिकार प्रदान करना। **4;** एए/4; एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-केडब्ल्यूई-ओएच-10-25-1 (एडवरटाइजिंग-आउट ऑफ़ होम) एवं तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए कटवा रेलवे स्टेशन के नज़दीक रेलवे कॉलोनी में वाणिज्यिक प्रचार के प्रदर्शन हेतु अधिकार प्रदान करना। **5;** एबी/1; एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एचडब्ल्यूएच-ओएसएन-150-25-1 [एडवरटाइजिंग-ऑन स्टेशन प्रेमिस (नॉन-डिजिटल)] एवं तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए हावड़ा स्टेशन (ओल्ड कॉम्प्लेक्स) के अंदर कॉनकोर्स एरिया में खम्भों पर 4-साइडेड किऑस्क (बैक-लिट) के जरिये विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु अधिकार प्रदान करना।

(HWH-465/2025-26)

निविदा सूचना वेबसाइटः**www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway easternrailwayheadquarter

कालीनगर और भांडारटिकुरी स्टेशनों पर एम-यूटीएस के माध्यम से टिकटों की बिक्री के लिए टिकट सेलिंग एजेंट का चयन

सं. सीओएम/सीएफ/आउटसोर्सिंग ऑफ टिकट सेल/2025
दिनांकः 19.12.2025

हावड़ा मंडल के तहत बैण्डेल-कटवा शाखा में 02 स्टेशनों अर्थात कालीनगर और भांडारटिकुरी स्टेशनों पर निर्धारित कमीशन के आधार पर **पांच वर्ष** की अवधि के लिए मोबाइल यूटीएस (एम-यूटीएस) के माध्यम से अनारक्षित टिकटों की बिक्री के लिए पूर्णतया अनुबंधित आधार पर टिकट सेलिंग एजेंट के चयन के लिए पात्र व्यक्तियों से निर्धारित प्रारूप में आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। एक आवेदन केवल एक स्टेशन के लिए किया जाना चाहिए। **स्टेशनों का विवरणः (1) स्टेशन का नामः** कालीनगर, **स्थानः** नबद्वीपधाम और समुद्रगढ़ स्टेशनों के बीच, **फीडिंग स्टेशनः** नबद्वीपधाम स्टेशन, **जिला और राज्यः** नदिया, पश्चिम बंगाल। **(2) स्टेशन का नामः** भांडारटिकुरी, **स्थानः** पूर्बस्थली और विष्णुप्रिया हॉल्ट स्टेशनों के बीच, **फीडिंग स्टेशनः** नबद्वीपधाम स्टेशन, **जिला और राज्यः** पूर्व बर्द्धमान, पश्चिम बंगाल। **पात्रता मानदंडः (1)** आवेदक पश्चिम बंगाल राज्य के संबंधित जिले का स्थायी निवासी होना चाहिए जहां स्टेशन स्थित हैं। इसके लिए आवेदक को उसी जिले के डीएम/एडीएम/एसडीओ/बीडीओ से स्थानीय निवास का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा जहाँ स्टेशन स्थित है या राजपत्रित अधिकारी द्वारा विधिवत सत्यापित मतदाता पहचान पत्र की एक प्रति प्रस्तुत करनी होगी। स्थानीय निवास के लिए कागजात आवेदन के साथ जमा किया जाना चाहिए। (2) आवेदक की आयु 01.12.2025 **को 18 वर्ष** से कम नहीं होनी चाहिए। आवेदक को कम से कम 10वीं कक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए और स्टेशनों के नाम एवं टिकटों के मूल्य को पढ़ने के लिए सरल अंग्रेजी में कामकाजी ज्ञान होना चाहिए। शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र और आयु प्रमाण कागजातों की प्रति, राजपत्रित अधिकारी द्वारा विधिवत सत्यापित आवेदन के साथ प्रस्तुत किया जाना चाहिए। (3) आवेदक को एक पंजीकृत मेडिकल प्रैक्टिशनर द्वारा एक **चिकित्सा प्रमाण पत्र** प्रस्तुत करना होगा जिसमें बताया गया हो कि **वह सक्रिय सेवा के लिए फिट है और किसी भी संचारी रोग से मुक्त है।** (4) चयन के बाद, आवेदक को पुलिस-सत्यापन रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी और सुरक्षा जमा राशि के रूप में रु.2000 जमा करने होंगे। (5) ब्लूटूथ सक्षम थर्मल प्रिंटर (मोबाइल/डेस्कटॉप) के लिए एक अन्य सुरक्षा जमा राशि टिकट सेलिंग एजेंट द्वारा रेलवे की ओर से समय-समय पर निर्धारित अनुसार बैंक गारंटी/फिक्स्ड डिपॉजिट/मनी रिसीट/डिमांड ड्राफ्ट के रूप में जमा की जानी चाहिए। (6) इसके अलावा, टिकट सेलिंग एजेंट द्वारा उन्हें जारी टिकट रोल के लिए एमआर/डीडी/एफडी/बीजी के रूप में रु.25,000/- की वापसी योग्य सुरक्षा जमा राशि जमा की जाएगी। (7) टिकट सेलिंग एजेंट सर्विंग/फीडिंग स्टेशन पर उनके द्वारा की गई अग्रिम टिकट जमा राशि के बराबर टिकट जारी करने में सक्षम होगा। प्रत्येक एम-यूटीएस मोबाइल में रु.2000 का न्यूनतम बफर रखा जाएगा, जिसके नीचे टिकटों की बिक्री संभव नहीं होगी। (8) **देय कमीशनः** देय कमीशन इस प्रकार होगा: **सेल्स टर्नओवर रु. में, देय कमीशन** निम्नानुसार हैं: **(क)** 1-15000, 15%, **(ख)** 15001-50000, 12%, **(ग)** 50001-100000, 9%, **(घ)** 100001-200000, 6%, **(ङ)** 200001 और उससे ज़्यादा, 3%, देय कमीशन व्यक्तिगत महीने के लेन-देन के आधार पर होगा, न कि पूरे वर्ष के लिए मासिक औसत बिक्री कारोबार के आधार पर। (9) उपर्युक्त शर्तों के समर्थन में मूल रूप से सभी कागजातों के मांगे जाने पर चयन समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए। (10) एक से अधिक पात्र आवेदक होने पर किसी बच्चे द्वारा लॉट का ड्रॉ निकालते हुए चयन किया जाएगा। सभी पात्र आवेदकों को स्पीड पोस्ट के माध्यम से ड्रॉ की तारीख, समय और स्थान की सूचना दी जाएगी, ताकि वे चाहें तो ड्रॉ में शामिल हो सकें। (11) एजेंट का चयन पांच वर्ष के लिए पूर्ण रूप से अनुबंधित प्रकृति का होगा और कोई सुविधा जैसे कि रेलवे सेवा में बहाली, सेवा का नियमितीकरण, बोनस, रेलवे पास सुविधाएं आदि एजेंट को प्राप्त नहीं होंगी। निर्धारित अनुबंध अवधि की समाप्ति पर इसे बढ़ाया नहीं जाएगा। (12) रेलवे प्रशासन के पास किसी भी समय और किसी भी परिस्थिति में बिना कोई कारण दिखाए चयन प्रक्रिया को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है। (13) **आवेदन के लिए प्रारूप और विस्तृत नियम और शर्तों की उपलब्धताः** आवेदन के लिए फॉर्म और विस्तृत नियम एवं शर्तें वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, वाणिज्यिक शाखा, पहली मंजिल, नई डीआरएम बिल्डिंग, पूर्व रेलवे, हावड़ा, पिन-711101 के कार्यालय से **दिनांक 22.12.2025 से 21.01.2026 (11.00 बजे से 17.00 बजे)** के बीच किसी भी कार्य दिवस पर उपलब्ध होंगी। आवेदन के लिए प्रारूप और विस्तृत नियम एवं शर्तें आधिकारिक वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in** से भी डाउनलोड की जा सकती हैं। (14) **आवेदन जमा करनाः** एक राजपत्रित अधिकारी द्वारा विधिवत सत्यापित कागजातों की प्रतियों के साथ प्रारूप के अनुसार यथोचित भरे गए आवेदन को एक मुहरबंद लिफाफे में संलग्न किया जाना चाहिए, जिस पर "............स्टेशन पर टिकट सेलिंग एजेंट के लिए आवेदन" लिखा हो एवं मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), वाणिज्यिक शाखा, पहली मंजिल, नई डीआरएम बिल्डिंग, पूर्व रेलवे, हावड़ा, पिन-711101 को संबोधित किया गया हो। आवेदन को इस उद्देश्य के लिए वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा-711101 के कार्यालय में **दिनांक 22.12.2025 से 21.01.2026 (11.00 बजे से 17.00 बजे)** के बीच रखे गए बॉक्स में डाला जाना चाहिए। यदि आवेदन किसी भी कारण से निर्धारित तिथि और समय के अंदर नहीं पहुंचता है, तो इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। (15) **आवेदन बॉक्स खोला जानाः** वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा के कार्यालय में **दिनांक 22.01.2026 को 13.00 बजे**। यदि कार्यालय छुट्टी या किसी अप्रत्याशित कारण से बंद रहता है, तो आवेदन अगले कार्य दिवस पर उसी समय और स्थान पर खोला जाएगा। आवेदन और विस्तृत नियम एवं शर्तों का संपूर्ण विवरण आधिकारिक वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in** और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा के नोटिस बोर्ड पर देखा जा सकता है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, हावड़ा

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

एसआईआर के बाद तृणमूल का सत्ता से जाना तय : शुभेंदु अधिकारी

बीरभूम : भाजपा की ओर से गुरुवार को बोलपुर संगठनात्मक जिले के लाभपुर में परिवर्तन संकल्प यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा के दौरान नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने जनसभा के मंच से दावा किया कि एसआईआर के बाद होने वाले बंगाल विधानसभा चुनाव के उपरांत राज्य की सत्ता से तृणमूल कांग्रेस की विदाई हो जायेगी। उन्होंने ममता सरकार पर भ्रष्टाचार, हिंसा, महिलाओं से दुर्व्यवहार व एसआईआर को लेकर

झूठा प्रचार करने का आरोप लगाया। शुभेंदु ने कहा कि बीरभूम के साथ बंगाल को बचाने के लिए जनता सड़कों पर उतर पड़ी है। उन्होंने अनुब्रत मंडल व काजल शेख को घेरते हुए तृणमूल नेतृत्व पर तंज कसा और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अलीपुरदुआर से परिवर्तन संकल्प यात्रा शुरू की है। एसआईआर को लेकर शुभेंदु ने कहा कि तृणमूल ने इसे एनआरसी से जोड़कर मुसलिमों को डराने की कोशिश की, पर भारतीय मुसलमान डरे नहीं। उन्होंने साफ किया कि भारतीय नागरिकों को डरने की जरूरत नहीं है, जबकि अवैध घुसपैठियों को जाना होगा। देउचा पचामी कोल प्रोजेक्ट का जिक्र करते हुए उन्होंने ममता बनर्जी पर एक लाख युवाओं को नौकरी देने का वादा पूरा नहीं करने का आरोप लगाया और दावा किया कि एसआईआर के बाद फर्जी वोटर हटेंगे और 2026 में राज्य में परिवर्तन की सरकार बनेगी।

पिकनिक सीजन में दीघा में प्रशासन सतर्क, होटल मालिकों के साथ की गई अहम बैठक

पूर्व मेदिनीपुर : पिकनिक और वर्षांत उत्सव के मद्देनजर पूर्व मेदिनीपुर जिले के प्रसिद्ध समुद्र तट दीघा में प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। बढ़ती भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बुधवार की देर शाम दीघा विकास परिषद कार्यालय में एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाशासक, कार्यवाहक जिला पुलिस अधीक्षक, दीघा विकास परिषद के अधिकारी तथा होटल एसोसिएशन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि 25 दिसंबर से दीघा शहर रोशनी से जगमगा उठेगा। होटल व्यवसायी अपने-अपने प्रतिष्ठानों को सजा रहे हैं, वहीं दीघा विकास परिषद की ओर से जगन्नाथ मंदिर से सटे मार्ग, ओल्ड दीघा और न्यू दीघा के विस्तृत समुद्र तट क्षेत्र को आकर्षक लाइटिंग से सजाने की तैयारी की जा रही है।

इसके साथ ही पर्यावरण विभाग से अनुमति मिलने पर ओलंपिक के तर्ज पर आतिशबाजी का भव्य प्रदर्शन भी किया जाएगा। बैठक के बाद जिलाधिकारी ने कहा कि इस वर्ष पिछले वर्षों की तुलना में अधिक पर्यटकों के आने की संभावना है। ऐसे में भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण, पार्किंग व्यवस्था और समुद्र तट की सतत निगरानी पर विशेष जोर दिया जा रहा है। सुरक्षा के मद्देनज़र पुलिस की अतिरिक्त तैनाती की जाएगी और सी-फ्रंट इलाके में कड़ी निगरानी रखी जाएगी। प्रशासन ने होटल मालिकों से सहयोग की अपील करते हुए स्पष्ट किया कि पर्यटकों की सुरक्षा, स्वच्छता और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। अधिकारियों ने कहा कि दीघा आने वाले पर्यटकों को सुरक्षित और यादगार अनुभव प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

हिंदुजा परिवार और मित्रों ने जीपी हिंदुजा की स्मृति में आयोजित की प्रार्थना सभा

मुंबई/कोलकाता : हिंदुजा ग्रुप के दिवंगत चेयरमैन गोपीचंद पी हिंदुजा की स्मृति में उन्हें सम्मान देने के लिए मुंबई में एक प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में भारतीय उद्योग जगत के दिग्गज, राजनीति के विभिन्न दलों के नेता, राजनयिक कोर के सदस्य और कई प्रमुख फिल्मी हस्तियां शामिल हुईं। परमार्थ निकेतन के स्वामी चिदानंद सरस्वती जैसे आध्यात्मिक गुरुओं और उनके करीबी सहयोगियों ने जीपी हिंदुजा के बहुमुखी व्यक्तित्व को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रसिद्ध गायक अनुराधा पौडवाल, नितिन मुकेश और मोहित लालवानी ने जीपी हिंदुजा के पसंदीदा भजनों और उनके प्रिय मित्र स्वर्गीय राज कपूर पर फिल्माए गए गीतों की प्रस्तुति दी।

निजी बैंक में 34.75 लाख रुपये की धोखाधड़ी, तीन आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता : निजी बैंक के ग्राहकों के साथ करोड़ों की वित्तीय धोखाधड़ी का बड़ा मामला सामने आया है। शेक्सपियर सरणी थाना अंतर्गत दर्ज एक मामले में बैंक के ही अधिकारियों द्वारा फर्जी म्यूचुअल फंड और एफडी प्रमाणपत्र दिखाकर ग्राहकों से 34.75 लाख रुपये की ठगी किए जाने का खुलासा हुआ है। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, 1 मार्च 2022 के बाद उक्त निजी बैंक, सरत बोस रोड शाखा के डिप्टी मैनेजर चंदन मंडल ने अपने सहयोगियों के साथ आपराधिक साजिश रची। आरोप है कि उसने ग्राहकों को म्यूचुअल फंड और फिक्स्ड डिपॉजिट में निवेश का झांसा देकर फर्जी और जाली दस्तावेज तैयार किए। इसके जरिए

दो ग्राहकों पार्थ सारथी घोषाल और बानी घोषाल के खातों से कुल 33.50 लाख रुपये निकालकर तीसरे पक्ष के खातों में ट्रांसफर कर दिए, जो उसके नियंत्रण में थे।

जांच में सामने आया कि पीड़ितों को निजी बैंक के होम फाइनेंस और प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड के नाम से जो निवेश प्रमाणपत्र दिए गए थे, वे पूरी तरह जाली थे। इसके अलावा, एक अन्य ग्राहक मालबिका नंदी से एफडी खोलने के नाम पर 1.25 लाख रुपये की ठगी की गई और उन्हें फर्जी फिक्स्ड डिपॉजिट प्रमाणपत्र थमाया गया।

जांच के दौरान फर्जी डेबिट ऑथराइजेशन फॉर्म, जाली एफडी और म्यूचुअल फंड प्रमाणपत्र, खाते के स्टेटमेंट और अकाउंट ओपनिंग फॉर्म सहित कई अहम दस्तावेज जब्त किए गए हैं।

पुलिस ने 17 दिसंबर को तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। मुख्य आरोपी चंदन मंडल (32) निजी बैंक की सरत बोस रोड शाखा में डिप्टी मैनेजर के पद पर कार्यरत था। दूसरा आरोपी सुरेश भगत (33), बैंक का असिस्टेंट मैनेजर, उस खाते की व्यवस्था करता था जिसमें ठगी की रकम जमा होती थी और वह स्वयं भी लाभार्थी था। तीसरा आरोपी राजू थापा (36) प्राथमिक रूप से धन ट्रांसफर किए जाने वाले खातों की व्यवस्था करता था और वह 20 प्रतिशत कमीशन के तौर पर रकम लेता था।

तीनों आरोपियों को कोलकाता के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड की मांग की गई है। पुलिस के अनुसार, मामले की जांच जारी है और अन्य संभावित संलिप्त लोगों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।

फ्लिपकार्ट मिनट्स का तेज विस्तार, ऑर्डर में 16 गुना उछाल

कोलकाता : फ्लिपकार्ट की क्विक कॉमर्स सेवा फ्लिपकार्ट मिनट्स ने 2025 की दूसरी छमाही में शानदार प्रदर्शन दर्ज किया है। इस दौरान सालाना आधार पर ऑर्डर में 16 गुना वृद्धि हुई, जबकि प्लेटफॉर्म पर 5.3 करोड़ से अधिक यूनिक विजिटर्स आए। 10 मिनट में डिलीवरी के वादे को 30 से ज्यादा नए शहरों तक विस्तार दिया गया, जिसमें मेट्रो के साथ टियर-2 और टियर-3 शहर शामिल हैं। प्लेटफॉर्म को अपनाने में 15-25 वर्ष आयु वर्ग के जेन-जी उपभोक्ता सबसे आगे रहे। ग्राहकों के बढ़ते भरोसे का अंदाजा इस बात से लगता है कि 6 लाख से अधिक पावर यूजर्स सात दिनों के भीतर दोबारा ऑर्डर कर रहे हैं। हर बास्केट में औसतन 45 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ फल और सब्जियां प्रमुख रहीं। फ्लिपकार्ट मिनट्स 2000 से अधिक किसानों से सीधे ताजा उत्पाद खरीदकर 'फार्म-टू-डोर' मॉडल को मजबूत कर रहा है।

छात्रहित में बड़ा फैसला, डेडलाइन बीतने के बाद भी स्नातक पूरा करने का अंतिम मौका

कोलकाता : छात्रहित को ध्यान में रखते हुए कलकत्ता विश्वविद्यालय ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। निर्धारित समयसीमा समाप्त हो जाने के बावजूद विश्वविद्यालय ने एक बार फिर छात्रों के लिए स्नातक डिग्री पूरी करने का अवसर देने का फैसला किया है। यह मौका अंतिम होगा।

विश्वविद्यालय सूत्रों के अनुसार, चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) लागू होने के बाद नियम था कि तीन वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम अधिकतम पांच वर्षों के भीतर पूरा करना अनिवार्य है। लेकिन कोरोना काल, परीक्षाओं के स्थगन, स्वास्थ्य संबंधी कारणों और प्रशासनिक जटिलताओं के चलते बड़ी संख्या में छात्र तय समय में सभी सेमेस्टर पास नहीं कर सके। इसके कारण उनकी डिग्री निरस्त होने की स्थिति बन गई थी।

इस परिस्थिति को देखते हुए कलकत्ता विश्वविद्यालय ने 2017 से 2020 बैच के उन विद्यार्थियों को वर्ष 2026 में एक बार परीक्षा में बैठने की अनुमति देने का निर्णय लिया है, जो समय पर पाठ्यक्रम पूरा नहीं कर सके थे। परीक्षा में सफल होने पर ही उन्हें स्नातक डिग्री प्रदान की जाएगी।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह छूट अंतिम है और भविष्य में ऐसी कोई और सुविधा नहीं दी जाएगी। परीक्षा कार्यक्रम, आवेदन प्रक्रिया और आवश्यक दिशा-निर्देश जल्द ही विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किए जाएंगे। पात्र छात्रों को निर्धारित समय के भीतर ऑनलाइन आवेदन कर इस अंतिम अवसर का लाभ उठाना होगा।

'बिजनेस रेस्पॉंसबिलिटी फ़ॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट' विषय पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार आयोजित

कोलकाता, समाज्ञा : 'बिजनेस रेस्पॉंसबिलिटी फ़ॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट' विषय पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन साउथ सिटी हॉल में शिवनाथ शास्त्री कॉलेज, हेरम्बचंद्र कॉलेज, प्रफुल्लचंद्र कॉलेज एवं उमेशचंद्र कॉलेज के कामर्स विभागों के संयुक्त तत्वावधान

में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कलकत्ता विश्वविद्यालय कॉमर्स विभाग के वरिष्ठ प्रो. ध्रुव रंजन दंडपात ने सतत विकास हेतु व्यवसायिक उत्तरदायित्व विषय पर अपने महत्वपूर्ण विचार रखें। मंच पर अन्य गणमान्य अतिथियों में डॉ. नवनीता चक्रवर्ती, डॉ जे. के. दास, डॉ. मो. तफज़्ज़ल हक, डॉ. ए. निर्मला जैसे विद्वानो ने भी अपने विचार साझा किए। इस सत्र का कुशल संचालन डॉ सुव्रत सरकार ने किया। कार्यक्रम का आयोजन दो सत्रों में किया गया था, द्वितीय सत्र का आरंभ डॉ. संजीव कुमार बसु, डीन, सेंट ज़ेवियर्स कॉलेज के प्रेरणादायक वक्तव्य से हुआ। समापन सत्र में इस समूचे आयोजन पर अपने विचार रखे कलकत्ता विवि कामर्स विभाग की अध्यक्ष डॉ तनुपा चक्रवर्ती ने और प्रिंसिपल शिवनाथ शास्त्री डॉ. रूना विश्वास ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

सौरव गांगुली ने ठोका 50 करोड़ का मानहानी केस, लालबाजार में शिकायत दर्ज

पूर्व भारतीय कप्तान ने लगाया व्यक्तिगत सम्मान को ठेस पहुंचाने का आरोप

कोलकाता, समाज्ञा : भारत दौरे पर आए दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेस्सी के कोलकाता में आयोजित इवेंट के बाद विवाद गहराता नजर आ रहा है। अब इस मामले में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने बड़ा कदम उठाया है। गांगुली ने अर्जेंटीना फैन क्लब के अध्यक्ष उत्तम साहा के खिलाफ 50 करोड़ रुपये का मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया है। सौरव गांगुली ने कोलकाता पुलिस की क्राइम ब्रांच में यह शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उत्तम साहा ने उनके खिलाफ लगातार झूठे और

भ्रामक बयान दिए, जिससे उनके व्यक्तिगत सम्मान और सार्वजनिक छवि को नुकसान पहुंचा है। गांगुली का कहना है कि इन आरोपों का उद्देश्य जानबूझकर उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाना था। गांगुली ने अपनी शिकायत में कहा है कि उत्तम साहा द्वारा दिए गए बयान पूरी तरह तथ्यहीन और गैर-जिम्मेदाराना थे। इन बयानों के चलते न सिर्फ उनके व्यक्तित्व पर सवाल उठे, बल्कि समाज में उनकी छवि को भी खराब करने की कोशिश की गई। इसी कारण उन्होंने कानूनी नोटिस भेजने के बाद मानहानि का मुकदमा दर्ज कराने का फैसला लिया। सौरव गांगुली ने साफ शब्दों में कहा है कि वह सॉल्ट लेक स्टेडियम में आयोजित इवेंट में केवल एक गेस्ट के रूप में पहुंचे थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि लियोनल मेस्सी के कार्यक्रम की योजना, प्रबंधन या आयोजन से उनका कोई लेना-देना नहीं था। इसके बावजूद उन्हें इस पूरे विवाद में घसीटा गया, जो पूरी तरह अनुचित है।

हावड़ा सदर सेंट्रल क्रीड़ा प्रतियोगिता 2025 में जनता आदर्श विद्यालय रहा अव्वल

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा के सदर सेंट्रल सर्कल द्वारा आयोजित 41वीं वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता-2025 में जनता आदर्श विद्यालय (प्राथमिक विभाग) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें जनता आदर्श विद्यालय के बच्चों ने खेल प्रतिभा, अनुशासन और टीम भावना का उत्कृष्ट परिचय दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय कुमार पांडेय ने इस उपलब्धि पर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पुरस्कार वितरण समारोह में विद्यालय निरीक्षक, सदर सेंट्रल नबोनीता बिस्वास ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश सचिव उमेश राय ने विद्यार्थियों की सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि अपने विद्यालय की उपलब्धि उन्हें व्यक्तिगत जीत का अनुभव कराती है।

एक्सिस बैंक के इकोनॉमिक आउटलुक के अनुसार, वित्त वर्ष 27 में भारत की जीडीपी वृद्धि बढ़कर 7.5% हो सकती है

कोलकाता : एक्सिस बैंक के चीफ इकोनॉमिस्ट और एक्सिस कैपिटल के हेड - ग्लोबल रिसर्च, नीलकंठ मिश्रा के अनुसार, एक्सिस बैंक के आउटलुक 2026 रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 27 में भारत की आर्थिक वृद्धि ट्रेंड से ऊपर रहने की संभावना है। यह वृद्धि संरचनात्मक और नियामक सुधारों, कम उधारी लागत, तेज पूंजी निर्माण और नीतिगत ढील से मिलने वाले चक्रीय समर्थन के कारण होगी। मिश्रा और बैंक की इकोनॉमिक रिसर्च टीम का मानना है कि इकॉनमी में सुस्ती को देखते हुए महंगाई के दबाव के बिना भी इकोनॉमी ट्रेंड से बेहतर ग्रोथ बनाए रख सकती है।

भारत की जीडीपी ग्रोथ एफवाई26 में 7.5% और एफवाई27 में 7.0% रहने का अनुमान : केयरएज रेटिंग्स

कोलकाता : केयरएज रेटिंग्स ने एफवाई26 में भारत की जीडीपी ग्रोथ 7.5% और एफवाई27 में 7.0% रहने का अनुमान लगाया है, जो मजबूत घरेलू मांग और स्थिर मैक्रो फंडामेंटल द्वारा समर्थित है। उसे उम्मीद है कि महंगाई कम रहेगी, एफवाई26 में औसत सीपीआई महंगाई 2.1% रहने का अनुमान है, जो एफवाई27 में सामान्य होकर लगभग 4% हो जाएगी। केयरएज रेटिंग्स का कहना है कि दुनिया के कुछ हिस्सों में मॉनेटरी ईज़िंग शुरू हो गई है, कुछ अपवादों को छोड़कर। इस साल अब तक, जापान और ब्राजील में बढ़ती महंगाई से निपटने के लिए पॉलिसी दरों में बढ़ोतरी की गई। केयरएज रेटिंग्स की चीफ इकोनॉमिस्ट रजनी सिन्हा ने कहा, एफवाई27 में भारत का मैक्रोइकोनॉमिक आउटलुक सकारात्मक बना हुआ है।

रेलवे चिकित्सकों की त्वरित कार्रवाई से बंडेल स्टेशन पर महिला ने बच्चे को दिया जन्म

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के चिकित्सा विभाग ने त्वरित एवं सराहनीय चिकित्सकीय प्रतिक्रिया का परिचय देते हुए 18 दिसंबर को बंडेल रेलवे स्टेशन पर एक गर्भवती महिला का सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित किया। यह घटना रेलवे चिकित्सा सेवाओं की तत्परता, पेशेवर दक्षता और मानवीय संवेदनशीलता को दर्शाती है। जानकारी के अनुसार, तड़के लगभग 02:00 बजे बंडेल स्वास्थ्य इकाई को स्टेशन प्रशासन से सूचना मिली कि प्लेटफॉर्म पर एक महिला को तीव्र प्रसव पीड़ा हो रही है। सूचना मिलते ही नव-नियुक्त संविदा चिकित्सा अधिकारी (सीएमपी) डॉ. अयन चटर्जी पैरामेडिकल स्टाफ के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति को

संभाला। हावड़ा मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर एम्स के दिशा-निर्देशों के अनुसार उपलब्ध कराए गए प्राथमिक उपचार बॉक्स, जिनमें नवजात प्रसव किट शामिल थी, इस आपात स्थिति में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुए। प्रसव के बाद मां और नवजात को तत्काल चुचुड़ा स्टेट अस्पताल भेजा गया, जहां दोनों की स्थिति स्थिर बताई जा रही है।

अंधेरे से प्रकाश की ओर बढ़े हमारा कदम: आचार्य सुधांशु महाराज

कोलकाता : चेहरे पर प्रसन्नता लिए और प्रभु की कृपाओं का स्मरण करते हुए उन्हें धन्यवाद देना चाहिए। प्रभु से प्रार्थना कीजिए कि इस संसार में मेरा जो कर्तव्य हैं, उसे पूरा करने की शक्ति दीजिए। वंसत में जिस तरह पुराने पत्ते झड़ते हैं, नये पत्ते आते हैं और नये फूल खिलते हैं। इसी तरह हम अपने जीवन में नया वंसत लाए, जो हमें अंधेरे से प्रकाश की ओर ले चलें। भटकाव, अज्ञानता और जहां रास्ते खो जाते हैं वही अंधेरा है। विवेक का उदय, ज्ञान और जहां रास्ता दिखाई देता है, वही प्रकाश है। हमें अंधेरे से प्रकाश की ओर कदम बढ़ाना चाहिए। हमें उन विचारों को लेकर न चलें जो हमें अंधेरे की ओर ले जाता हो। जीवन है तो प्रतिदिन श्रेष्ठ बनने की कोशिश करनी चाहिए। प्रभात के जागरण के साथ आपका विचार भगवान के लिए होना चाहिए। पहला कदम

भगवान की राह की ओर होना चाहिए। रात में सोते समय भगवान को कृतज्ञता प्रकट करना चाहिए। 100वर्ष श्रेष्ठ जीवन जीना चाहिए। मतलब इन वर्षों में हम आरोग्यता को प्राप्त करें। आत्मनिर्भर बनें। पारिवारिक प्रसन्नता बनी रहें। समाज में प्रतिष्ठित है। राष्ट्र के प्रति आपकी निष्ठा बनी रहें। अंत तक प्रभु का साथ होना चाहिए। जीवन का रंग वैसा ही है जैसा हमारा संग है। संग से रंग और रंग से जीवन का ढंग बन जाता है। स्वर्ग है वह घर जहां एकता की शक्ति है, ईश्वर की भक्ति है, दुर्भावों से विरक्ति है, गुरुवचनों में अनुरुक्ति है, और मुंह से केवल गुरुकृपा निकल रहा हो। ये बातें विश्व जागृति मिशन ट्रस्ट के तत्वावधान में दिव्य पाठशाला में बोलते हुए आचार्य सुधांशु महाराज ने साइंस सिटी सभागार में कही। इस अवसर पर राधेश्याम गोयनका, पद्मश्री से सम्मानित प्रह्लाद अग्रवाल, इंदु-सुशील गोयनका, गोपाल भरतिया, संजय गोयनका, सुभाष मुरारका, निशा ढांढनिया, अनिता जायसवाल, किशन केजरीवाल, मनीष बजाज सहित अन्यगणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन दुर्गा व्यास ने किया। मौके पर धीरज अग्रवाल ने बताया कि दिव्य पाठशाला के अलावा शुक्रवार को पुराने शिष्यों से साक्षात्कार और शनिवार को रक्तदान शिविर व सुन्दर काण्ड पाठ का आयोजन किया गया है।

ईआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ ने दस्तक कल्याण अभियान से स्वास्थ्य स्वच्छता को दिया बढ़ावा

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे महिला कल्याण संगठन (ईआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ) द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत हावड़ा के सलकिया स्थित झुग्गी क्षेत्र में दस्तक - सेनेटरी नैपकिन वितरण शीर्षक से एक सामुदायिक कल्याण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कल्याण अभियान के अंतर्गत क्षेत्र की 75 महिला निवासियों को सेनेटरी नैपकिन के साथ खाद्य पैकेट वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा वंचित वर्गों के समग्र कल्याण को सुदृढ़ करना था। कार्यक्रम ने ईआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ की समावेशी सामाजिक जिम्मेदारी और जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाया। यह कार्यक्रम ईआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ/हावड़ा की अध्यक्ष प्रीति कपूर के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर संगठन की सचिव मीनाक्षी सिंह, कोषाध्यक्ष भावना तथा हावड़ा मंडल की अन्य सदस्याएं भी उपस्थित रहीं, जिनके सक्रिय सहयोग से कार्यक्रम का सफल संचालन सुनिश्चित हुआ। इस पहल ने स्वास्थ्य, स्वच्छता और खुशहाली के मूल्यों को सुदृढ़ किया।

कोलकाता में द पेसल वीड स्कूल, देहरादून ने अभिभावक संवाद सत्र का किया आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : द पेसल वीड स्कूल, देहरादून द्वारा कोलकाता स्थित पार्क प्राइम एवं डे सोवरेनी में अभिभावक संवाद सत्रों का आयोजन किया गया। इन सत्रों का नेतृत्व विद्यालय के प्राचार्य डॉ. विदुकेश विमल ने किया। कार्यक्रम में भावी एवं वर्तमान अभिभावक, पूर्व छात्र और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. विदुकेश विमल ने 21वीं सदी में अभिभावकत्व की चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डिजिटल युग में बच्चों के पालन-पोषण में भावनात्मक जुड़ाव, मूल्य आधारित शिक्षा और अनुशासन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय और अभिभावकों के बीच मजबूत साझेदारी जरूरी है।

उन्होंने आवासीय विद्यालयों के लाभों पर चर्चा करते हुए बताया कि देहरादून जैसे शांत एवं सुरक्षित वातावरण में स्थित स्कूल विद्यार्थियों में आत्मनिर्भरता, नेतृत्व क्षमता और अनुशासन विकसित करते हैं। डिजिटल डिटॉक्स की अवधारणा पर जोर देते हुए उन्होंने सीमित स्क्रीन समय को मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी बताया।

कार्यक्रम के दौरान प्रवेश प्रक्रिया, छात्रवृत्ति योजनाओं तथा 55 एकड़ में फैले विद्यालय परिसर की जानकारी भी दी गई। सत्र का समापन अभिभावकों और विद्यार्थियों के साथ संवाद के साथ हुआ।

सियालदह मंडल ने 20 दिसंबर को यात्रियों की सुविधा के लिए बढ़ाईं ट्रेन सेवाएं

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल ने 20 दिसंबर को कल्याणी-लालगोला सेक्शन में रेल सेवाओं में अतिरिक्त प्रबंध किए हैं। इसके तहत, 20 दिसंबर को लालगोला-राणाघाट ईएमयू स्पेशल, लालगोला से सुबह 06:30 बजे रवाना होगी और 09:25 बजे राणाघाट पहुंचेगी, जबकि कल्याणी-कृष्णानगर ईएमयू स्पेशल, कल्याणी से 07:40 बजे और 08:04 बजे रवाना होकर क्रमशः 08:36 बजे एवं 09:00 बजे कृष्णानगर पहुंचेगी।

इसके अलावा, 20 दिसंबर से प्रारंभ होने वाली यात्राओं के लिए 13104 लालगोला-सियालदह भागीरथी एक्सप्रेस तथा 13118 लालगोला-कोलकाता धानो धान्ये एक्सप्रेस को बड़कुल्ला एवं ताहेरपुर में अतिरिक्त ठहराव दिया जाएगा।

वहीं, 13113 कोलकाता-लालगोला हजारदुआरी एक्सप्रेस को कल्याणी, चकदह, बड़कुल्ला और ताहेरपुर में रोका जाएगा। साथ ही, 31776 कृष्णापुर-कॉसिमबाजार ईएमयू लोकल को पुनर्निर्धारित कर 06:12 बजे लालगोला से चलाकर 08:55 बजे कालीनारायणपुर तक संचालित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, 20 दिसंबर को दोपहर 12:00 बजे से 18:00 बजे तक राणाघाट और लालगोला के बीच सभी ईएमयू एवं मेमू सेवाएं दोनों दिशाओं में सभी स्टेशनों पर ठहराव करेंगी।

नैहाटी स्वास्थ्य इकाई में रेलवे कर्मियों के लिए स्वास्थ्य शिविर

कोलकाता, समाज्ञा : सियालदह के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा 17 दिसंबर को नैहाटी स्वास्थ्य इकाई में एक बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य निवारक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करना तथा कर्मचारियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस अवसर पर पूर्व रेलवे के प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक (पीसीएमडी) डॉ. नटराज बी., मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, सियालदह डॉ. कल्पना मंडल, एसीएमडी/टी एंड ए/मुख्यालय डॉ. अनुपम सेठ सहित बी.आर. सिंह अस्पताल एवं सियालदह मंडलीय अस्पताल के अनेक वरिष्ठ चिकित्सक उपस्थित रहे। शिविर में फिजीशियन, दंत चिकित्सक, सहायक आहार अधिकारी और ऑप्टोमेट्रिस्ट द्वारा रेलवे कर्मचारियों व लाभार्थियों को

व्यापक चिकित्सा परामर्श और सेवाएं प्रदान की गईं। कार्यक्रम के दौरान पीसीएमडी/पूर्व रेलवे ने निहाटी स्वास्थ्य इकाई तथा दुर्घटना राहत चिकित्सा उपकरण (एआरएमई) स्केल-खख का निरीक्षण भी किया। निरीक्षण वरिष्ठ मंडलीय चिकित्सा अधिकारी, निहाटी डॉ. श्रेया चौधरी की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इसके साथ ही वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। पीसीएमडी ने शिविर के सफल आयोजन पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की पहलें रेलवे कर्मचारियों और उनके परिवारों के स्वास्थ्य एवं कार्यक्षमता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

'मिनी पाकिस्तान' टिप्पणी पर हंगामा

आरोप साबित हुआ तो राजनीति छोड़ दूंगा : मेयर

कोलकाता : 'मिनी पाकिस्तान' टिप्पणी को लेकर गुरुवार को कोलकाता नगर निगम के अधिवेशन में जबरदस्त हंगामा देखने को मिला। भाजपा पार्षद सजल घोष की ओर से लगाए गए आरोपों पर मेयर फिरहाद हकीम का गुस्सा फूट पड़ा। सदन के भीतर तीखी बहस के दौरान मेयर ने खुली चुनौती देते हुए कहा कि यदि कोई यह प्रमाणित कर दे कि उन्होंने कभी कोलकाता के किसी हिस्से को 'मिनी पाकिस्तान' कहा है, तो वह तुरंत मेयर पद से इस्तीफा दे देंगे। बाद में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने यहां तक कहा कि आरोप सही साबित होने पर वह सक्रिय

राजनीति भी छोड़ देंगे। दरअसल, नगर निगम की बैठक में तृणमूल कांग्रेस के पार्षद अरूप चक्रवर्ती ने प्रधानमंत्री द्वारा बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय को 'बंकिमदा' कहे जाने और 'वंदे मातरम्' को लेकर उठे विवाद के विरोध में एक निंदा प्रस्ताव पेश किया था। प्रस्ताव में रवींद्रनाथ ठाकुर और बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय पर कथित सांस्कृतिक हमलों के खिलाफ सभी को एकजुट होने का आह्वान किया गया। इसी प्रस्ताव पर बहस के दौरान भाजपा पार्षद सजल घोष ने सरकार और मेयर पर निशाना साधते हुए कथित 'मिनी पाकिस्तान' टिप्पणी का मुद्दा उठा दिया। सजल के इस बयान के बाद मेयर फिरहाद हकीम बुरी तरह भड़क उठे। उन्होंने ऊंची आवाज में कहा, अगर कोई एक भी वीडियो क्लिप या बयान दिखा दे, जिसमें मैंने 'मिनी पाकिस्तान' शब्द का इस्तेमाल किया हो, तो मैं तुरंत इस्तीफा दे दूंगा। मैं मुसलमान हूं, लेकिन मेरा देश भारत है। पाकिस्तान मेरा दुश्मन है। उनके इस बयान के बाद सदन में भारी शोर-शराबा शुरू हो गया। स्थिति को संभालने के लिए तृणमूल विधायक और पार्षद देवाशीष कुमार को अपनी सीट से उठकर मेयर के पास जाना पड़ा। बाद में मीडिया से बातचीत में फिरहाद हकीम ने कहा कि इस तरह के आरोप उन्हें व्यक्तिगत रूप से आहत करते हैं और इसके पीछे सांप्रदायिक राजनीति काम कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि बंगाल में इस तरह की राजनीति पहले नहीं थी और यह ज्यादा समय तक टिकने वाली नहीं है। साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा, हमारी पहचान अल्पसंख्यक या बहुसंख्यक से नहीं, बल्कि भारतीय होने से है।

मंच पर पंचायत प्रधान को बंदूक भेंट, वायरल वीडियो से सियासी विवाद तेज

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा जिले में आयोजित वार्षिक ग्रामसभा कार्यक्रम के दौरान मंच पर एक पंचायत प्रधान को दो नली वाली बंदूक भेंट किए जाने का वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में विवाद तेज हो गया है। गुरुवार को यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ, जिसके बाद घटना को लेकर कई तरह के सवाल खड़े किए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, बुधवार को हावड़ा के बांकड़ा-1 ग्राम पंचायत क्षेत्र में ग्रामसभा का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में बांकड़ा-1 ग्राम पंचायत के प्रधान अख्तर हुसैन मोल्ला सहित पंचायत और जिला स्तर के तृणमूल कांग्रेस के कई नेता मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में लोग मंच पर आकर पंचायत प्रधान को उनके एक वर्ष के कार्यकाल के लिए सम्मान स्वरूप विभिन्न उपहार भेंट कर रहे थे। इसी दौरान एक व्यक्ति द्वारा उन्हें दो नली वाली बंदूक भेंट की गई, जिसका दृश्य वीडियो में कैद हो गया।

सार्वजनिक और सरकारी मंच से इस तरह बंदूक भेंट किए जाने को लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर सवाल उठने लगे हैं। इस पूरे प्रकरण पर प्रतिक्रिया देते

हुए अख्तर हुसैन मोल्ला ने कहा कि ग्रामसभा उत्सव के दौरान लोगों ने उन्हें सम्मान देने के उद्देश्य से उपहार दिए थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि बंदूक को उन्होंने केवल क्षण भर के लिए हाथ में लिया था और उसे जांचने या परखने की स्थिति नहीं थी। साथ ही पंचायत प्रधान ने यह भी स्वीकार किया कि सरकारी मंच से इस तरह का उपहार दिया जाना उचित नहीं था। उन्होंने इसे एक चूक बताते हुए कहा कि राजनीति में करीब 30 वर्षों का अनुभव होने के बावजूद उन्हें और अधिक सतर्क रहना चाहिए था। उन्होंने भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने की बात भी कही।

मुकुल रॉय का विधायक पद खारिज करने के हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ विधानसभा सचिवालय नहीं करेगी अपील

कोलकाता, समाज्ञा : कृष्णनगर उत्तर के विधायक मुकुल राय के विधायक पद को रद्द करने वाले कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ विधानसभा सचिवालय अब उच्च न्यायालय में अपील नहीं करेगी। यह निर्णय कानूनी सलाह के बाद लिया गया। विधानसभा के स्पीकर बिमान बंद्योपाध्याय ने गुरुवार को इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि चूंकि, इस मामले में प्रतिपक्षी पक्ष मुकुल राय के पुत्र शुभ्रांशु राय हैं, इसलिए इस मामले में पहल उनके द्वारा ही की जाएगी। विधानसभा सचिवालय इस मामले में अब कोई कदम नहीं उठाएगा। उल्लेखनीय है कि कलकत्ता हाई कोर्ट की डिविजन बेंच, जिसमें न्यायाधीश देवांशु बसाक और न्यायाधीश शब्बर रशिदी शामिल थे, ने 13 नवंबर 2025 को मुकुल राय का विधायक पद रद्द करने का आदेश दिया था।

उल्लेखनीय है कि मुकुल राय ने 2021 के विधानसभा चुनाव में कृष्णनगर उत्तर सीट से भाजपा के टिकट पर जीत हासिल की थी। दो मई को जीतने के बाद 11 जून को उन्होंने तृणमूल कांग्रेस में शामिल होकर पार्टी बदली। इसके बाद, विपक्षी नेता शुभेंदु अधिकारी ने उन्हें दल बदल विरोधी कानून के तहत कार्रवाई के लिए स्पीकर के पास आवेदन किया, लेकिन जब परिणाम नहीं मिला, तो उन्होंने मुकुल के खिलाफ अदालत में मुकदमा दायर किया। शुरू में, यह मामला सुप्रीम कोर्ट में गया था, लेकिन उच्चतम न्यायालय ने इसे हाई कोर्ट में निपटाने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त, भाजपा की कल्याणी सीट की विधायक अंबिका राय ने मुकुल के पब्लिक अकाउंट्स कमेटी (पीएसयसी) अध्यक्ष पद पर बने रहने को लेकर अलग से याचिका दायर की थी।

घुनी बस्ती अग्निकांड की जांच के मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश

रात में ही दमकल मंत्री से ली जानकारी

कोलकाता : न्यू टाउन के पास घुनी बस्ती में हुए भीषण अग्निकांड की जांच के निर्देश मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दिए हैं। बुधवार शाम लगी आग में कई झुग्गियां पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। एक ही रात में सौ से अधिक परिवार बेघर हो गए और उन्हें राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी। घटना को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। आग की खबर मिलते ही मुख्यमंत्री ने दमकल मंत्री सुजीत बोस से फोन पर पूरी जानकारी ली और मामले की विस्तृत जांच का आदेश दिया।

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद गुरुवार सुबह जिलाधिकारी शशांक शेट्टी समेत प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी घुनी बस्ती पहुंचे और विभिन्न इलाकों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने राहत शिविरों में रह रहे प्रभावित लोगों से भी बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इस विनाशकारी आग में कम से कम 300 परिवार प्रभावित हुए हैं।

एक ओर लोगों के सिर से छत छिन गई है, दूसरी ओर एसआईआर प्रक्रिया के बीच जरूरी दस्तावेज जल जाने से प्रभावित परिवारों में भारी चिंता है। हालांकि जिला प्रशासन ने हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है। प्रशासन की ओर से बताया गया है कि जल्द ही इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई जाएगी और उसके आधार पर विशेष निर्देश जारी कर जरूरी दस्तावेज दोबारा तैयार करने की व्यवस्था की जाएगी।

रेलवे में नौकरी का झांसा देकर ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

हावड़ा, समाज्ञा : रेलवे में नौकरी दिलाने का लालच देकर करीब 30 लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में शालीमार जीआरपी ने विनोद साव नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी को गुरुवार को हावड़ा अदालत में पेश किया गया। पुलिस जांच में इस मामले से जुड़े कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। बताया गया कि इस संबंध में पहली शिकायत इसी महीने की 11 तारीख को दर्ज कराई गई थी, जिसके बाद शालीमार जीआरपी सक्रिय हुई और आरोपी की तलाश शुरू की गई। पुलिस ने अंकुरहाटी इलाके में छापेमारी कर विनोद साव को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान एक के बाद एक कई अहम जानकारियां सामने आईं। आरोपी के पास से दो मोबाइल फोन, दो सरकारी स्टांप, रेलवे नौकरी से संबंधित फॉर्म और अन्य दस्तावेज

बरामद किए गए हैं। जांचकर्ताओं का अनुमान है कि आरोपी लंबे समय से इस तरह की ठगी में लिप्त था। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि इस रैकेट के पीछे कोई बड़ा गिरोह तो सक्रिय नहीं है। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी आम तौर पर रेलवे स्क्रैप खरीदकर उसे खुले लोहे के बाजार में बेचने का काम करता था। इसी दौरान वह लोगों को यह विश्वास दिलाता था कि उसके रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों से अच्छे संबंध हैं और वह उसी के दम पर नौकरी दिलवा सकता है। आरोप है कि आरोपी ने मुर्शिदाबाद के तीन निवासियों से 10-10 लाख रुपये, यानी कुल 30 लाख रुपये वसूले, लेकिन किसी को भी नौकरी नहीं मिली। बाद में पीड़ितों को ठगी का एहसास हुआ और उन्होंने शालीमार जीआरपी में शिकायत दर्ज कराई। आरोपी के खिलाफ गैर-जमानती धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

कोयला तस्करी मामले में ईडी की सख्ती,

दस्तावेजों की बरामदगी को लेकर कई सवाल, 8 लोगों को किया तलब

कोलकाता : कोयला तस्करी मामले की जांच तेज करते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 8 लोगों को पूछताछ के लिए तलब किया है। तलाशी अभियानों के दौरान बरामद दस्तावेजों और डिजिटल सबूतों की जांच में कई अहम सवाल सामने आए हैं, जिनके जवाब जानने के लिए इन लोगों से पूछताछ की जाएगी।

ईडी सूत्रों के अनुसार, तलब किए गए लोगों में कोयला कारोबारी नरेंद्र खारका, कृष्णकुमारी कोयाल और निरोद मंडल शामिल हैं। जांच एजेंसी तलाशी के दौरान मिले डिजिटल डेटा को आरोपियों के सामने खोलकर उसका सत्यापन करना चाहती है। साथ ही जांच में यह भी संकेत मिले हैं कि कोयला कारोबार से जुड़े कुछ लोगों के प्रभावशाली संपर्क हैं और विभिन्न स्थानों पर 'प्रोटेक्शन मनी' के रूप में बड़ी रकम रखी गई थी।

गौरतलब है कि पिछले वर्ष नवंबर महीने में ईडी ने पश्चिम बंगाल और झारखंड में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया था। इस दौरान आसनसोल, पुरुलिया और कोलकाता के कई इलाकों के अलावा झारखंड के धनबाद में भी छापेमारी की गई। दोनों राज्यों में करीब 40 ठिकानों पर कार्रवाई हुई, जिनमें कोलकाता के लगभग 20 स्थान, विशेष रूप से विधाननगर के एके ब्लॉक और सीएफ ब्लॉक शामिल थे।

ईडी सूत्रों के मुताबिक, सिर्फ पश्चिम बंगाल में हुई तलाशी के दौरान 3 करोड़ रुपये नकद, करीब 6 करोड़ रुपये मूल्य के सोने के आभूषण और 120 संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज बरामद किए गए थे। अब इन सभी तथ्यों को जोड़कर जांच एजेंसी पूरे नेटवर्क की कड़ियां खंगालने में जुटी है।

कांकुड़गाछी में सिलेंडर के गोदाम में लगी भीषण आग

कोलकाता, समाज्ञा : न्यूटाउन के बाद कोलकाता के कांकुड़गाछी में आग लगने की घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार, मानिकतला थाना इलाके के घोषबागान लेन में आग लग गई। आग की भीषण

घटना के बाद एक के बाद एक कई सिलेंडर फटे, जिसकी आवाज दूर तक सुनी गई। इस आग पर काबू पाने के लिए कम से कम 15 दमकल की गाड़ियां पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, बुधवार की देर रात करीब 2:30 बजे यहां पर एक ऑक्सीजन सिलेंडर के गोदाम में आग लग गई। आग तेजी से कई गोदामों तक फैल गई, जिसमें बगल में एक प्लास्टिक स्क्रैप गोदाम भी शामिल था। स्थानीय निवासियों का दावा है कि एक के बाद एक सिलेंडर के फटने से कई घरों की खिड़कियों के शीशे टूट गए। जिससे लोग दहशत में आ गए।

वाम शासनकाल में हुगली में तृणमूल कर्मी की हत्या

डेढ़ दशक बाद हाईकोर्ट ने सीबीआई जांच का दिया आदेश

कोलकाता : वाम शासनकाल के दौरान हुगली में नृशंस रूप से मारे गए तृणमूल कांग्रेस कर्मी रवीण घोष की हत्या के मामले में कोलकाता हाईकोर्ट ने करीब डेढ़ दशक बाद सीबीआई जांच का निर्देश दिया है। अब तक इस मामले की जांच राज्य की सीआईडी कर रही थी। पीड़ित परिवार का आरोप था कि इतने वर्षों में भी जांच में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई, जिसके बाद उन्होंने केंद्रीय जांच एजेंसी से जांच कराने की मांग की थी। अदालत ने परिवार की याचिका स्वीकार करते हुए मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी।

घटना 14 फरवरी 2010 की है। हुगली जिले के जंगीपाड़ा स्थित प्रसादपुर उच्च विद्यालय में अभिभावक प्रतिनिधियों के चुनाव के दौरान सीपीएम और तृणमूल कार्यकर्ताओं के बीच विवाद हुआ था। आरोप है कि इसी दौरान जंगीपाड़ा थाने के तत्कालीन ओसी तापसब्रती चक्रवर्ती ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से गोली चलाकर तृणमूल कर्मी रवीण घोष की हत्या कर दी थी। गोली लगने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई थी।

परिवार का आरोप है कि सीआईडी जांच के बावजूद न तो मामले का निपटारा हुआ और न ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा गया। गुरुवार को न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष की अदालत में मामले की सुनवाई हुई, जहां अदालत ने परिवार की दलीलों को स्वीकार करते हुए सीबीआई जांच का आदेश दिया। पीड़ित परिवार को अब न्याय मिलने की उम्मीद जगी है।

हाई कोर्ट ने जनहित याचिका में आपराधिक मामलों को छिपाने पर लगाया 50,000 रुपये का जुर्माना

कोलकाता, समाज्ञा : कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पाल और जस्टिस पार्थसारथी सेन की खंडपीठ ने गंगा नदी के किनारे अवैध निर्माण के बारे में कलकत्ता हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर करने वाले एक व्यक्ति पर 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। जुर्माने की रकम 15 दिनों के अंदर स्टेट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी (एसए-लएसए) में जमा करनी होगी। संगठन के सदस्य सचिव इस पैसे का इस्तेमाल किसी को आर्थिक मुआवज़ा देने के लिए करेंगे। सूत्रों के अनुसार, याचिकाकर्ता ने हाई कोर्ट को बताया कि उसके खिलाफ 6 एआईआर दर्ज हैं। वे सभी मामले अभी निपटाए जाने बाकी हैं। डिवीजन बेंच ने कहा कि जो व्यक्ति बड़े जनहित में जनहित दायर कर रहा है, उससे कम से कम यह उम्मीद की जा सकती है कि वह अपने बारे में पारदर्शिता बनाए रखेगा। सूत्रों के अनुसार, धोखाधड़ी, अतिक्रमण, जालसाजी सहित कई मामले हैं। वादी के वकील ने अदालत को बताया कि उनके मुवक्किल को नहीं पता था कि उन मामलों के बारे में अदालत को सूचित करना जरूरी है। उन्हें यह भी नहीं पता था कि वे मामले जनहित याचिका से जुड़े थे।

सूत्रों के अनुसार, मामला दायर करने वाला व्यक्ति गरिया का रहने वाला है। एक निजी कंपनी गंगा नदी के किनारे 45 मंज़िला इमारत बना रही है। आवेदक का आरोप है कि कंपनी ने कोस्टल ज़ोन मैनेजमेंट प्लान के नियमों का उल्लंघन किया है। यह प्लान केंद्रीय पर्यावरण और वन मंत्रालय द्वारा तैयार किया गया था। इसमें कहा गया है कि गंगा या हुगली नदियों के किनारों से 500 मीटर के दायरे में निर्माण नहीं किया जा सकता है। सिर्फ हल्दिया क्षेत्र को छूट दी गई है। हल्दिया में नदी के किनारों से 100 मीटर के दायरे में निर्माण की अनुमति नहीं है। कथित तौर पर, इमारत बना रही कंपनी के वकील ने अदालत को बताया कि यह मामला कोलकाता के गरिया के एक निवासी ने दायर किया है। संबंधित क्षेत्र उसके निवास स्थान से बहुत दूर है। इसलिए, अदालत को जनहित याचिका स्वीकार नहीं करनी चाहिए। हालांकि, हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश ने जनहित याचिका स्वीकार कर ली है। मामले की सुनवाई 9 फरवरी को होने की संभावना है।

चाय और पकौड़े हाथ में लेकर एसएससी परीक्षा के अभ्यर्थियों ने किया प्रदर्शन

कोलकाता, समाज्ञा

स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) में नौकरी पाने के इच्छुक असंतुष्ट उम्मीदवारों ने चाय की केतलियां, पकौड़े और मुरमुरे के पैकेट लेकर गुरुवार को कोलकाता की सड़कों पर प्रदर्शन किया।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा चाय और नाश्ता बेचकर स्वरोजगार का सुझाव देने के एक दिन बाद छात्रों ने प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन किया। ममता बनर्जी के बयान के विरोध में गुरुवार को शहर में दो अलग-अलग मार्च निकाले गए। दृष्टिबाधित और दिव्यांग नौकरी चाहने वालों द्वारा आयोजित पहला प्रदर्शन सॉल्टलेक स्थित बिकाश भवन के बाहर हुआ, जहां प्रदर्शनकारियों ने लंबे समय से रिक्त पदों पर नौकरियों की बहाली की मांग की। उन्होंने शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु से मुलाकात की मांग की, लेकिन आरोप लगाया कि उन्हें मिलने से मना कर दिया गया, जिसके कारण शिक्षा विभाग के मुख्यालय के बाहर गुस्से में प्रदर्शन हुए।

दूसरे मार्च में एसएससी के उम्मीदवारों ने भर्ती प्रक्रिया में व्याप्त व्यवस्थागत अन्याय के विरोध में सियालदह से धर्मतला तक पैदल मार्च किया। इन उम्मीदवारों को पहले नौकरी दी गयी थी। कई अभ्यर्थियों ने चाय की केतली, कप और 'चॉप-मुरी' के पैकेट ले रखे थे।

धनधान्य ऑडिटोरियम में आयोजित व्यवसाय व उद्योग सम्मेलन के दौरान मंच पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ राज्य के वित्त सलाहकार डॉ. अमित मित्रा, वित्त राज्यमंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य, वाणिज्य-उद्योगमंत्री डॉ. शशि पांजा, मुख्य सचिव मनोज पंत, उद्योगपति संजीव गोयनका, पैटन उद्योग समूह के प्रबंध निदेशक संजय बुधिया, टीटागढ़ वैगन के प्रबंध निदेशक उमेश चौधरी, संजीव पूरी, धनसेरी ग्रुप के चेयरमैन सी. के. धानुका, उद्योगपति हर्षवर्द्धन नेवटिया एवं अन्य।

मणिपाल अस्पताल मूकुंदपुर में 32 वर्षीय युवक के कटे अंगूठे का सफल रीप्लांटेशन

कोलकाता : मणिपाल अस्पताल मूकुंदपुर में 32 वर्षीय युवक के दाहिने हाथ के पूरी तरह कटे अंगूठे का सफल माइक्रोसर्जिकल रीप्लांटेशन किया गया। इस जटिल सर्जरी का नेतृत्व कंसल्टेंट प्लास्टिक सर्जन डॉ. अखिलेश कुमार अग्रवाल ने बहु-विषयक टीम के साथ किया। सोनारपुर के सुभाषग्राम निवासी व्यवसायी प्रोलेय बोस का अंगूठा मोटरसाइकिल साफ करते समय चेन कवर में फंसकर कट गया था। कुचलने वाली चोट के कारण मामला अत्यंत चुनौतीपूर्ण था। समय पर अस्पताल पहुंचने और कटे अंगूठे को सही तरीके से सुरक्षित लाने से सर्जरी की सफलता संभव हो सकी। ऑपरेशन में माइक्रोस्कोप की

सहायता से हड्डी, धमनियों, नसों, तंत्रिकाओं और टेंडन्स की मरम्मत की गई तथा के-वायर से हड्डी को स्थिर किया गया। सर्जरी सफल रही, अंगूठे में रक्त संचार बहाल हो गया है और फिजियोथेरेपी शुरू हो चुकी है। मरीज की स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है।

मुर्शिदाबाद में बीएसएफ ने 1.5 करोड़ रुपए की कोकीन जब्त की

मुर्शिदाबाद : सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने मुर्शिदाबाद जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास एक संदिग्ध मादक पदार्थ तस्कर के घर से 1.5 करोड़ रुपए मूल्य की कोकीन जब्त की है। दक्षिण बंगाल सीमांत बीएसएफ के डीआईजी एनके पांडे ने जानकारी देते हुए बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर लवांगोला सीमा चौकी पर तैनात बीएसएफ की 149वीं बटालियन के जवानों ने अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले चार बिनपारा गांव में तलाशी अभियान चलाया। संदिग्ध के घर के साथ-साथ आसपास के क्षेत्र की भी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान संदिग्ध के घर से महज दो मीटर की दूरी पर एक काला पैकेट मिला। इसमें एक संदिग्ध पाउडर था। जांच करने पर पता चला कि यह पाउडर कोकीन है। जब्त किए गए पाउडर का वजन 316 ग्राम पाया गया। अनुमान है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस नशीले पदार्थ का मूल्य 1.5 करोड़ रुपए या उससे अधिक है। जब्त की गई सामग्री को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए संबंधित विभाग को सौंप दिया गया है। उस संदिग्ध की तलाश भी जारी है, जिसके घर के पास से पैकेट बरामद किया गया था।

67 लाख रुपए के सोने को साथ दो तस्कर गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : नदिया में बीएसएफ ने कार्रवाई करते हुए 67 लाख रुपए का सोना जब्त कर दो लोगों को गिफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, बुधवार की सुबह नदिया जिले में भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित 32वीं वाहिनी की सीमाचौकी मालुआपारा के जवानों को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि कुछ तस्कर बांग्लादेश से तस्करी किया गया अवैध सोना सीमा चौकी क्षेत्र के रास्ते भारत में प्रवेश कराने की योजना बना रहे हैं। सुबह लगभग 10 बजे जवानों ने बांस की झाड़ियों की आड़ लेकर बांग्लादेश की ओर से भारत की सीमा की तरफ बढ़ते हुए एक संदिग्ध व्यक्ति को देखा। जवानों द्वारा चुनौती दिए जाने पर उक्त व्यक्ति ने बिना किसी प्रतिरोध के तुरंत

आत्मसमर्पण कर दिया। इसके तुरंत बाद उसकी गहन तलाशी ली गई, जिसके दौरान उसके कब्जे से प्लास्टिक में लिपटे दो पैकेट बरामद किए गए। पैकेटों की जांच करने पर उनके अंदर से सोने के चार बिस्कुट पाए गए। जवानों ने मौके पर ही सोने के बिस्कुटों सहित तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार तस्कर से पूछताछ में खुलासा हुआ कि उसे यह खेप अपने गांव के ही एक व्यक्ति को सौंपनी थी। इस सूचना पर बीएसएफ जवानों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रंगियापोटा गांव में छापा मारकर उसकी निशानदेही पर दूसरे तस्कर को उसके घर से हिरासत में ले लिया। इसके बाद, दोनों को सीमा चौकी मालुआपारा लाकर पूछताछ की गई, जहां उन्होंने स्वीकार किया कि इस अवैध गतिविधि के बदले उन्हें रकम देने का वादा किया गया था। गिरफ्तार किए गए दोनों तस्करों को जब्त सोने के साथ आगे की कानूनी कार्रवाई हेतु संबंधित विभाग को सौंप दिया गया है।

एकल श्रीहरि सत्संग समिति के 'श्री मीरा चरित्र' कथा का चतुर्थ दिन संपन्न

कोलकाता : एकल श्रीहरि सत्संग समिति, कोलकाता की ओर से आयोजित पंचदिवसीय 'श्री मीरा चरित्र' कथा के चतुर्थ दिन श्रद्धा, विश्वास और आध्यात्मिक चेतना पर विशेष जोर दिया गया। कथा वाचन करते हुए श्री गौरदास जी महाराज ने कहा कि कलियुग में व्यक्ति अत्यधिक तार्किक हो गया है और शिक्षित समाज श्रद्धा-विश्वास को केवल भावुकता मानने लगा है, जबकि आध्यात्मिकता जीवन के लिए उतनी ही आवश्यक है जितनी तकनीक आज के समय में।

महाराजश्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे मोबाइल में अदृश्य तरंगों के माध्यम से पूरी दुनिया से संपर्क संभव हो रहा है, वैसे ही आध्यात्मिक तरंगें भी इस जगत में व्याप्त हैं, जिन्हें देखा नहीं बल्कि अनुभव किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार मोबाइल को चार्ज और रिचार्ज करना जरूरी है, उसी प्रकार जीवन में श्रद्धा और विश्वास को जीवित रखने के लिए सत्संग और कथाओं के माध्यम से चेतना को निरंतर जागृत करना आवश्यक है।

कथा से पूर्व 'अनमोल ग्रुप' की ओर से विश्वनाथ चौधरी, दिलीप चौधरी एवं बिमल चौधरी द्वारा अपने पिता स्व. बैजनाथ जी चौधरी की पुण्य स्मृति में प्रदत्त श्रीहरि रथ का विधिवत लोकार्पण मंत्रोच्चार के साथ किया गया। केंद्रीय रथ प्रभारी बुलाकी दास मिमानी ने बताया कि यह ग्रामीण क्षेत्रों में सनातन संस्कृति के प्रचार हेतु समर्पित 113वां श्रीहरि

रथ है। समारोह का संचालन समिति के उपाध्यक्ष सुभाष मुरारका ने किया।

कथा के मुख्य यजमान मनोज बेसवाल तथा विशेष यजमान वनबंधु परिषद के राष्ट्रीय संरक्षक डॉ. सज्जन कुमार बंसल सपत्नीक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में रमेश कुमार सरावगी, शंभु प्रसाद अग्रवाल, प्रमोद संजय गुप्ता, मधुसूदन बाजोरिया, विजय गाड़ोदिया, पवन कुमार अग्रवाल, बिमल कुमार केजरीवाल, संजीव जिंदल, शोभा तोदी, आर.के. अग्रवाल, सुशील धानुका, बीणा धानुका, विजय सरावगी, रामलाल मूंधड़ा, अनिल कारीवाल सहित अनेक गणमान्य लोगों ने आशीर्वाद प्राप्त किया। भावपूर्ण संचालन बुलाकीदास मीमाणी ने किया। आयोजकों के अनुसार समापन कथा 19 दिसंबर को अपराह्न 4 से 7 बजे तक होगी।

न्यूज इन ब्रीफ

जयपुर पुलिस ने जाली नोट छापने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को पकड़ा

जयपुर: राजस्थान पुलिस ने जयपुर में जाली नोट बनाने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का खुलासा कर इसके तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि इनके पास से 6.51 लाख रुपये के जाली नोट बरामद किए गए हैं। पुलिस उपायुक्त (अभियान) राहुल प्रकाश ने बताया कि विशेष टीम ने जाली नोट छापने एवं चलाने वाले एक गिरोह के सरगना गौरव पुड़ीर को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया और इसके बाद जयपुर के चित्रकूट थाना क्षेत्र से दो आरोपियों गोविंद चौधरी व देवेश फांडा को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि इनके कब्जे से 6,51,000 रुपये के जाली नोट व ऐसे नोट छापने के उपकरण जब्त किए गए। अधिकारियों ने बताया कि जयपुर पुलिस ने इस अन्य कार्रवाई में बजाज नगर थाना क्षेत्र में मोबाइल चोरी के आरोप में तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया।

मथुरा यमुना एक्सप्रेस-वे हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 19 हुई

मथुरा (उप्र): यमुना एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार तड़के कई वाहनों के एक दूसरे से टकराने की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 19 हो गई है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर मंगलवार तड़के आठ बसों और तीन अन्य वाहनों के एक दूसरे से टकराने के बाद लगी आग में झुलसने से 13 लोगों की मौत हो गई। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने संवाददाताओं को बताया कि उक्त हादसे में आठ बसों एवं तीन कारों की भिड़ंत के बाद आग लग जाने से गंभीर रूप से घायल हुए 90 से अधिक यात्रियों में से 19 लोगों के मरने की पुष्टि हो चुकी है। उन्होंने बताया कि मुख्य चिकित्साधिकारी के अनुसार पुलिस द्वारा लाए गए शवों एवं मानव अवशेषों में से चार की पहचान हो जाने के बाद शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए हैं। अवशेषों में 10 मृतकों के सिर, दो के धड़ एवं एक का पूरा शव मिला है। अवशेषों के पोस्टमार्टम से पता चला कि वे दो अलग-अलग व्यक्तियों के हैं।

बिहार: मुजफ्फरपुर में करंट लगने से एक परिवार के तीन सदस्यों की मौत

मुजफ्फरपुर: बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में बृहस्पतिवार को बिजली की एक हाई-टेंशन तार की चपेट में आने से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना पूर्वाह्न करीब 10 बजे फकुली थाना क्षेत्र के मलकोनी गांव में हुई। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की पहचान चंदेश्वर राय (60), उनके पुत्र मिट्ठू कुमार (25) और रिश्तेदार विक्की कुमार (22) के रूप में हुई है। पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) अनीमेष चंद्र ज्ञानी ने बताया, राय खेत में गिरे हाई-टेंशन बिजली तार के संपर्क में आ गए, जिन्हें बचाने के प्रयास में उनका पुत्र और एक रिश्तेदार भी तार की चपेट में आ गए। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।

कावेरी अस्पताल ने वेल्लोर में सूचना केंद्र किया लॉन्च

वेल्लोर : भारत के अग्रणी बहु-विशेषता स्वास्थ्य सेवा समूह कावेरी अस्पताल ने उन्नत और विशेष चिकित्सा सेवाओं को रोगियों के और करीब लाने के उद्देश्य से वेल्लोर में कावेरी सूचना केंद्र का शुभारंभ किया है। यह केंद्र विशेष रूप से उन रोगियों की सहायता के लिए स्थापित किया गया है, जो बेहतर इलाज के लिए लंबी दूरी तय करते हैं और स्पष्ट चिकित्सकीय जानकारी की आवश्यकता महसूस करते हैं। 25 वर्षों से अधिक की विरासत के साथ कावेरी अस्पताल भारत में छह स्थानों पर 12 अस्पतालों का संचालन करता है। इसके नेटवर्क में 8,000 से अधिक डॉक्टर और 2,250 से ज्यादा बिस्तर शामिल हैं। समूह हृदय रोग, तंत्रिका विज्ञान, आर्थोपेडिक्स, ऑन्कोलॉजी, क्रिटिकल केयर, रोबोटिक्स और प्रत्यारोपण जैसे क्षेत्रों में अपनी विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है। चेन्नई के निकट स्थित वेल्लोर लंबे समय से तृतीयक और विशेष देखभाल का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। नया सूचना केंद्र मरीजों को उपचार विकल्पों, विशेषज्ञ परामर्श और अस्पताल सेवाओं से जुड़ी सही जानकारी उपलब्ध कराकर उनकी यात्रा और उपचार प्रक्रिया को सरल बनाएगा।

संस्कृति में बसती है राष्ट्र की आत्मा : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि अगर किसी देश से उसकी संस्कृति को अलग कर दिया जाए, तो वह देश बेजान हो जाता है और अपनी पहचान खो देता है। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि भारतीय संस्कृति ने खुद को 'सनातन' संस्कृति के रूप में स्थापित किया है। आदित्यनाथ ने कहा, 'राष्ट्र की आत्मा उसकी संस्कृति में बसती है। जैसे किसी मनुष्य की आत्मा उसके शरीर से संबंध तोड़ देती है तो शरीर निस्तेज हो जाता है, उसी प्रकार किसी भी राष्ट्र की संस्कृति को अगर उससे अलग कर दिया जाए तो राष्ट्र निस्तेज हो जाता है। वह खंडहर में परिवर्तित हो जाता है और अपनी पहचान को खो देता है।' एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष समारोह के आरंभिक कार्यक्रम में कहा कि यह अवसर हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। योगी ने कहा, ''भारत की कला, स्वर व लय ने अपनी पहचान को विषम परिस्थितियों का सामना करते हुए जो निरंतरता दी उसी के बदौलत हमारी सनातन संस्कृति विश्व में खुद को स्थापित करने और आगे बढ़ाने में सफल हुई है। कलाकार की कला एक ईश्वरीय गुण है जिसकी हमें अवमानना नहीं करनी चाहिए। कलाकार किसी भी विधा से जुड़ा हो, उसे प्रोत्साहित करना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि पीढ़ी-दर-पीढ़ी भारत की सांस्कृतिक चेतना, स्वर, लय और संस्कार को इस संस्थान ने एक नयी पहचान दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय ने पिछले 100 वर्षों में भारतीय संगीत, नृत्य, नाट्य और ललित कलाओं को न केवल संरक्षित किया है, बल्कि उन्हें आधुनिक शैक्षणिक व्यवस्था से जोड़कर प्रतिष्ठित भी किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि एक संस्कृति कर्मी भी राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस दिशा में भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय से जुड़े सभी महानुभावों के योगदान के लिए उन्होंने कृतज्ञता व्यक्त की। मुख्यमंत्री योगी ने इस अवसर पर पंडित विष्णु नारायण भातखंडे को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सृष्टि का पहला स्वर ओंकार है। उन्होंने नाद योग का उल्लेख करते हुए कहा, विज्ञान, अध्यात्म और संस्कृति तीनों ही इसकी पुष्टि करते हैं। भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय का दृष्टिकोण भी यही है कि नाद के अधीन पूरा जगत है। उन्होंने कहा कि संगीत की विभिन्न विधाओं के माध्यम से इसी नाद की पहचान करना साधना का विषय है। उन्होंने विश्वविद्यालय से जुड़े पूर्व कलाकारों को सम्मानित किए जाने पर कहा कि ये कलाकार न केवल भातखंडे की परंपरा, बल्कि उत्तर प्रदेश के सांस्कृतिक मूल्यों को भी वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित कर रहे हैं। 'कॉफी टेबल बुक' के विमोचन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आने वाले समय में यह पुस्तक प्रेरणा का कार्य करेगी। देश की आजादी के शताब्दी महोत्सव के साथ जब विश्वविद्यालय जुड़ रहा होगा, तब यह 'कॉफी टेबल बुक' अत्यंत प्रासंगिक सिद्ध होगी।

मुख्यमंत्री योगी ने पंडित विष्णु नारायण भातखंडे के योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि वर्ष 1926 में देश औपनिवेशिक शासन के अधीन था। उस समय अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित थी और संगीत तथा कला के लिए मंच उपलब्ध नहीं थे। उन्होंने कहा, ''उस दौर में पंडित भातखंडे ने भारतीय संगीत को वैज्ञानिक आधार प्रदान किया। शास्त्रीय अनुशासन, सुव्यवस्थित पाठ्यक्रम, राग-ताल का वर्गीकरण, क्रमिक पद्धति और गुरु-शिष्य परंपरा को आधुनिक शिक्षा से जोड़ना उनका ऐतिहासिक योगदान था। यह कार्य केवल शैक्षणिक नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति को आत्मसम्मान, आत्मगौरव और स्थायित्व देने का प्रयास था।''

वर्ष 2026 में डेढ़ लाख सरकारी नौकरियां देगी योगी सरकार

लखनऊ: उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार अगले साल राज्य के विभिन्न विभागों में डेढ़ लाख लोगों को सरकारी नौकरी देगी। बृहस्पतिवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी गयी। बयान के मुताबिक, सबसे ज्यादा नौकरियां पुलिस और शिक्षा विभाग में दी जाएंगी। राज्य सरकार द्वारा जारी बयान के मुताबिक, वर्ष 2026 में प्रदेश में डेढ़ लाख पदों पर सरकारी नौकरियां दी जाएंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में एक उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों से विभागवार खाली पदों का विवरण मांगा था ताकि खाली पदों पर नियुक्ति की जा सके। बयान के अनुसार, ये नौकरियां पुलिस, शिक्षा, राजस्व और आवास विकास समेत प्रदेश विभिन्न विभागों में दी जाएगी। बयान में दावा किया गया कि कि इसी के साथ 2026 में योगी सरकार के नाम सबसे अधिक सरकारी नौकरी देने का रिकार्ड भी दर्ज हो जाएगा। यह प्रदेश में पहली सरकार होगी, जिसने 10 वर्षों में 10 लाख सरकारी नौकरियां दी हैं। बयान के अनुसार, सरकार ने पिछले साढ़े आठ वर्ष में प्रदेश के युवाओं को विभिन्न विभागों में साढ़े आठ लाख से अधिक सरकारी नौकरियां निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से दी हैं।

सपा प्रमुख के 'पीडीए' का मतलब 'पर्सनल डेवलपमेंट एसोसिएशन' है : उपमुख्यमंत्री पाठक

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कोडीन युक्त सिरप मामले में राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर हमले कर रहे अखिलेश यादव पर पलटवार करते हुए कहा कि सपा अध्यक्ष ''पूरी तरह से गुमराह हैं और सत्ता के लालच में झूठ बोल रहे हैं।'' सपा ने भाजपा सरकार पर कोडीन युक्त सिरप मामले में दोषियों को बचाने का आरोप लगाया है। पाठक ने सपा के 'पीडीए' (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) के नारे पर भी तंज करते हुए कहा कि इस शब्द का मतलब असल में 'पर्सनल डेवलपमेंट एसोसिएशन' है। उपमुख्यमंत्री ने कहा, 'सच देखने के बावजूद अखिलेश यादव सच नहीं बोल सकते क्योंकि कुर्सी की भूख उन्हें झूठ बोलने पर मजबूर करती है।' पाठक ने जोर देकर कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार लोगों को बेहतर जीवन देने के लिए प्रतिबद्ध है और उस दिशा में तेजी से काम कर रही है। उन्होंने मौजूदा स्थिति की तुलना पूर्ववर्ती सपा शासन से करते हुए आरोप लगाया कि पहले राज्य में सड़कें टूटी थीं, बिजली नहीं आती थी, खस्ताहाल अस्पताल और बिना चारदीवारी वाले स्कूल थे। लखनऊ के वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) पर उठाए गए सवालों को खारिज करते हुए पाठक ने कहा कि वायु गुणवत्ता की स्थिति का आकलन केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और आईआईटी द्वारा लगाए गए सेंसर के माध्यम से किया जाता है, जिसमें राज्य सरकार की कोई भूमिका या हस्तक्षेप नहीं है। उपमुख्यमंत्री ने दावा किया कि संगठित माफिया गिरोह के रूप में काम करने वाले कुख्यात अपराधियों को खत्म कर दिया गया है या राज्य से बाहर निकाल दिया गया है।

सार्वजनिक-निजी भागीदारी से बिहार के विकास को मिलेगी नई गति: उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

पटना: बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में विकास कार्यों को समयबद्ध और प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल को अधिक से अधिक अपनाने की आवश्यकता है। उपमुख्यमंत्री, गया स्थित बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान (बिपार्ड) में आयोजित 'मंथन 2025' के समापन कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पीपीपी मॉडल के तहत सरकार को अपेक्षाकृत कम निवेश करना पड़ता है जबकि आधारभूत संरचना का विकास तेजी से संभव होता है। चौधरी ने प्रमंडलीय आयुक्तों, जिला पदाधिकारियों और राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित करते हुए जिला स्तर पर भी पीपीपी मॉडल को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अगर जिलों से अच्छे प्रस्ताव सरकार को प्राप्त होते हैं, तो उनके लिए नीति बनाकर आगे

बढ़ाया जाएगा और सरकार ऐसे प्रयासों को खुले दिल से प्रोत्साहित करेगी। चौधरी ने कहा कि कई अधिकारी लगातार अपने सुझाव देते रहते हैं लेकिन अब आवश्यकता है कि पीपीपी मॉडल को लेकर ठोस व व्यावहारिक पहल की जाए। उन्होंने कहा कि इस मॉडल में सरकार की भूमिका सहयोगी की होती है, जहां भूमि उपलब्ध कराई जाती है और बहुत कम वित्तीय निवेश करना पड़ता है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व में पथ निर्माण विभाग में सार्वजनिक-निजी भागीदारी के एक स्वरूप हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (हैम) को स्वीकृति मिलने के बाद राज्य में लगभग 17 हजार करोड़ रुपए का निवेश आया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में ऊर्जा विभाग में भी पीपीपी मॉडल के तहत अच्छा कार्य हो रहा है और इसके माध्यम से 10,000 मेगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। चौधरी ने कहा कि कचरा प्रबंधन के क्षेत्र में भी पीपीपी मॉडल को लेकर उत्साह है और नगरों के आसपास कई निजी इकाइयां संयंत्र लगाने में रुचि दिखा रही हैं। उन्होंने कहा कि 'सात निश्चय-1' और 'सात निश्चय-2' के सफल क्रियान्वयन के बाद 'सात निश्चय-3' को भी मंजूरी दी गई है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 20 वर्ष में सड़क, बिजली, पेयजल, सिंचाई, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में युद्धस्तर पर कार्य हुआ है तथा आज बिहार एक्सप्रेसवे, हवाई अड्डे, जल मार्ग, रेल मेट्रो और वाटर मेट्रो की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

न्यूज अपडेट

बिहार के लिए ओएनओएस अत्यंत महत्वाकांक्षी और दूरगामी पहल : शिक्षा मंत्री

पटना: बिहार के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'वन नेशन, वन सब्सक्रिप्शन' (ओएनओएस) प्रदेश के लिए एक अत्यंत महत्वाकांक्षी और दूरगामी पहल है। उन्होंने कहा कि इस पहल के माध्यम से राज्य के दूर-दराज व ग्रामीण क्षेत्रों में अध्ययनरत विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के उच्च-गुणवत्ता वाले शोध जर्नल और शैक्षणिक प्रकाशनों तक समान डिजिटल पहुंच प्राप्त होगी। मंत्री, चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के सभागार में शिक्षा विभाग के तत्वावधान में आयोजित 'वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। शिक्षा मंत्री ने कहा कि यह पहल डिजिटल अंतर को पाटने और शिक्षा के क्षेत्र में अवसरों की असमानता को दूर करने में सहायक सिद्ध होगी तथा बिहार के युवाओं को वैश्विक अकादमिक मंच से जोड़ेगी।

राजस्थान: घरेलू विवाद के बाद मां ने पांच बच्चों के साथ कुंए में लगाई छलांग, दो शिशुओं की मौत

जयपुर: राजस्थान के ब्यावर जिले में घरेलू विवाद के बाद एक महिला ने अपने पांच बच्चों के साथ कुएं में कथित तौर पर छलांग लगा दी। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस घटना में एक साल के दो जुड़वां बच्चों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह घटना रायपुर मारवाड़ इलाके के झूठा गांव में हुई। गांव वालों ने महिला और उसके तीन बच्चों को बचा लिया लेकिन जुड़वां भाइयों की डूबने से मौत हो गई। सहायक उपनिरीक्षक कैलाश नायक ने बताया कि महिला सुमित्रा (30) ने अपनी जेठानी से झगड़े के बाद अपने बच्चों के साथ कुएं में कथित तौर पर छलांग लगा दी। उन्होंने बताया कि घटना में एक साल के दो जुड़वां बच्चे नारू और प्रेम की मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि महिला और तीन जीवित बच्चों को गंभीर चोटें आई हैं तथा अस्पताल में उनका इलाज जारी है। उन्होंने बताया कि घटना के समय सुमित्रा का पति भाकर राम ब्यावर गया हुआ था और दोनों की शादी करीब नौ साल पहले हुई थी।

पंजाब: जिला परिषद, पंचायत समिति चुनावों में 'आप' की बड़ी जीत

चंडीगढ़ : पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) ने ग्रामीण निकाय चुनावों में जबरदस्त जीत दर्ज की है, जिसमें उसने जिला परिषदों के 63 प्रतिशत क्षेत्र और पंचायत समितियों के 54 फीसदी क्षेत्र में विजय पताका लहराई है। बृहस्पतिवार को घोषित चुनाव परिणामों के अनुसार, कांग्रेस दूसरे स्थान पर रही, जबकि शिरोमणि अकाली दल को तीसरा स्थान मिला। वहीं, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) चौथे स्थान पर रही। इस बीच, 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि चुनावों में उनकी पार्टी के शानदार प्रदर्शन से पता चलता है कि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार पर अपनी मुहर लगा दी है। मंगलवार को शुरू हुई गिनती बृहस्पतिवार को पूरी होने के बाद चुनावों के पूर्ण परिणाम सामने आए। राज्य में 22 जिला परिषदों के 347 क्षेत्रों और 153 पंचायत समितियों के 2,838 क्षेत्रों के लिए सदस्यों को चुनने के लिए 14 दिसंबर को मतदान हुआ था। जिला परिषद में 'आप' ने 218 क्षेत्र में जीत दर्ज की, जबकि कांग्रेस ने 62 क्षेत्र में विजय हासिल की। सुखबीर सिंह बादल के नेतृत्व वाली शिअद को 46 क्षेत्रों, भाजपा को सात, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) को तीन और निर्दलीयों को 10 क्षेत्रों में जीत मिली। पंचायत समितियों के मामले में, 'आप' ने 1,531 क्षेत्रों में जीत हासिल की, जबकि कांग्रेस ने 612 और शिअद ने 445 क्षेत्रों में जीत दर्ज की। परिणाम के अनुसार, भाजपा ने 73 क्षेत्रों में और बसपा ने 28 क्षेत्रों में जीत दर्ज की। निर्दलीयों ने 144 क्षेत्रों में विजय प्राप्त की। नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए केजरीवाल ने कहा कि इससे पता चलता है कि राज्य में उनकी पार्टी के पक्ष में लहर है।

जिंदा व्यक्ति को मृत दिखाकर पेंशन से वंचित करने के आरोप में ग्राम विकास अधिकारी पर मुकदमा

बलिया : उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में एक बुजुर्ग को सत्यापन में मृत दिखाकर पेंशन से वंचित करने के आरोप में एक ग्राम विकास अधिकारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि एक अन्य मामले में बेलहरी स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय के सहायक लेखाकार के खिलाफ सरकारी परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों व कर्मचारियों के पैन कार्ड में भिन्नता से संबंधित पत्रावली गायब करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया।

नीतीश ने 34 मोबाइल फॉरेंसिक लैब को दिखाई हरी झंडी, अब मौके पर होगा त्वरित वैज्ञानिक परीक्षण

पटना: बिहार में अपराध की जांच की प्रक्रिया को तेज, आधुनिक और प्रभावी बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को राज्य में 34 मोबाइल फॉरेंसिक लैब वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन वाहनों की तैनाती से अब घटनास्थल पर ही त्वरित और वैज्ञानिक तरीके से फॉरेंसिक जांच संभव हो सकेगी। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2005 के बाद से सुशासन की स्पष्ट लकीर खींचते हुए राज्य में कानून का राज स्थापित किया गया है। इसके तहत अपराध और भ्रष्टाचार के मामलों में बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनाई गई है। उन्होंने कहा कि नयी मोबाइल फॉरेंसिक लैब पहल का उद्देश्य आपराधिक मामलों की तफ्तीश में तेजी लाना और जांच की गुणवत्ता को बढ़ाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक फॉरेंसिक टीम को घटनास्थल पर पहुंचने के लिए स्थानीय थानों के वाहनों या अन्य अस्थायी साधनों पर निर्भर रहना पड़ता था, जिससे कई बार देरी होती थी और महत्वपूर्ण साक्ष्य नष्ट हो जाते थे या कमजोर पड़ जाते थे। नयी व्यवस्था के लागू होने से यह समस्या काफी हद तक समाप्त हो

जाएगी। उल्लेखनीय है कि इन विशेष वाहनों में फॉरेंसिक जांच से जुड़े सभी आवश्यक और आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे टीम सीधे घटनास्थल पर पहुंचकर वैज्ञानिक ढंग से साक्ष्य संकलित कर सकेंगी। इससे अपराध के शुरुआती घंटों में ही अहम साक्ष्य सुरक्षित किए जा सकेंगे, जो किसी भी मामले की दिशा और दशा तय करने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। सरकारी स्तर पर इस पहल को केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि न्यायिक प्रणाली को मजबूत करने की एक रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। तेज और सटीक फॉरेंसिक जांच से जहां पुलिस जांच को मजबूती मिलेगी, वहीं अदालतों में भी ठोस एवं वैज्ञानिक साक्ष्य प्रस्तुत किए जा सकेंगे। इससे निर्दोष लोगों को राहत मिलने की संभावना बढ़ेगी और अपराधियों के खिलाफ मजबूत मामले तैयार करना आसान होगा। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक जिले में फॉरेंसिक जांच की प्रक्रिया तेज, पारदर्शी और प्रभावी बने। इसके बाद मुख्यमंत्री ने पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित बिहार सरस मेले का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और विभिन्न स्टॉल पर जाकर उत्पादों की गुणवत्ता, बिक्री तथा कारीगरों के अनुभवों की जानकारी ली। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि 12 दिसंबर से 28 दिसंबर तक चलने वाले इस मेले में बिहार के साथ-साथ देश के अन्य राज्यों के कारीगर और उद्यमी भी भाग ले रहे हैं।

भूमि सुधार में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, खराब प्रदर्शन पर होगी कार्रवाई: विजय सिन्हा

पटना: बिहार के उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय सिन्हा ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि भूमि सुधार में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि खराब प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों पर कार्रवाई होगी और बेहतर कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा। सिन्हा ने पटना के ज्ञान भवन में भूमि सुधार जनकल्याण कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए जवाबदेही और परिणाम आधारित कार्यप्रणाली पर विशेष जोर दिया। कार्यशाला के दौरान मासिक समीक्षा रिपोर्ट में खराब प्रदर्शन करने वाले अंचलाधिकारियों को मंच पर खड़ा कर उनसे सीधे सवाल किए गए। उपमुख्यमंत्री ने पूछा कि अब तक किसी भी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की गई और अंचलों की स्थिति लगातार खराब क्यों बनी हुई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मेडिकल अवकाश का बहाना अब स्वीकार नहीं किया जाएगा और अगर महीने के अंत तक ठोस सुधार नजर नहीं आया, तो कार्रवाई तय है। सिन्हा ने कहा कि विभाग में दंड के साथ-साथ प्रोत्साहन की नीति भी समानांतर रूप से लागू की जाएगी। उन्होंने कहा कि बेहतर कार्य करने वाले अधिकारियों को सम्मानित किया जाएगा, जिसके लिए 31 दिसंबर तक की समय-सीमा तय की गई है। मंत्री ने बताया कि अब विभाग में नियमित मासिक मॉनिटरिंग की जाएगी, ताकि सुधार केवल फाइलों में नहीं, बल्कि जमीन पर भी दिखाई दे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि 24 नवंबर को विभाग की जिम्मेदारी संभालने के बाद सबसे पहले दाखिल-खारिज और परिमार्जन से जुड़े लंबित मामलों को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर लंबित मामलों की विस्तृत सूची मंगाई जा रही है, ताकि देरी के वास्तविक कारणों की पहचान की जा सके। मंत्री ने दो टूक कहा कि विभाग के पास कार्रवाई का पूरा अधिकार है और ईमानदारी से काम करने वाले कर्मचारियों को किसी भी तरह के दबाव या धमकी से डरने की जरूरत नहीं है। सिन्हा ने भूमि विवाद और अतिक्रमण को बिहार की प्रमुख प्रशासनिक चुनौतियों में से एक बताते हुए कहा कि अब अंचल कार्यालयों को केवल दफ्तर नहीं, बल्कि समाधान केंद्र के रूप में काम करना होगा।

प्रकृति के प्रति सम्मान हमारी सरकार की नीतियों और अभियानों की प्रेरणा: मुख्यमंत्री शर्मा

जयपुर: राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रकृति के सम्मान की भारतीय संस्कृति की परंपराओं को राज्य सरकार ने अपनी नीतियों एवं अभियानों का प्रेरणास्रोत बनाया है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि पर्यावरण संरक्षण का व्यक्तिगत संकल्प लेते हुए वे राजस्थान को विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी अग्रणी बनाएं ताकि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य मिले। शर्मा यहां 'हरियालो राजस्थान पर्यावरण कॉन्क्लेव' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारे देश और प्रदेश की संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, वायु प्रदूषण और जल संकट जैसी गंभीर चुनौतियों के दृष्टिगत राज्य सरकार ने पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाया है। उन्होंने कहा कि वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के माध्यम से पारंपरिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन और जलाशयों की स्वच्छता को जनभागीदारी से जोड़ा गया है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरित हरियालो राजस्थान अभियान के अंतर्गत दो वर्ष में लगभग बीस करोड़ पौधे लगाए गए हैं। आधिकारिक बयान के अनुसार, शर्मा ने कहा कि 'ग्रीन बजट' जलवायु परिवर्तन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण की चुनौती से निपटने के लिए राज्य में सतत् वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों द्वारा मोबाइल वैन के माध्यम से 'रियल टाइम मॉनिटरिंग' सुनिश्चित की जा रही है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 'मेरी लाइफ-सस्टेनेबल लाइफस्टाइल फॉर एनवायरमेंट पोस्टर' का विमोचन किया।

बिहार के गोपालगंज स्थित प्रसिद्ध थावे मंदिर से स्वर्ण मुकुट चोरी

गोपालगंज: बिहार के गोपालगंज जिले में स्थित प्रसिद्ध थावे मंदिर से बृहस्पतिवार तड़के देवी की प्रतिमा का स्वर्ण मुकुट कथित तौर पर चोरी हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज में कुछ लोगों को मंदिर से देवी प्रतिमा का स्वर्ण मुकुट लेकर भागते हुए देखा गया है। चोरी हुआ मुकुट लगभग 500 ग्राम वजनी बताया जा रहा है। गोपालगंज के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अवधेश दीक्षित ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'मामले में प्राथमिकी

दर्ज कर ली गई है और जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।' उन्होंने कहा, ''यह गंभीर चिंता का विषय है कि मंदिर परिसर में पुलिस चौकी होने के बावजूद यह घटना हुई। उस समय वहां तैनात पुलिसकर्मी क्या कर रहे थे, इसकी भी जांच की जाएगी।' एसपी ने कहा कि यदि पुलिसकर्मियों की ओर से ड्यूटी में किसी प्रकार की लापरवाही पाई गई तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी

व्यक्ति ने माता-पिता की हत्या कर शवों को आरी से काटकर गोमती नदी में फेंका, गिरफ्तार

जौनपुर (उप्र): जौनपुर जिले में पारिवारिक विवाद को लेकर अपने बुजुर्ग माता-पिता की हत्या करने और उनके शवों के टुकड़े-टुकड़े करके गोमती नदी में फेंकने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि घटना जाफराबाद पुलिस थाना क्षेत्र के अहमदपुर गांव में हुई। पुलिस ने बताया कि आरोपी अंबेश ने पैसों और पारिवारिक मुद्दों को लेकर हुए विवाद के बाद अपने पिता श्याम बहादुर (61) और मां बबीता (58) की हत्या कर दी। पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी ने आठ दिसंबर की रात को सबसे पहले अपनी मां पर मसाले पीसने वाले सिलबट्टे के बट्टे से हमला किया। जब उसके पिता ने बीच-बचाव किया और पुलिस को बुलाने की कोशिश की, तो उसने उसी वस्तु से उनके सिर पर वार किया और बाद में रस्सी से गला घोंटकर उनकी हत्या कर दी। श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी ने बाद में लोहे की छड़ काटने वाली आरी से शवों के टुकड़े-टुकड़े किए, उन्हें छह प्लास्टिक की बोरियों में भरकर अपनी कार से गोमती नदी में फेंक दिया। पुलिस ने बताया कि बहादुर रेलवे के सेवानिवृत्त कर्मचारी थे। पुलिस के अनुसार, अंबेश ने पहले अपनी बहनों को यह कहकर गुमराह किया कि उनके माता-पिता आठ दिसंबर को बाहर गए थे। जब बहनों ने पुलिस से संपर्क करने की जिद की तो उसने अपना फोन बंद कर दिया और वाराणसी के जौनपुर रेलवे स्टेशन और घाट की ओर चला गया। 13 दिसंबर को बहनों ने अपने माता-पिता और अंबेश की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। आरोपी 15 दिसंबर को घर लौटा और बाद में अपनी बहनों के सामने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसकी बहन अर्चना की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर 16 दिसंबर को अंबेश को गिरफ्तार कर लिया।

न्यूज इन ब्रीफ

लिव-इन में रह रहे वयस्क जीवन की सुरक्षा के हकदार : उच्च न्यायालय

प्रयागराज : इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने लिव-इन संबंध में रह रहे 12 जोड़ों को पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है जिन्होंने अपने परिवारों से खतरा होने की बात कहते हुए पुलिस से पर्याप्त सुरक्षा की गुहार लगाई थी। न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह ने कहा कि लिव इन में रह रहे वयस्क सरकार से अपने जीवन और निजी स्वतंत्रता की सुरक्षा के हकदार हैं। उक्त व्यवस्था देते हुए अदालत ने पाया कि बड़ी संख्या में इस तरह के मामले अदालत में आ रहे हैं जिसमें जोड़ों ने जिला पुलिस से संपर्क किया, लेकिन उन्हें सुरक्षा नहीं मिली जिससे वे अदालत आने के लिए विवश हुए। इस सवाल पर कि क्या औपचारिक विवाह की अनुपस्थिति संवैधानिक सुरक्षा प्रभावित करती है, अदालत ने कहा, ''मानव जीवन के अधिकार को कहीं ऊंचे स्तर पर लिया जाना चाहिए, भले ही वह नागरिक बालिग हो या नाबालिग, शादीशुदा हो या अविवाहित। महज इसलिए कि याचिकाकर्ताओं ने विवाह नहीं किया, वे अपने मौलिक अधिकारों से वंचित नहीं हो जाएंगे।

अवैध मछली पकड़ने के आरोप में दो बांग्लादेशी नौका चालक गिरफ्तार

नयी दिल्ली : भारतीय तटरक्षक अधिकारियों (आईसीजी) ने उत्तरी बंगाल की खाड़ी में भारत के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र के भीतर अवैध रूप से मछली पकड़ने वाली दो नौकाओं को जब्त कर उस पर सवार 35 लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। आईसीजी ने कहा कि मछली पकड़ने के उपकरणों की मौजूदगी और लगभग 500 किलोग्राम मछली के पकड़े जाने से यह स्पष्ट तौर पर पता चलता है कि भारतीय जलक्षेत्र के अंदर मछली पकड़ने का काम जारी था।

कॉग्निज़ेंट ने बेंगलुरु में एआई लैब और मोमेंट स्टूडियो का किया उद्घाटन

बेंगलुरु : आईटी सेवा कंपनी कॉग्निज़ेंट ने बेंगलुरु में अपनी इंडिया आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (एआई) लैब और नया कॉग्निज़ेंट मोमेंट स्टूडियो शुरू किया है। यह संयुक्त नवाचार हब एआई शोध और उन्नत डिजिटल अनुभव को जोड़कर एंटरप्राइज परिवर्तन को तेज़ करेगा। यह पहल 2023 में घोषित जनरेटिव एआई में तीन वर्षों में 1 अरब डॉलर के निवेश का हिस्सा है।इंडिया एआई लैब, कॉग्निज़ेंट की सैन फ्रांसिस्को स्थित एआई लैब का विस्तार है और मल्टी-एजेंट सिस्टम, एआई निर्णय क्षमताओं, जिम्मेदार एआई और एआई फॉर गुड पर केंद्रित रहेगी। वहीं, कॉग्निज़ेंट मोमेंट स्टूडियो ग्राहकों को एआई-संचालित डिजिटल अनुभव विकसित करने में मदद करेगा।कंपनी के सीईओ रवि कुमार एस के अनुसार, भरोसेमंद और मानव-केंद्रित एजेंटिक एआई एंटरप्राइज बदलाव के लिए अनिवार्य है। यह हब भारत की वैज्ञानिक प्रतिभा और विश्वविद्यालयों के सहयोग से एआई नवाचार को नई गति देगा।

मोदी के नेतृत्व में संगठन मजबूत करें: नितिन नवीन

नयी दिल्ली : नयी दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी कार्यकर्ताओं से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संगठन और देश को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय कार्यालय देशभर से आने वाले कार्यकर्ताओं का अपना घर होना चाहिए।

'नो पीयूसी, नो फ्यूल' नियम से परेशानी हो सकती है, लेकिन आवश्यक है: दिल्ली मुख्यमंत्री

नयी दिल्ली : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'नो पीयूसी, नो फ्यूल' नियम से लोगों को असुविधा हो सकती है लेकिन सभी वाहनों की प्रदूषण जांच कराना और उनका प्रमाणन सुनिश्चित करना हम सबकी सामूहिक नैतिक जिम्मेदारी है। 'नो पीयूसी, नो फ्यूल' नियम के तहत जिन वाहनों के पास वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) नहीं है, उन्हें पेट्रोल पंपों पर ईंधन नहीं दिया जाएगा। यहां एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गुप्ता ने स्पष्ट किया कि वैध प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) प्रमाणपत्र के बिना दिल्ली में किसी भी वाहन को ईंधन भरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शहर की बिगड़ती हवा को सुधारने के लिए नियमों का सख्ती से पालन करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा, लोगों को असुविधा हो रही है लेकिन दिल्ली में चलने वाले हर वाहन को प्रदूषण फैलाए बिना चलना चाहिए। यह हमारी सामूहिक नैतिक जिम्मेदारी है कि हम अपने वाहनों को पीयूसी प्रमाणित कराएं। गुप्ता ने कहा, कार-पूलिंग और सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

दिल्ली में 3,700 से अधिक वाहनों का चालान

राष्ट्रीय राजधानी में 'नो पीयूसी, नो फ्यूल' अभियान के तहत 3,700 से अधिक वाहनों का चालान किया गया, जबकि लगभग 570 गैर-अनुपालन करने वाले या गैर-निर्दिष्ट वाहनों को 24 घंटे के भीतर दिल्ली की सीमाओं से वापस भेज दिया गया। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि दिल्ली यातायात पुलिस और परिवहन विभाग की संयुक्त टीमों ने अभियान के पहले दिन राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश के प्रमुख बिंदुओं पर लगभग 5,000 वाहनों की जांच की। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में कम से कम 3,746 वाहनों का वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) न होने के कारण चालान किया गया, जबकि इसे अमल में लाने के दौरान सीमा चौकियों से 568 गैर-अनुपालन या गैर-निर्दिष्ट वाहनों को वापस भेज दिया गया।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में कुल 12 लाख रुपए के इनामी तीन माओवादी मारे गए

सुकमा : छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में बृहस्पतिवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में कुल 12 लाख रुपए के इनामी एक महिला सहित तीन माओवादियों को मार गिराया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सुकमा जिले के पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने बताया कि जिले के गोलापल्ली थाना के अंतर्गत गोंदीगुड़ा गांव के जंगल-पहाड़ी में माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी मिलने पर सुकमा जिले के जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) ने तलाशी अभियान शुरू किया था। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान आज सुबह से डीआरजी के दल और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ हुई। बाद में जब घटनास्थल की तलाशी ली गई तब वहां से एक महिला और दो पुरुष माओवादी का शव, हथियार और अन्य नक्सल सामान बरामद किया गया।

आयकर विभाग ने अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी से जुड़ी कंपनी समेत कई खाद्य कंपनियों पर छापेमारी की

मुंबई : आयकर विभाग ने मुंबई में कई खाद्य और पेय कंपनियों के कार्यालयों पर छापेमारी की है, जिनमें अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी से जुड़ी एक कंपनी भी शामिल है। यह कार्रवाई कर चोरी के आरोप में की गई है। आधिकारिक सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि बुधवार से मुंबई और उसके आसपास के इलाकों में लगभग 20-24 परिसरों पर छापेमारी की जा रही है। विभाग को इस क्षेत्र की कुछ कंपनियों के खिलाफ ठोस सूचना मिली है, जिन पर अवैध या नकद लेन-देन करने का आरोप है। सूत्रों ने बताया कि इस कार्रवाई में शेट्टी और कुछ अन्य लोगों के संयुक्त स्वामित्व वाले एक रेस्तरां के कार्यालय परिसर भी शामिल थे। उन्होंने इस बात से इनकार किया कि उनके (शेट्टी) मुंबई स्थित घर पर कर अधिकारियों द्वारा छापे की कार्रवाई की गई है। कर अधिकारियों ने कहा कि आयकर जांच का संबंध न तो शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ महाराष्ट्र पुलिस द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी (धोखाधड़ी के आरोप में) से है और न ही बेंगलुरु पुलिस द्वारा एक स्थानीय रेस्तरां के खिलाफ कथित तौर पर कानूनी कामकाजी घंटों के बाद संचालित करने के आरोप में दर्ज की गई प्राथमिकी से है।

महानगर पालिका चुनावों से पहले कांग्रेस नेता प्रज्ञा सातव भाजपा में शामिल

मुंबई : महाराष्ट्र में कांग्रेस की नेता और विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) प्रज्ञा सातव ने बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र विधानमंडल के उच्च सदन से इस्तीफा देने के कुछ ही घंटों बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया। सातव ने भाजपा के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण और राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र के हिंगोली जिले की निवासी प्रज्ञा सातव दिवंगत कांग्रेस नेता राजीव सातव की पत्नी हैं, जिन्हें लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का बेहद करीबी और भरोसेमंद माना जाता था। वह पहली बार 2021 में महाराष्ट्र विधान परिषद की सदस्य चुनी गई थीं। स्थानीय निकाय चुनावों के बीच उनके इस्तीफे को कांग्रेस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

भारत में 2040 तक कैंसर रोगियों की संख्या 20 लाख तक पहुंच सकती है: केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह

दिल्ली : प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा को बताया कि दुनिया भर में कैंसर मामलों में चीन और अमेरिका के बाद भारत तीसरे स्थान पर है और 2040 तक देश में कैंसर के मामलों की संख्या लगभग 20 लाख हो सकती है। सिंह ने उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए बताया कि जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने महिलाओं में गर्भाशय (सर्वाइकल) कैंसर के उपचार के लिए पहली बार एचपीवी वैक्सीन विकसित की है और सरकार इसे किफायती दर पर या मुफ्त में अधिक बड़ी आबादी तक उपलब्ध कराने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा, यह सच है कि पूरी दुनिया में कैंसर के मामले बढ़े हैं। अगर आप वैश्विक आंकड़े देखें तो हर साल दुनिया में दो करोड़ कैंसर रोगी होते हैं, यानी हर साल लगभग दो करोड़ कैंसर मरीज। भारत में ही हमारे पास लगभग 14 से 15 लाख, यानी करीब 15 लाख मामले हैं।'' सिंह ने कहा कि यह आंकड़ा 2040 तक बढ़कर लगभग 20 लाख होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि कैंसर की व्यापकता के लिहाज से भारत चीन और अमेरिका के बाद तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने कहा कि इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं जिसमें देश के भीतर बीमारियों के स्वरूप में बदलाव होना शामिल है। उन्होंने कहा कि 1980 के दशक तक भारत संक्रामक रोगों से ग्रस्त था, इसके बाद गैर-संक्रामक रोगों का दौर आया। उन्होंने कहा कि आज की स्थिति में भारत दोनों से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा, विडंबना यह है कि इनमें से कैंसर सहित कई बीमारियां, जो जीवन के उतरार्द्ध के दशकों में होती थीं, अब प्रारंभिक दशकों में हो रही हैं। जो कैंसर पहले अधिक उम्र में होता था, वह अब कम उम्र में भी हो सकता है।

ईडी ने पीएसीएल की 3,400 करोड़ रुपये से अधिक की नयी संपत्तियों को जब्त किया

नयी दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने चंडीगढ़ स्थित पीएसीएल के खिलाफ धनशोधन जांच के तहत 3,400 करोड़ रुपये से अधिक की नयी संपत्तियों को जब्त किया है। पीएसीएल पर 48,000 करोड़ रुपये की पोंजी स्कीम को संचालित करने का आरोप है। एजेंसी ने बताया कि नवीनतम कार्रवाई के बाद इस मामले में अब तक जब्त की गई संपत्तियों का कुल मूल्य 5,602 करोड़ रुपये हो गया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक बयान में कहा कि उसने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत पंजाब के जालंधर में 3,436.56 करोड़ रुपये मूल्य की 169 अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है। ईडी की जांच सीबीआई द्वारा 'पर्ल्स एग्रोटेक कॉर्पोरेशन लिमिटेड' (पीएसीएल), इसके दिवंगत प्रमोटर निर्मल सिंह भंगू और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ दायर एक मामले से जुड़ी है। भंगू का निधन पिछले साल अगस्त में हुआ था। पीएसीएल पर धोखाधड़ी वाली सामूहिक निवेश योजनाओं को संचालित करने का आरोप है, जिसके माध्यम से कंपनी और उसके सहयोगियों ने कथित तौर पर देश भर के निवेशकों से लगभग 48,000 करोड़ रुपये जुटाए और उनका गबन किया। ईडी ने अपनी जांच के तहत अब तक तीन आरोपपत्र दाखिल किए हैं।

आईएमटीईएक्स फॉर्मिंग 2026 में बेंगलुरु पहुंचेगा एशिया का सबसे बड़ा मेटल फॉर्मिंग मंच

कोलकाता, समाज्ञा : इंडियन मशीन टूल मैन्युफैक्चरर्स' एसोसिएशन (आईएमटीएमए) एशिया के सबसे बड़े मेटल फॉर्मिंग टेक्नोलॉजी शो आईएमटीईएक्स फॉर्मिंग 2026 का आयोजन 21 से 25 जनवरी 2026 तक बेंगलुरु स्थित बैंगलोर इंटरनेशनल एग्जीबिशन सेंटर में करेगी। आईएमटीएमए के अनुसार, इस पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में 20 देशों के 600 से अधिक प्रदर्शक भाग लेंगे और यह 46,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैले चार प्रदर्शनी हॉल में आयोजित होगी। इस प्रदर्शनी के साथ टूलटेक, डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग, वेल्डएक्सपो (आईआईडबल्यू-इंडिया के सहयोग से), मोल्डेक्स इंडिया और फास्टेनेक्स इंडिया, जैसे सह-आयोजित कार्यक्रम भी होंगे, जिनमें नवीनतम विनिर्माण तकनीकों और समाधानों का प्रदर्शन किया जाएगा। आईएमटीएमए की अध्यक्ष मोहिनी केलकर ने मेटल फॉर्मिंग क्षेत्र में तेज विकास की संभावना जताई, जबकि महानिदेशक एवं सीईओ जीबक दासगुप्ता ने लेजर-आधारित तकनीकों और उन्नत विनिर्माण समाधानों की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया। प्रदर्शनी से ऑटोमोटिव, एयरोस्पेस, रेलवे और भारी इंजीनियरिंग सहित कई उद्योगों को महत्वपूर्ण लाभ मिलने की उम्मीद है।

वर्तमान समय में एक निर्णायक शक्ति के रूप में उभरी है वायु शक्ति: राजनाथ

नयी दिल्ली : रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की उच्च-प्रभाव वाली सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया और पाकिस्तान स्थित कई आतंकी ठिकानों पर हमले के बाद पड़ोसी देश की ''गैर जिम्मेदाराना प्रतिक्रिया'' से निपटने के लिए भारतीय वायुसेना की सराहना की। सिंह ने भारतीय वायुसेना के शीर्ष कमांडरों को संबोधित करते हुए वायुसेना को तकनीकी रूप से उन्नत, संचालन में चुस्त, रणनीतिक रूप से आत्मविश्वासी और भविष्य-केंद्रित बल बताया, जो लगातार बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य में राष्ट्रीय हितों की रक्षा कर रहा है। रक्षामंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आतंकी शिविरों को नष्ट करने में भारतीय वायुसेना के साहस, गति और सटीकता की प्रशंसा की। सिंह ने निर्णायक बढ़त बनाए रखने के लिए दुश्मन की आक्रामक एवं रक्षात्मक क्षमताओं को गहराई से समझने के महत्व पर जोर देते हुए कमांडरों से ऑपरेशन सिंदूर से सबक लेने और भविष्य की हर चुनौती से निपटने के लिए तैयार रहने का आह्वान भी किया।

निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव के लिए एसआईआर जरूरी: हर्षवर्धन श्रृंगला

नयी दिल्ली : सांसद हर्षवर्धन श्रृंगला ने कहा है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन-एसआईआर) निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय चुनाव सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने इसे लोकतंत्र की नींव को और मजबूत करने वाला एक महत्वपूर्ण सुधार बताया। संसद में बोलते हुए श्रृंगला ने कहा कि चुनाव लोकतंत्र की आधारशिला हैं और उनकी शुचिता बनाए रखना सर्वोपरि है। उन्होंने स्पष्ट किया कि एसआईआर कोई सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक सुनियोजित प्रयास है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मतदाता सूची में केवल पात्र नागरिकों के नाम ही शामिल हों। इससे फर्जी और अवैध प्रविष्टियां हटेंगी और वैध मतदाताओं के अधिकार सुरक्षित रहेंगे। पश्चिम बंगाल में एसआईआर के विरोध पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि एक पारदर्शी और संवैधानिक प्रक्रिया का विरोध समझ से परे है। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने भी मतदाता सूची के पुनरीक्षण में बाधा डालने के प्रयासों पर गंभीर चिंता जताई है और चुनाव आयोग के संवैधानिक अधिकारों की पुष्टि की है। श्रृंगला ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस विश्वास को दर्शाती है कि मजबूत लोकतंत्र मजबूत संस्थाओं पर आधारित होता है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों और हितधारकों से निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर चुनाव सुधारों का समर्थन करने की अपील की।

ग्रीन लाइन के एस्प्लेनेड मेट्रो स्टेशन पर अग्नि सुरक्षा संगोष्ठी का आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता मेट्रो रेलवे द्वारा नियमित रूप से विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को आपात स्थितियों से निपटने के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इसी क्रम में 17 दिसंबर को ग्रीन लाइन के एस्प्लानेड मेट्रो स्टेशन पर फील्ड स्टाफ के लिए एक अग्नि सुरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक सत्यकी नाथ एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। संगोष्ठी के दौरान मेट्रो कर्मचारियों को विभिन्न अग्नि एवं धुआं स्थितियों का सिमुलेशन कर आग पर काबू पाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी मेट्रो कॉरिडोर के कर्मचारी शामिल हुए। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य आपात स्थिति में आग लगने की घटनाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए फील्ड स्टाफ को सक्षम बनाना था। इस अभ्यास से कर्मचारियों के कौशल, आत्मविश्वास और आपात स्थितियों से निपटने की तैयारी में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है, जिससे मेट्रो यात्रियों की सुरक्षा और अधिक सुदृढ़ होगी।

पिछले चार महीनों में 40 लाख वार्षिक फास्टैग पास जारी किए गए: गडकरी

नयी दिल्ली : सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार 2026 तक देश भर के सभी 1,050 टोल प्लाजा पर अवरोध मुक्त टोल संग्रह की व्यवस्था लागू करेगी और बीते अगस्त से चार महीनों में लगभग 40 लाख वार्षिक फास्टैग पास जारी किए गए हैं। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए गडकरी ने कहा कि वार्षिक फास्टैग पास से निजी कारों को प्रति वर्ष 3,000 रुपये या औसतन 15 रुपये प्रति टोल से 200 टोल प्लाजा पार करने की अनुमति मिलेगी। उनके मुताबिक, 200 टोल पार करने के लिए 15,000 रुपये की मौजूदा लागत की तुलना में यह पास काफी सस्ता है। मंत्री ने कहा, ''2026 तक, हम सभी 1,050 प्लाजा पर टोल एकत्र करने के लिए परिष्कृत एआई-आधारित प्रणाली स्थापित करेंगे, जिसमें 350 निजी टोल बूथ और 700 सरकारी शामिल हैं।

नड्डा ने अफगानिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री से मुलाकात की, मजबूत चिकित्सा सहायता देने का आश्वासन दिया

नयी दिल्ली : केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा और अफगानिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री मौलवी नूर जलाल जलाली के साथ बैठक के दौरान भारत ने अफगानिस्तान के स्वास्थ्य क्षेत्र और मानवीय जरूरतों को समर्थन देने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बुधवार को हुई बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने जारी स्वास्थ्य सहयोग की समीक्षा की और स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचे, चिकित्सा आपूर्ति एवं क्षमता निर्माण में सहयोग को और मजबूत करने के तौर-तरीकों पर चर्चा की। नड्डा ने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा इस बात पर बल दिया है कि अफगानिस्तान के साथ भारत की भागीदारी कल्याण, क्षमता निर्माण और महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच पर केंद्रित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान को भारत की सहायता मानवीय पहलुओं और दोनों देशों के लोगों के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों पर आधारित है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत ने अफगानिस्तान में कई महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना परियोजनाओं को मंजूरी दी है और उन्हें लागू किया है। इनमें पक्तिया, खोस्त और पक्तिका प्रांतों में पांच प्रसूति एवं स्वास्थ्य क्लीनिक का निर्माण तथा काबुल में 30 बिस्तरों वाले एक अस्पताल के अलावा काबुल में ट्रॉमा सेंटर, निदान केंद्र और थैलेसीमिया केंद्र जैसी प्रमुख सुविधाओं का निर्माण या उन्नयन शामिल है। मंत्रालय ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र को सहायता प्रदान करने के लिए अतिरिक्त प्रस्तावों पर वर्तमान में सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है।

'वीबी-जी राम जी' बनाम मनरेगा: दोनों के बीच प्रमुख अंतर

नयी दिल्ली : विकसित भारत गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक, 2025 को बृहस्पतिवार को लोकसभा द्वारा पारित किया गया और यह मनरेगा को निरस्त करता है और ग्रामीण रोजगार परिदृश्य में सरकार की भूमिका के संरचनात्मक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करता है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में परिवारों की आजीविका सुरक्षा को बढ़ाना था। इस अधिनियम के तहत प्रत्येक ऐसे परिवार को एक वित्तीय वर्ष में कम से कम 100 दिनों के गारंटीकृत वेतनभोगी रोजगार का वादा किया गया था, जिसके वयस्क सदस्य अकुशल शारीरिक श्रम के लिए स्वेच्छा से काम करते हैं। विकसित भारत गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) विधेयक का उद्देश्य 125 दिनों के वेतन रोजगार की वैधानिक गारंटी प्रदान करके ''विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप ग्रामीण विकास ढांचा'' स्थापित करना है। ग्रामीण रोजगार के दो ढांचों के बीच प्रमुख अंतर इस प्रकार हैं: * जहां मनरेगा में 100 दिनों के मजदूरी रोजगार का प्रावधान है, वहीं 'वीबी-जी राम जी विधेयक' 125 दिनों के मजदूरी रोजगार का वादा करता है। * मनरेगा मांग-आधारित है, जिसका अर्थ है कि यदि काम की मांग है तो सरकार को अतिरिक्त धनराशि आवंटित करनी होगी। 'वीबी-जी राम जी विधेयक' में राज्यों के लिए मानक आवंटन का प्रावधान है, और इससे अधिक होने वाला कोई भी व्यय राज्य सरकारों को वहन करना होगा। मनरेगा के तहत, मजदूरी का 100 प्रतिशत भुगतान केंद्र द्वारा किया जाएगा, जबकि सामग्री की लागत केंद्र और राज्यों के बीच 75:25 के अनुपात में साझा की जाएगी। केंद्र प्रायोजित योजना 'वीबी-जी राम जी' के तहत, राज्य सरकारें पहले की तुलना में व्यय का अधिक हिस्सा वहन करेंगी। वित्तीय दायित्व केंद्र और राज्य सरकारों के बीच साझा किया जाएगा, जिसमें पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्यों के लिए 90:10 का अनुपात और विधायिका वाले अन्य सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) के लिए 60:40 का अनुपात होगा। जिन केंद्र शासित प्रदेशों में विधायिका नहीं है, उनके लिए पूरा खर्च केंद्र सरकार वहन करेगी।

'वीबी-जी राम जी' योजना के तहत, राज्य बुवाई और कटाई के कृषि मौसमों को कवर करने वाली एक अवधि अधिसूचित करेगा, जिसके दौरान इस योजना के तहत काम नहीं मांगा जा सकता है। मनरेगा के तहत, काम को जल संरक्षण, सूखा-रोधी उपाय, सिंचाई, पारंपरिक जल निकायों का नवीनीकरण, भूमि विकास और बाढ़ नियंत्रण जैसी व्यापक श्रेणियों में विभाजित किया गया है। मनरेगा के तहत, ग्राम पंचायत अपने क्षेत्र में परियोजनाओं की पहचान करने के लिए जिम्मेदार है। किए जाने वाले कार्यों की प्रकृति और चयन, प्रत्येक कार्यस्थल के चयन का क्रम आदि से संबंधित योजनाएं और निर्णय ग्राम सभा या वार्ड सभा की खुली सभाओं में लिए जाएंगे और पंचायत द्वारा अनुमोदित किए जाएंगे।

हिंदी के युवा कवि विजय यादव विश्व हिंदी परिषद सांस्कृतिक प्रकोष्ठ असम के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त

असम में पिछले कई वर्षों से अपनी गीतों व रचनाओं के माध्यम से हिंदी का पताका फहरा रहे हैं विजय

संस्था ने असम में राजभाषा हिंदी के प्रचार- प्रसार हेतु विशेष दायित्व सौंपा

कोलकाता/गुवाहाटी : विश्व हिंदी परिषद की केंद्रीय कार्यकारिणी ने असम के उभरते युवा कवि विजय कुमार यादव को संगठन के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। एक गैर हिंदी प्रदेश असम में पिछले कई वर्षों से अपनी गीतों व रचनाओं के माध्यम से हिंदी का पताका फहरा रहे विजय यादव के कार्यों की केंद्रीय स्तर पर प्रशंसा करते हुए संस्था ने उन्हें असम में राजभाषा हिंदी के प्रचार- प्रसार हेतु विशेष दायित्व सौंपा है। विदित हो कि विश्व हिंदी परिषद देश एवं विदेशों में राजभाषा हिंदी के प्रचार- प्रसार में कार्यरत एक प्रमुख संस्था है। इसका उद्देश्य लोगों में राष्ट्रवाद की भावना को बढ़ावा देना और हिंदी का राजतिलक करना है। इस संस्था के शीर्ष पदाधिकारियों में देश के बड़े- बड़े विचारक, विद्वान एवं संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्तिगण हैं।

बताते चलें कि पूर्वोत्तर के कई राज्यपालों एवं असम के मुख्यमंत्री से सम्मानित विजय यादव भारतीय रेलवे के पूर्वोत्तर सीमांत जोन मुख्यालय, मालीगांव, गुवाहाटी में कार्यरत हैं। मूल रूप से बिहार के मधुबनी जिले के पंडौल थाना अंतर्गत नाहर बलुआहा गांव निवासी विजय यादव देशभक्ति पर आधारित कविताओं, गीतों, काव्यों के माध्यम से राष्ट्रीय भावना को और प्रखर रूप में मजबूत करने का अभियान चलाए हुए हैं। कर्म पथ के राही और आओ भारत वासी मिलकर जैसी चर्चित कविता के रचनाकार और राजभाषा हिंदी के प्रचार- प्रसार में समर्पित विजय यादव की इस नियुक्ति से उनके प्रशंसकों में खुशी की लहर है। विजय अपनी मातृभाषा मैथिली में भी कई गीत व रचनाएं लिख चुके हैं।

न्यूज ब्रीफ

चौथा टी20 रद्द होने के बाद यूपीसीए टिकट के पैसे वापस करेगा

लखनऊ : उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चौथा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच कोहरे के कारण रद्द होने के बाद दर्शकों को टिकट के पूरे पैसे वापस किए जाएंगे। यह मैच शाम सात बजे से खेला जाना था लेकिन बुधवार को घने कोहरे की वजह से दृश्यता कम होने के कारण इकाना स्टेडियम में छठे निरीक्षण के बाद आखिरकार रात साढ़े नौ बजे इसे रद्द कर दिया गया। यूपीसीए सचिव प्रेम मनोहर गुप्ता ने बयान में कहा, ''जिन दर्शकों ने ऑनलाइन टिकट बुक किए थे उन्हें उनके भुगतान के वास्तविक तरीके से टिकट की रकम वापस मिल जाएगी।'' उन्होंने कहा, ''रिफंड से जुड़े नोटिफिकेशन पंजीकृत ईमेल एड्रेस पर भेजे जाएंगे। टिकट धारकों को सलाह दी जाती है कि वे आगे के अपडेट के लिए नियमित रूप से अपने ईमेल चेक करते रहें।''

राज्यसभा में उठा भारतीय फुटबॉल का मुद्दा

नयी दिल्ली : भारतीय फुटबॉल के भविष्य का मुद्दा गुरुवार को गुरुवार को राज्यसभा में भी उठाया गया तथा कांग्रेस के जोस के मणि ने कुराकाओ जैसे छोटा देश के विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का हवाला देते हुए खेल मंत्री मनसुख मांडविया से इस खेल के लिए सरकार की दीर्घकालिक योजना के बारे में पूछा। भारत में फुटबॉल का स्तर लगातार गिर रहा है तथा व्यावसायिक साझेदार नहीं मिलने के कारण इस साल अभी तक घरेलू सत्र भी शुरू नहीं हो पाया है। केरल का प्रतिनिधित्व करने वाले मणि ने पूछा कि क्या सरकार ने इस बात पर गौर किया है कि 158000 की आबादी वाले कुराकाओ ने हाल ही में अगले साल होने वाले फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या सरकार के पास ऐसी कोई दीर्घकालिक योजनाएं हैं जिससे भारत को विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में मदद मिले। उन्होंने जानना चाहा कि देश में फुटबॉल प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए जमीनी स्तर पर क्या कदम उठाए गए हैं। मांडविया ने कुराकाओ का जिक्र किए बिना जवाब दिया, 'विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना फुटबॉल की विश्व में सर्वोच्च संस्था फ़ीफ़ा द्वारा निर्धारित मानदंडों पर आधारित है।

श्रृंखला जीतने के इरादे से उतरेगा भारत, सूर्यकुमार के प्रदर्शन पर रहेगी नजर

अहमदाबाद: चयन को लेकर उठ रहे सवालों और कुछ कमजोरियों के सामने आने के बावजूद भारतीय टीम शुक्रवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में जीत दर्ज कर श्रृंखला का सकारात्मक अंत करने के इरादे से उतरेगी। भारत इस समय श्रृंखला में 2-1 की अजेय बढ़त बनाए हुए है, क्योंकि लखनऊ में खेला जाने वाला चौथा मैच खराब मौसम के कारण रद्द हो गया था। टेस्ट श्रृंखला में 0-2 की हार के बाद भारत ने शानदार वापसी करते हुए वनडे श्रृंखला जीती और अब टी20 में भी बढ़त हासिल कर ली है। हालांकि, कप्तान सूर्यकुमार यादव और शुभमन गिल का खराब फॉर्म टीम प्रबंधन के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। सूर्यकुमार, जो कुछ समय पहले तक विश्व के नंबर एक टी20 बल्लेबाज थे, इस साल खेले गए

20 मैचों में एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाए हैं। उन्होंने 18 पारियों में महज 213 रन बनाए हैं। शुभमन गिल का छोटे प्रारूप में निरंतर प्रदर्शन न कर पाना भी आगामी टी20 विश्व कप से पहले चिंता बढ़ा रहा है। अभ्यास के दौरान चोटिल हुए गिल का अंतिम मैच में खेलना संदिग्ध है। उनकी अनुपस्थिति में संजू सैमसन को शीर्ष क्रम में मौका मिल सकता है, जहां उन्होंने पहले भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। भारतीय टीम का संतुलन मजबूत नजर आता है। हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे ऑलराउंड भूमिका निभा रहे हैं, जबकि गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा ने प्रभावित किया है। जसप्रीत बुमराह भी टीम से जुड़ चुके हैं। दूसरी ओर, दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज अब तक निरंतरता नहीं दिखा पाए हैं। श्रृंखला बराबर करने के लिए उन्हें सामूहिक प्रदर्शन करना होगा। अहमदाबाद की बल्लेबाजी के अनुकूल पिच पर मुकाबला रोचक होने की उम्मीद है।

इशान किशन के शतक से झारखंड ने रचा इतिहास

पुणे: विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन के शानदार शतक की बदौलत झारखंड ने हरियाणा को 69 रन से हराकर पहली बार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का खिताब जीत लिया। इस जीत के साथ झारखंड देश का प्रमुख घरेलू टी20 टूर्नामेंट जीतने वाला 12वां राज्य बन गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए झारखंड ने तीन विकेट पर 262 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। इशान किशन ने 49 गेंद में 10 छक्कों और छह चौकों की मदद से 101 रन बनाए। उन्होंने कुमार कुशाग्र (81 रन)

के साथ दूसरे विकेट के लिए 177 रन की साझेदारी की। अंत में अनुकूल रॉय (नाबाद 40) और रोबिन मिन्ज (नाबाद 31) ने तेज रन जोड़कर स्कोर को और मजबूत किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी हरियाणा की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम दबाव से उबर नहीं पाई। पूरी टीम 18.3 ओवर में 193 रन पर सिमट गई। झारखंड की ओर से सुशांत मिश्रा और बाल कृष्ण ने तीन-तीन विकेट लिए, जबकि अनुकूल रॉय ने दो विकेट चटकाए। टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में रहे किशन ने 10 पारियों में 517 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहते हुए राष्ट्रीय टी20 टीम में वापसी का मजबूत दावा भी पेश किया।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांचवें टी20 मैच के लिये गिल अहमदाबाद पहुंचे

अहमदाबाद: शुभमन गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांचवें और आखिरी टी20 मैच के लिये यहां पहुंच गए हैं हालांकि चौथे मैच से पहले लगी चोट के कारण उनका खेलना संदिग्ध माना जा रहा है। गिल का नेट्स पर लगी चोट के कारण लखनऊ में चौथे टी20 से बाहर होना तय था लेकिन खराब मौसम के कारण मैच ही रद्द हो गया। यह देखना होगा कि खराब फॉर्म से जूझ रहे गिल शुक्रवार को चौथे मैच के लिये उपलब्ध होंगे या नहीं या उनकी जगह संजू सैमसन को उतारा जायेगा। गिल इससे पहले गर्दन की चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में भी अधिकांश समय बाहर रहे थे।वह बाद में तीन मैचों की वनडे श्रृंखला भी नहीं खेल सके थे। भारत टी20 श्रृंखला में 2 . 1 से आगे है और शुक्रवार का मैच इस वर्ष का आखिरी मैच होगा। इसके बाद 11 जनवरी से भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन वनडे और पांच टी20 मैच खेलेगी।

बुमराह के एक्शन और तेज गति के कारण उनके लिए कार्यभार प्रबंधन जरूरी: उथप्पा

लखनऊ: पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा का मानना है कि भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का एक्शन और तेज गति उनके शरीर पर अत्यधिक दबाव डालती है और उन्हें पूरी तरह से फिट रखने के लिए उनका कार्यभार का प्रबंधन करना बेहद जरूरी हो जाता है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में बुमराह को आराम दिया गया था और उन्होंने पांच मैचों की टी20 श्रृंखला में वापसी की। उथप्पा ने जियोस्टार के 'क्रिकेट लाइव' पर कहा, 'वह बेमिसाल मैच विजेता हैं और उनके कार्यभार का प्रबंध करना बेहद जरूरी है। तेज गेंदबाजी शायद इस खेल का सबसे मुश्किल कौशल है और बुमराह इसे बेहद तेज गति से और चुनौतीपूर्ण एक्शन के साथ करते हैं।' उन्होंने कहा, 'आप उनको पूरी तरह से फिट बनाए रखना चाहते हैं लेकिन साथ ही आप यह भी चाहते हैं कि वह पर्याप्त क्रिकेट खेलें। हम सभी उनकी प्रतिभा से वाकिफ है और उम्मीद है कि वह विश्व कप से पहले होने वाले मैचों में निरंतरता बनाए रखने में सफल रहेंगे।' दक्षिण अफ्रीका का प्रदर्शन अभी तक उतार चढ़ाव वाला रहा है लेकिन इसके पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कहा कि उनकी टीम ने भारत दौरे पर उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। स्टेन ने कहा, 'टेस्ट श्रृंखला जीतना शानदार रहा और उन्होंने वनडे में भी कड़ी चुनौती पेश की। पहले वनडे में टॉस जीतने के बावजूद वह हार गए थे। अगर वे वह मैच जीत जाते, तो वनडे श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर सकते थे।' इस दिग्गज तेज गेंदबाज ने कहा कि अगर भारत टी20 श्रृंखला जीतता है तो वह इसका हकदार है।

गंभीर कोच नहीं, मैनेजर हैं : कपिल देव

कोलकाता : भारत के पहले विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के कामकाज को लेकर हो रही आलोचनाओं के बीच गुरुवार को कहा कि आधुनिक क्रिकेट में मुख्य कोच की भूमिका खिलाड़ियों को तकनीकी रूप से सिखाने से अधिक उनका सही ढंग से प्रबंधन करने की होती है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में 0-2 की हार के बाद गंभीर खिलाड़ियों के लगातार रोटेशन और कामचलाऊ विकल्पों पर निर्भरता को लेकर आलोचनाओं के घेरे में आ गए हैं।कोलकाता में आयोजित एक कार्यक्रम में कपिल देव ने कहा कि आज के समय में 'कोच' शब्द को अक्सर गलत अर्थों में लिया जाता है। उन्होंने कहा, स्कूल और कॉलेज के दिनों में जो हमें तकनीक सिखाते थे, वही असली कोच थे। मौजूदा दौर में मुख्य कोच का काम खिलाड़ियों को मैनेज करना, उनका मनोबल बढ़ाना और टीम को एकजुट रखना है। कपिल ने कहा कि गंभीर किसी लेग स्पिनर या विकेटकीपर को तकनीकी रूप से कोचिंग नहीं दे सकते, लेकिन एक मैनेजर के रूप में वह खिलाड़ियों

कोलकाता में आयोजित एक कार्यक्रम में पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव एवं पूर्व क्रिकेटर मिताली राज

में भरोसा जगा सकते हैं, जो बेहद अहम है।कपिल देव ने यह भी कहा कि अगर सुनील गावस्कर आज के दौर में खेलते तो वह बेहतरीन टी20 बल्लेबाज होते। उन्होंने कहा कि जिन बल्लेबाजों का डिफेंस मजबूत होता है, उनके लिए आक्रामक खेलना आसान हो जाता है क्योंकि उनके पास अतिरिक्त समय होता है।इस सत्र के दौरान मौजूद भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने हाल ही में भारत की विश्व कप जीत को याद करते हुए कहा कि ट्रॉफी पर 'इंडिया' लिखा देखना उनके लिए बेहद भावुक और ऐतिहासिक क्षण था।

हरमनप्रीत अब भी भारत की अगुआई करने के लिए सर्वश्रेष्ठ, अंजुम चोपड़ा ने कहा

नयी दिल्ली: पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंजुम चोपड़ा का मानना है कि व्यस्त अंतरराष्ट्रीय सत्र और आगामी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) से पूर्व कप्तानी को लेकर बहस फिर से शुरू होने के बावजूद हरमनप्रीत कौर महिला राष्ट्रीय टीम की कप्तानी करने के लिए सर्वश्रेष्ठ हैं। विश्व कप में जीत के बाद भारतीय महिला टीम श्रीलंका के खिलाफ टी20 श्रृंखला के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेगी और ऐसे में अंजुम का मानना है कि कप्तानी में बदलाव के बारे में अटकलें लगाने की जगह ध्यान इस लय को बरकरार रखने पर होना चाहिए। अंजुम ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, 'पिछले इतने वर्षों से मेरा निजी तौर पर मानना है कि हरमनप्रीत कौर एक मैच विजेता हैं। मुझे नहीं लगता कि मुझे और कुछ कहने की जरूरत है।' उन्होंने कहा, 'वह इस भारतीय टीम की कप्तानी करने के लिए सर्वश्रेष्ठ हैं।' अंजुम ने पूर्व भारतीय कप्तान शांता रंगास्वामी के कप्तान बदलने के हालिया सुझाव को खारिज करते हुए कहा कि ऐसे विचार निजी होते हैं।

लियोन ऑस्ट्रेलिया के दूसरे सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बने, इंग्लैंड का संघर्ष जारी

एडिलेड: नाथन लियोन ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एशेज क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन अपने पहले ही ओवर में दो विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया की सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी सूची में ग्लेन मैकग्रा को पीछे छोड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल कर लिया। लियोन की शानदार गेंदबाजी से इंग्लैंड की बल्लेबाजी लड़खड़ा गई और उसने दूसरे दिन चाय के विश्राम तक अपनी पहली पारी में पांच विकेट पर 132 रन बनाए थे। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने सुबह अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 326 रन से आगे बढ़ाई और उसकी पूरी टीम 371 रन पर आउट हो गई। जोफ्रा आर्चर (53 रन देकर पांच विकेट) ने मिचेल स्टार्क (54 रन) को बोल्ड और लियोन (09) को पगबाधा आउट करके पारी में पांच विकेट पूरे किए। स्कॉट बोलैंड 21 गेंदों पर 14 रन बनाकर नाबाद रहे। इसके जवाब में इंग्लैंड ने सहज शुरुआत की और एक समय उसका स्कोर बिना किसी नुकसान के 37 रन था। इस मैच में वापसी करने वाले ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने जैक क्रॉली (09) को आउट करके श्रृंखला का अपना

पहला विकेट लिया। इससे इंग्लैंड की पारी लड़खड़ा गई और उसने 15 गेंद और पांच रन के अंदर तीन विकेट गंवा दिए। ऑफ स्पिनर लियोन को 10वें ओवर में गेंद सौंपी गई। उन्होंने चार गेंदों के अंदर ओली पोप (03) और बेन डकेट (29) को आउट कर दिया, जिससे इंग्लैंड का स्कोर तीन विकेट पर 42 रन हो गया। उन्होंने पोप को एक घूमती हुई गेंद पर आगे बढ़कर खेलने के लिए मजबूर किया और जोश इंग्लिस ने मिडविकेट पर डाइव लगाते हुए कैच कर दिया। इससे उन्होंने तेज गेंदबाज मैकग्रा के 563 टेस्ट विकेटों की बराबरी कर ली। इसी ओवर की आखिरी गेंद पर लियोन ने डकेट को बोल्ड किया और इस तरह से वह मैकग्रा से आगे निकल गए।

विश्व कप विजेता को मिलेगी पांच करोड़ डॉलर की पुरस्कार राशि

मैनचेस्टर: विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने बुधवार को घोषणा की कि 2026 में होने वाले विश्व कप के विजेता को 655 मिलियन डॉलर की कुल पुरस्कार राशि में से 50 मिलियन डॉलर (पांच करोड डॉलर) मिलेंगे। अर्जेंटीना को 2022 में चैंपियन बनने पर 42 मिलियन डॉलर और फ्रांस को 2018 में विश्व कप जीतने पर 38 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि मिली थी जिसमें इस बार बढ़ोतरी तो हुई है लेकिन यह राशि इस साल अपेक्षाकृत कम चर्चित क्लब विश्व कप जीतने के लिए चेल्सी को मिली पुरस्कार राशि से आधे से भी कम है। क्लब विश्व कप की कुल पुरस्कार राशि एक अरब डॉलर थी। चेल्सी को चैंपियन बनने पर 125 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि मिली थी। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में 11 जून से 19 जुलाई तक होने वाले विश्व कप के लिए कुल पुरस्कार राशि कतर में 2022 में आयोजित किए गए टूर्नामेंट के लिए निर्धारित 440 मिलियन डॉलर की तुलना में 48.9 प्रतिशत अधिक है।

सबसे बुरा दौर बीत चुका है: इंडिगो सीईओ

मुंबई: इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने बृहस्पतिवार को कर्मचारियों से कहा कि विमानन कंपनी ने परिचालन को सुचारू कर लिया है और सबसे बुरा दौर बीत चुका है। उन्होंने कहा कि कंपनी का ध्यान अब खुद को मजबूत करने, मूल कारण का विश्लेषण और फिर से वापसी करने पर है। कर्मचारियों को भेजे गए एक वीडियो संदेश में एल्बर्स ने कहा कि व्यवधानों के बाद इंडिगो ने अपनी अधिकतर उड़ान सेवाओं को बहाल कर दिया है। घरेलू विमानन कंपनी में परिचालन संबंधी व्यवधान के कारण इस महीने की शुरुआत में उसकी हजारों उड़ानें रद्द हुईं जिससे हवाई अड्डे पर लाखों यात्रियों को असुविधा और कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। एक समय ऐसा था जब दिन में इसकी 1600 उड़ाने रद्द की जा रही थीं। इंडिगो ने तब से धीरे-

धीरे सेवाएं बहाल कर दी हैं। बृहस्पतिवार को 2,200 उड़ानें संचालित की गईं। विमानन कंपनी व्यवधान के कारणों की समीक्षा कर रही है। साथ ही प्रभावित ग्राहकों को मुआवजा देते हुए अपने परिचालन को सामान्य करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। एल्बर्स ने कहा, 'तूफान से निकलकर हम फिर से उड़ान भरने की राह पर हैं। सबसे बुरा दौर बीत चुका है।' उन्होंने कहा कि पिछले दो सप्ताह 'बहुत चुनौतीपूर्ण' रहे हैं।

फ्लिपकार्ट की फेस्टिव सप्लाई चेन ने करोड़ों तक पहुंचाईं खुशियां

बेंगलुरु : भारत के घरेलू ई-मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने 2025 के त्योहारी सीजन में अपनी सप्लाई चेन क्षमताओं से विस्तार, गति और सामाजिक प्रभाव की नई मिसाल कायम की। कंपनी ने बताया कि यूनिट्स के आधार पर सालाना 24 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि कुल ऑर्डर में टियर-2 और टियर-3 शहरों की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत से अधिक रही। बिग बिलियन डेज (बीबीडी) 2025 के दौरान फ्लिपकार्ट ने व्यस्ततम दिनों में हर मिनट 5,000 से ज्यादा शिपमेंट और एक दिन में 73 लाख से अधिक शिपमेंट संभालते हुए तेज और भरोसेमंद डिलीवरी सुनिश्चित की। सेम-डे और नेक्स्ट-डे डिलीवरी में 44 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया। बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कंपनी ने 28 राज्यों में 4 लाख से ज्यादा सीजनल रोजगार के अवसर सृजित किए। उन्नत एआई, मशीन लर्निंग, ऑटोमेशन और मजबूत लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के जरिए 21,000 से अधिक पिनकोड तक पहुंच बनाई गई। फ्लिपकार्ट ने इस सीजन न केवल तकनीक और गति में बल्कि समावेशी रोजगार, कौशल विकास और क्षेत्रीय विस्तार के जरिए भारत के हर कोने तक त्योहारी खुशियां पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

भारत-ओमान सीईपीए से दवा और कृषि निर्यात को बढ़ावा, संवेदनशील क्षेत्रों को संरक्षण

नयी दिल्ली/मस्कट: भारत और ओमान के बीच हस्ताक्षरित व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) से भारतीय दवा, कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात को बड़ी मजबूती मिलने की उम्मीद है। इस समझौते के तहत भारत की प्रमुख तैयार दवाओं और टीकों को ओमान के बाजार में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी, जबकि नियामक मंजूरियों की प्रक्रिया को भी तेज किया जाएगा। समझौते के अनुसार, पेनिसिलिन, स्ट्रेप्टोमाइसिन, टेट्रासाइक्लिन और एरिथ्रोमाइसिन जैसे प्रमुख सक्रिय औषधीय घटकों (एपीआई) को भी बिना शुल्क के ओमान में प्रवेश मिलेगा। जिन दवाओं और उत्पादों को अमेरिका के यूएसएफडीए, यूरोप की ईएमए,

ब्रिटेन की एमएचआरए और ऑस्ट्रेलिया की टीजीए से मंजूरी मिल चुकी है, उन्हें सभी जरूरी दस्तावेज पूरे होने पर बिना पूर्व निरीक्षण के 90 दिनों के भीतर बाजार में बिक्री की अनुमति दी जाएगी। सीईपीए के तहत भारत के कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों को भी ओमान में शुल्क-मुक्त पहुंच दी गई है। प्राकृतिक शहद, काजू, आलू, बोनलेस मीट और बेकरी उत्पादों सहित कई वस्तुएं अब बिना शुल्क के बिक सकेंगी। ओमान ने पनीर, दही, दूध और क्रीम, फ्रोजन फिश, मक्खन, मांस, ब्रेड, पेस्ट्री, केक, चॉकलेट, चीनी से बने उत्पाद और मिनरल वाटर पर शुल्क हटाने की पेशकश की है, जिन पर वर्तमान में पांच से 100 प्रतिशत तक शुल्क लगता है। इसके बदले भारत हर साल ओमान से आयात होने वाले 2,000 टन खजूर पर कोई शुल्क नहीं लगाएगा और गोंद अरबी तथा लोबान जैसे पारंपरिक उत्पादों को रियायत देगा। हालांकि, घरेलू किसानों और एमएसएमई क्षेत्र के हितों की रक्षा के लिए भारत ने डेयरी उत्पाद, चाय, कॉफी, तंबाकू, सोना-चांदी, जूते-चप्पल और कुछ अन्य वस्तुओं को संवेदनशील सूची में रखते हुए शुल्क छूट से बाहर रखा है। सरकार के अनुसार, यह समझौता व्यापार बढ़ाने के साथ-साथ राष्ट्रीय हितों का संतुलित संरक्षण सुनिश्चित करता है।

लगातार चौथे दिन बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 78 अंक फिसला

मुंबई: स्थानीय शेयर बाजार में बृहस्पतिवार को लगातार चौथे दिन गिरावट आई। अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता और वैश्विक बाजारों में नरम रुख से सेंसेक्स 78 अंक के मामूली नुकसान में रहा जबकि निफ्टी स्थिर बंद हुआ। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 77.84 अंक यानी 0.09 प्रतिशत टूटकर 84,481.81 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 84,780.19 अंक के ऊपरी और 84,238.43 अंक के निचले स्तर तक भी गया। इस तरह इसमें 541.76 अंक की घट-बढ़ हुई। एनएसई का 50 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक निफ्टी तीन अंक यानी 0.01 प्रतिशत की

मामूली गिरावट के साथ 25,815.55 अंक पर स्थिर रहा।। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में सन फार्मा, टाटा स्टील, पावर ग्रिड, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी और भारती एयरटेल प्रमुख रूप से नुकसान में रहें। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, अदाणी पोर्ट्स, एक्सिस बैंक और एचसीएल टेक शामिल हैं। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा, वैश्विक संकेतों और रुपये से जुड़ी चिंताओं का निवेशक धारणा पर असर बना रहा। इसकी वजह से कारोबारियों ने सतर्कता बरती। व्यापक बाजार में मझोली कंपनियों का बीएसई मिडकैप सूचकांक 0.05 प्रतिशत चढ़ गया जबकि छोटी कंपनियों के स्मालकैप सूचकांक में 0.28 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। क्षेत्रवार सूचकांकों में बिजली खंड में सर्वाधिक 1.01 प्रतिशत की गिरावट रही जबकि तेल एवं गैस खंड में 0.81 प्रतिशत, पूंजीगत उत्पाद खंड में 0.80 प्रतिशत और उपयोगिता खंड में 0.75 प्रतिशत की गिरावट रही।

न्यूज अपडेट

रुपया 12 पैसे मजबूत होकर 90.26 प्रति डॉलर पर बंद

नयी दिल्ली: रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 12 पैसे मजबूत होकर 90.26 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संभावित हस्तक्षेप से विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की व्यापक मजबूती के बावजूद घरेलू मुद्रा को बढ़त में रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ब्रेंट क्रूड की कीमत 59 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के आसपास बनी रहने से घरेलू मुद्रा को निचले स्तर पर समर्थन मिला। हालांकि, डॉलर सूचकांक में सुधार और घरेलू बाजारों की कमजोरी ने तेज बढ़त को सीमित कर दिया।

चांदी 1,800 रुपये चढ़कर 2.07 लाख रुपये प्रति किलो के नए रिकॉर्ड स्तर पर

नयी दिल्ली: चांदी बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में 1,800 रुपये उछलकर 2,07,600 रुपये प्रति किलोग्राम के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। इसका कारण कारोबारियों की निरंतर खरीदारी है। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। चांदी बुधवार को 7,300 रुपये उछलकर पहली बार दो लाख रुपये प्रति किलोग्राम को पार कर 2,05,800 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। इस वृद्धि के साथ, चांदी की कीमत इस साल एक जनवरी को दर्ज की गई 90,500 रुपये प्रति किलोग्राम से 1,17,100 रुपये किलो यानी 129.4 प्रतिशत बढ़ चुकी है।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर जनवरी से वाहनों की कीमतों में दो प्रतिशत तक की करेगी बढ़ोतरी

नयी दिल्ली: जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने कच्चे माल की लागत के असर की भरपाई के लिए जनवरी से अपने वाहनों की कीमतों में दो प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने की बृहस्पतिवार को जानकारी दी। मोटर वाहन विनिर्माता कंपनी ने बयान में कहा कि कीमतों में यह बढ़ोतरी एक जनवरी 2026 से प्रभावी होगी। मॉडलों व संस्करण के अनुसार बढ़ोतरी अलग-अलग होगी। इसमें कहा गया कि कच्चे माल की लागत में वृद्धि और अन्य व्यापक आर्थिक कारकों के कारण यह वृद्धि की जा रही है। लक्जरी कार विनिर्माता कंपनी मर्सिडीज-बेंज इंडिया और बीएमडब्ल्यू ने भी अगले महीने से वाहनों की कीमतें बढ़ाने की घोषणा की है।

एल कैटरटन ने हल्दीराम में हिस्सेदारी हासिल की

नयी दिल्ली: प्रमुख वैश्विक उपभोक्ता-केंद्रित निवेश कंपनी एल कैटरटन ने देश के अग्रणी स्नैक्स एवं खाद्य ब्रांड हल्दीराम के साथ रणनीतिक साझेदारी करते हुए कंपनी में हिस्सेदारी हासिल की है। एल कैटरटन ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी, हालांकि निवेश राशि या मूल्यांकन से जुड़ा कोई विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया। कंपनी के अनुसार, इस साझेदारी का उद्देश्य घरेलू बाजार में हल्दीराम की मजबूत स्थिति को और सुदृढ़ करना तथा इसकी आधारभूत संरचना, ब्रांड प्रतिष्ठा और विकास क्षमता के बल पर अंतरराष्ट्रीय विस्तार को गति देना है। गौरतलब है कि इस वर्ष की शुरुआत में हल्दीराम ने टेमासेक, अल्फा वेव ग्लोबल और इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी जैसे रणनीतिक निवेशकों को भी हिस्सेदारी बेची थी। उद्योग सूत्रों के मुताबिक, तब कंपनी का मूल्यांकन लगभग 10 अरब अमेरिकी डॉलर आंका गया था। 1937 में बीकानेर से शुरू हुआ हल्दीराम आज 80 से अधिक देशों में अपने उत्पाद बेच रहा है।

वर्ष 10, पूर्णांक 3447 अंक 257, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा रजि. 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), कॉर्पोरेट आफिस : 230, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700 006, विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in